खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें ➤ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, शनिवार 02 दिसम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –22 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ ललित जी और हरसिंगार...
■ विश्राम देने से जी उठा... 04
■ अमेरिका के आरोपों पर जांच रिपोर्ट के बाद...
■ ट्रंप चौथी रिपब्लिकन प्राथमिक बहस में... 09
■ हवाई यात्रा : कंपनियां 10 फीसदी तक घटा...
■ सेंसेक्स 11 माह के उच्च स्तर पर, निफ्टी ने... 11
■ रिंकू की तूफानी पारी...
■ रहाणे, पुजारा के कॅरियर... 10

सार संक्षेप

20 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया ईडी अधिकारी

डिंडीगुल। तमिलनाडु में रिश्वत लेते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को रंगे हाथों पकड़ा गया है। तमिलनाडु के सरकारी अधिकारियों ने कहा कि अंकित तिवारी नाम के ईडी के एक कथित अधिकारी को डिंडीगुल में एक डॉक्टर से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। वह ईडी अधिकारियों की अपनी टीम के साथ कई लोगों को धमका रहा है और प्रवर्तन निदेशालय में उनके खिलाफ चल रहे केस को बंद करने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। तमिलनाडु की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने शुक्रवार सुबह अंकित तिवारी को पकड़ लिया है। अभी ईडी की तरफ से इस आरोप का कोई जवाब या स्पष्टीकरण नहीं आया है।

साहित्य अकादमी पुस्तक मेला 'पुस्तकायन' आरंभ

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी का वार्षिक पुस्तक मेला 'पुस्तकायन' शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में आरंभ हो गया जो नौ दिसंबर तक चलेगा। यह पुस्तक मेला साहित्य अकादमी परिसर में नौ दिसंबर तक खुला रहेगा।

विश्व जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में बोले मोदी-

कार्बन उत्सर्जन 45 फीसदी कम करने प्रयास जरूरी

प्रस्ताव : भारत अगले आयोजन के लिए तैयार

नई दिल्ली। विश्व जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन सीओपी28 की उच्च-स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्बन उत्सर्जन 45 फीसदी घटाने पर जोर देते हुए कहा कि-पर्यावरण संतुलन के लिए यह कार्य बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्बन उत्सर्जन घटाने के साथ ही भारत की मेजबानी में आयोजन का प्रस्ताव भी रखा। बता दें कि सीओपी28 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक हो रहा है।

सीओपी28 समिट में अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर समस्या बताया। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन में 45 फीसद की कमी लाने का संकल्प लेना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए सबके हितों की सुरक्षा बहुत जरूरी है।

कार्बन उत्सर्जन भारत का योगदान 4 प्रतिशत से कम

उन्होंने कहा कि आज भारत ने दुनिया के सामने इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन का एक शानदार उदाहरण पेश किया है। भारत में दुनिया की 17 फीसदी आबादी रहती है, इसके बावजूद वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में इसका योगदान 4 प्रतिशत से कम है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन में 45 फीसदी की कमी लाना है। हम 2070 तक नेट जीरो के अपने लक्ष्य की ओर भी आगे बढ़ते रहेंगे।

अपने हितों से ऊपर उठ कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करें

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें संकल्प लेना होगा कि एनर्जी ट्रांजेक्शन हो, लेकिन इसके लिए हमें इनोवेटिव होना होगा। हमें यह भी संकल्प लेना होगा कि इनोवेटिव टेक्नोलॉजी का लगातार विकास करें और अपने हितों से ऊपर उठ कर दूसरे देशों को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करें। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार रात संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे। जहां भारतीय प्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ चक्रवाती तूफान मिचौंग

कल तक मप्र, छत्तीसगढ़ सहित आधा दर्जन प्रदेशों में तेज बारिश

अगले दो दिनों में चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब का क्षेत्र बन रहा है, जिसके अगले दो दिनों में चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। मौसम विभाग का कहना है कि 4 दिसंबर की शाम तक यह चक्रवाती तूफान मिचौंग आंध्र प्रदेश में माचिलीपत्तनम और चेन्नई के तट से टकरा सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का जो क्षेत्र बन रहा है, उसका केंद्र चेन्नई के समुद्र तट से 800 किलोमीटर, माचिलीपत्तनम से 970 किलोमीटर, आंध्र प्रदेश के ही बापातला से 990 किलोमीटर और पुडुचेरी के तट से 790 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि निम्न दाब का क्षेत्र पश्चिम और उत्तर पश्चिम दिशा की तरफ बढ़ रहा है और 2-3 दिसम्बर तक इसके चक्रवाती तूफान मिचौंग में बदलने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में अभी कुछ दिन और बेमौसम बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, यूपी, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग ने मिचौंग तूफान के चलते तमिलनाडु के तटीय इलाकों, पुडुचेरी और कराइकल में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

चार दिसंबर तक चेन्नई के तट से टकरा सकता है तूफान

मणिपुर में दिनदहाड़े बैंक से लूटे 18 करोड़

इंफाल, (एजेंसियां)। मणिपुर में पंजाब नेशनल बैंक चेस्ट से बदमाशों ने 18.80 करोड़ रुपए कैश लूट लिए। सभी लुटेरे नकाब पहनकर आए थे।

उन्होंने स्टॉफ को बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद कैशियर से तिजोरी का ताला खुलवाकर पैसे लेकर भाग गए। यह घटना गुरुवार को उखरुल जिले में हुई।

पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। पीएनबी बैंक चेस्ट राजधानी इंफाल से लगभग 80 किमी दूर उखरूल शहर में स्थित है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया, 30 नवंबर को दोपहर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कुछ लुटेरे बैंक पहुंचे। उन्होंने बैंक के गार्ड्स को अपने कब्जे में ले लिया और स्टॉफ को बंदूक दिखाकर धमकाया। अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों में से कुछ ने कैमोफ्लॉज ड्रेस पहनी थी।

हमारा लक्ष्य अगले 10 वर्षों में 50 फीसदी मुख्यमंत्री महिलाएं हों : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एर्नाकुलम में एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि- कांग्रेस का लक्ष्य है कि आने वाले दस सालों में देश के राज्यों में 50 फीसदी मुख्यमंत्री महिलाएं हों। राहुल यहां महिला कांग्रेस के राज्य सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सत्ता में महिला की कमी पर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास महिला मुख्यमंत्रियों की कमी है। वर्तमान में बहुत कम महिला मुख्यमंत्री हैं। पर मुझे पता है कि कांग्रेस पार्टी में कई महिलाएं हैं, जो एक अच्छी मुख्यमंत्री बन सकती हैं। हमारी कोशिश है कि- कांग्रेस पार्टी के हर स्तर पर अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी हो।

ओडिशा : सड़क हादसे में 8 की मौत

देवी दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों का वाहन ट्रक से टकराया

ओडिशा। ओडिशा के क्योंझर जिले में एक वाहन के ट्रक से टकराने के बाद कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। वहीं इस घटना में कई अन्य घायल भी हुए हैं। यह घटना घाटगांव इलाके के बालिजोड़ी गांव के पास नेशनल हाईवे 20 पर घटी। वाहन में सवार लोग मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इस घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक ने अस्पताल में दम तोड़ दी। घायलों में पांच का इलाज क्योंझर जिले के अस्पताल में जारी है। वहीं घायलों में से तीन को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती किया गया है। गंजन जिले के पुदामारी से 20 लोग वाहन में सवार होकर देवी त्रारिणी की दर्शन के लिए जा रहे थे। यह घटना मंदिर से तीन किमी पहले घटी। ऐसा माना जा रहा कि चालक को झपकी आने की वजह से यह दुर्घटना घटी।

लंबित विधेयकों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विवाद सुलझाएं राज्यपाल

चेन्नई। राज्यपाल से मतभेद को लेकर तमिलनाडु सरकार की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। विभिन्न लंबित विधेयकों पर राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ की गई अपील पर कोर्ट ने राज्यपाल को कई सुझाव दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि राज्यपाल को इस मुद्दे का समाधान करना चाहिए। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल को मुख्यमंत्री के साथ बैठकर लंबित विधेयकों से संबंधित मुद्दों का समाधान करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं या तो विधेयकों पर सहमति दें, अनुमति रोकें या बिल को राष्ट्रपति के लिए आरक्षित रखें।

एक बार जब राज्यपाल अनुमति रोक देते हैं, तो इसे राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने का कोई सवाल ही नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने मामले को स्थगित कर दिया।

तृतीय पुण्यतिथि

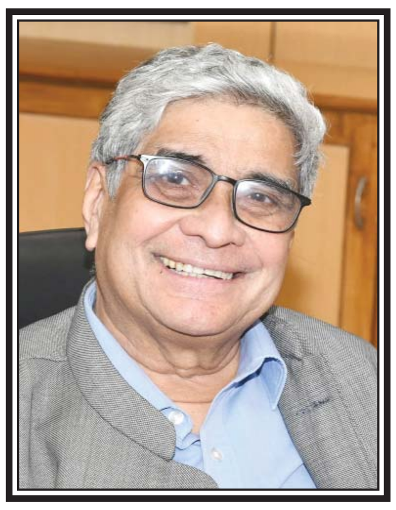

स्व. ललित सुरजन

(22 जुलाई 1946-2 दिसम्बर 2020)

"मुझे इस बात पर बिल्कुल भी आपत्ति नहीं है कि चैनल, अखबार और पत्रकार अपनी राजनैतिक सोच के अनुसार विचार प्रकट करें। यह तो उनका धर्म है। लेकिन जब दबाव या प्रलोभन में आकर वे इस या उस पक्ष की तरफदारी करते हैं तो पत्रकार धर्म के साथ बेईमानी करते हैं।"

(देशबन्धु, 20 दिसम्बर 2018)

देशबन्धु परिवार
पुण्य स्मरण करता है

भाजपा के 11 विधायकों के खिलाफ एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के 11 भाजपा विधायकों के खिलाफ इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा की परिसर में धरना के दौरान राष्ट्रीय गान का अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री सोभोनदेब चटर्जी ने बताया कि शिकायत तृणमूल कांग्रेस की तरफ से दर्ज की गई है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में 29 नवंबर को टीएमसी विधायक पश्चिम बंगाल के साथ केंद्र के भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ प्रदर्शन बंद करने से पहले बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे राष्ट्रगान गा रहे थे। टीएमसी ने आरोप लगाया कि इस दौरान करीबन 50 मीटर की दूरी पर भाजपा विधायक नारेबाजी करने के साथ घंटी बजा रहे थे।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई-पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- मणिपुर में दिन-दहाड़े बैंक से 18 करोड़ की लूट हो गई।
चुहिया- हां प्रिये- जहां थानों और सुरक्षाबलों के हथियार लुट रहे हों, वहां और क्या उम्मीद करोगे।

देश-विदेश

अब 3 नहीं 4 दिसंबर को होगी मिज़ोरम में वोटों की गिनती

दिल्ली। मिजोरम विधानसभा के आम चुनाव के लिए मतगणना की तारीख में बदलाव किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में जानकारी दी है। आयोग ने बताया कि मतगणना की तारीख को तीन दिसंबर, 2023 (रविवार) से संशोधित करके 4 दिसंबर, 2023 (सोमवार) कर दिया गया है। आयोग ने यह भी बताया कि यह कदम राज्य के कई क्षेत्रों से आए उन प्रस्तावों के बाद उठाया गया है, जिनमें मतगणना की तारीख को 3 दिसंबर, 2023 (रविवार) से किसी अन्य सप्ताह के दिन में बदलने का अनुरोध किया गया था। प्रस्तावों में कहा गया था तीन दिसंबर, 2023 को रविवार होने के कारण मिजोरम के लोगों के लिए खास महत्व है।

वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में बोले नौसेना प्रमुख

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में टकराव का रूप ले सकते हैं विवाद

भारतीय नौसेना रख रही है कड़ी नजर, हर स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में जिस तरह के विवाद हैं उनके कारण वहां किसी भी समय टकरावपूर्ण स्थिति बन सकती है लेकिन भारतीय नौसेना वहां कड़ी नजर रख रही है और हर स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

नौसेना प्रमुख ने नौसेना दिवस से पहले आज यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हिन्द प्रशांत क्षेत्र की स्थिति के बारे में पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वहां कुछ विवाद हैं और ये टकराव का रूप भी ले सकते हैं।

इसके अलावा वहां डकैती से लेकर तस्करी तथा आपदाओं के समय विभिन्न तरह के अभियान चलाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हिंद प्रशांत में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए परस्पर संवाद जरूरी है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत खुले, मुक्त, स्वतंत्र तथा नियम आधारित हिंद प्रशांत क्षेत्र का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में भारत हर गतिविधि पर कड़ी नजर रख रहा है और किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है।

साझा धरोहर माने जाते हैं सागर

हिंद महासागर के बारे में एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि सागर साझा धरोहर माने जाते हैं। महासागरों में हर देश कानूनी रूप से अपनी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। चीन को भी वहां आर्थिक गतिविधियों का अधिकार है। क्षेत्र में भारत एक नौसैनिक ताकत है और वह हर देश की गतिविधि पर करीबी नजर रखता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारतीय हितों की रक्षा करना नौसेना की प्राथमिकता है।

अमेरिका-भारत की मजबूत साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है 'निसार' : नासा प्रमुख बिल नेल्सन

बेंगलुरु। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख बिल नेल्सन ने कहा है कि नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) मजबूत अमेरिका-भारत साझेदारी का उदाहरण है। विश्वेश्वरैया औद्योगिक और प्रौद्योगिकी संग्रहालय (वीआइटीएम) में आयोजित कार्यक्रम रीचिंग फॉर द स्टार्स-ए कन्वर्सेशन विद नासा एंड इसरो में नेल्सन ने ज्ञान की खोज में जिज्ञासा, दृढ़ता और जुनून के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को प्रेरित किया।

इस दौरान 14 से 16 वर्ष की आयु के 200 से अधिक छात्रों को नेल्सन और भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के साथ संवाद का अवसर मिला। नेल्सन ने कहा कि 2024 में लांच होने वाला निसार मिशन इस बात का उदाहरण है कि अंतरिक्ष में अमेरिका- भारत की साझेदारी लोगों की कैसे मदद कर रही है।

प्राकृतिक खतरों को प्रबंधित करने में मदद करेगा निसार का डाटा-मालूम हो कि निसार का डाटा प्राकृतिक संसाधनों और खतरों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करेगा। यह मिशन विज्ञानियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए भी जानकारी देगा। अमेरिकी सरकार और वीआइटीएम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच जिज्ञासा और अन्वेषण की भावना को बढ़ावा देना था।

युद्धविराम की समय सीमा समाप्त

इजरायल ने गाजा पर फिर शुरू की बमबारी

तेल अवीव। इजरायल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि हमास के साथ युद्धविराम की समय सीमा समाप्त होने के बाद गाजा में हमास के ठिकानों पर लड़ाकू विमानों से हमले किए जा रहे हैं। हमास शासित गाजा पट्टी के गृह मंत्रालय ने भी बताया है कि दक्षिणी गाजा पर हवाई हमले किए जा रहे हैं।

गाजा पट्टी से आ रही तस्वीरों में क्षेत्र के ऊपर घना काला धुआं दिखाई दे रहा है। इजरायल और फिलिस्तीन के चरमपंथी समूह हमास के बीच अस्थायी युद्धविराम शुक्रवार सुबह सात बजे समाप्त हो गया और इसके ठीक आधे घंटे बाद इजराइली सेना ने हमले की घोषणा की। इससे पहले इजरायल ने हमास पर युद्धविराम की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था और कहा था कि गाजा से इजरायल की ओर रॉकेट दागे गए थे। यह युद्धविराम एक सप्ताह पहले 24 नवंबर को शुरू हुआ था।

शुरुआत में यह चार दिनों के लिए था और फिर कतर तथा मध्यस्थता में मदद करने वाले देश मिस्र की सहायता से इसे दो दिन के लिए तथा फिर एक दिन के लिए और बढ़ाया गया। सप्ताह भर के युद्धविराम में गाजा में हमास और अन्य समूहों ने 100 से अधिक बंधकों को रिहा किया, जिनमें से अधिकतर इजरायली थे। बदले में इजरायल की जेलों से 240 फलस्तीनियों को रिहा किया गया। अभी तक अधिकतर महिलाओं और बच्चों को रिहा किया गया है लेकिन अब भी हमास के कब्जे में कुछ बंधक हैं। हमास का गाजा पर 16 वर्ष से शासन है और माना जा रहा है कि हमास शेष बंधकों खासतौर पर सैनिकों की रिहाई के लिए कड़ी शर्तें रख सकता है।

गाजा में अब भी सौ से अधिक बंधक हैं जबकि शेष को रिहा कर दिया गया है। मध्यस्थता में अहम भूमिका निभाने वाले कतर तथा मिस्र ने युद्धविराम को दो और दिन बढ़ाने के प्रयास किए थे।

भारत का तीखा रवैया देखकर नरम पड़ा अमेरिका

खालिस्तानी पन्नू की हत्या के प्रयास मामले पर बदले सुर

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अमेरिका में खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय अधिकारी की संलिप्तता के आरोपों की जांच की भारत सरकार की घोषणा को अच्छा और उचित बताया है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि उसने आपराधिक सांठगांठ और पन्नुन की हत्या के प्रयास के संबंध में अमेरिका द्वारा साझा की गई सुरक्षा चिंताओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया है। इज़राइल के तेल अवीव में उनके साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से बात करते हुए, ब्लिंकन ने कहा-सरकार ने आज घोषणा की कि वह एक जांच कर रही है, और यह अच्छा और उचित है, और हम परिणाम देखने के लिए उत्सुक हैं।

राज्य सचिव बुधवार को मैनहट्टन अदालत में संघीय अमेरिकी अभियोजकों द्वारा दायर एक अभियोग में एक भारतीय नागरिक के साथ एक अनाम भारतीय अधिकारी की उपस्थिति पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिस पर न्याय विभाग का आरोप है कि उसने हत्या के लिए अमेरिका में किसी को काम पर रखा था। पन्नून, भारत के मुखर आलोचक और अलग खालिस्तान के समर्थक थे। ब्लिंकन ने कहा यह एक चालू कानूनी मामला है। इसलिए आप समझेंगे कि मैं इस पर विस्तार से टिप्पणी नहीं कर सकता। मैं कह सकता हूं कि यह कुछ ऐसा है जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम में से कई लोगों ने पिछले हफ्तों में इसे सीधे भारत सरकार के समक्ष उठाया है।

भारतीय ने पहले बताया था कि अमेरिका ने भारत-अमेरिका सुरक्षा सहयोग पर हालिया चर्चा के दौरान संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए थे। यह घटनाक्रम ब्रिटेन स्थित दैनिक समाचार पत्र फाइनेंशियल टाइम्स की उस रिपोर्ट के कुछ ही सप्ताह बाद सामने आया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने अमेरिकी धरती पर कुख्यात खालिस्तानी अलगावादी और प्रतिबंधित संगठन एसएफजे के नेता की हत्या के प्रयास को विफल कर दिया है।

जम्मू कश्मीर में भयंकर मुठभेड़, लश्कर का 1 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को जिले के अरिहाल इलाके में न्यू कॉलोनी में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रारंभ किया जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मारे गए आतंकवादी की शिनाख्त किफायत अयूब अली के तौर पर की गई है। वह पिंजूरा शोपियां का निवासी था और आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। उसका शव मुठभेड़ स्थल से बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस रिकॉर्ड से पता चलता है कि वह आतंकवाद की कई घटनाओं में शामिल था। पुलिस ने कहा कि मुठभेड़ स्थल से एक पिस्तौल, दो मैगजीन, पांच गोलियां और दो ग्रेनेड आदि बरामद किए गए हैं। वहीं मामले पर भारतीय सेना ने बताया है कि विशिष्ट खुफिया इनपुट पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से पुलवामा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। एनकाउंटर के दौरान हथियार और युद्ध जैसे भंडार की बरामदगी के साथ ही एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। तलाशी अभियान फिलहाल जारी है।

सीबीएसई बोर्ड की बड़ी खबर, अब 10वीं, 12वीं में नहीं मिलेगी कोई रैंक या डिवीजन

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं और 12वीं परीक्षा से पहले एक बड़ा बदलाव किया है। इसको लेकर बोर्ड ने एक अहम सूचना जारी की है। इसका नोटिफिकेशन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट cbse.gov.in पर लगा दिया गया है। इसके मुताबिक, साल 2024 में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को डिवीजन, रैंक या एग्रीगेट मार्क्स नहीं दिए जाएंगे।

नई शिक्षा पॉलिसी 2020 को लागू करने के लिए शिक्षा जगत में कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। सीबीएसई बोर्ड के इस कदम से बोर्ड परीक्षार्थियों पर रिजल्ट का कम प्रेशर रहेगा और वह अपनी तैयारी बेहतर तरीके से कर पाएंगे। समझिए सीबीएसई बोर्ड का पूरा नोटिफिकेशन और कॉलेज में एडमिशन के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 2024 में कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को कोई समग्र डिवीजन, डिस्टिंक्शन या एग्रीगेट नहीं देगा। इसके अलावा बोर्ड ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 10वीं, 12वीं में अंकों के प्रतिशत की गणना भी सीबीएसई के द्वारा नहीं की जाएगी।

कैसे मिलेगा एडमिशन-सीबीएसई बोर्ड के नोटिफिकेशन में एक और जरूरी बात का उल्लेख किया गया है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, अगर किसी स्टूडेंट ने बोर्ड परीक्षा में पांच से ज्यादा विषय लिए हैं तो सर्वोत्तम पांच विषयों को निर्धारित करने का फैसला छात्र को एडमिशन देने वाले संस्थान या सीबीएसई बोर्ड के छात्र की भर्ती करने वाला नियोक्ता खुद कर सकता है। इसमें भी सीबीएसई बोर्ड की कोई भूमिका नहीं रहेगी।

परीक्षा की तारीखें-सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा 15 फरवरी से 10 अप्रैल 2024 के बीच होगी। सीबीएसई बोर्ड परीक्षार्थी फिलहाल डेटशीट जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इसी हफ्ते सीबीएसई बोर्ड परीक्षा डेटशीट 2024 जारी कर देगी। इसके लिए ऑफिशियल वेबसाइट cbse.gov.in पर छात्र विजिट करते रहें।

बेंगलुरू के 15 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरू में करीब 15 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी मिली है। यह मैसेज सभी स्कूलों को ईमेल के जरिए भेजा गया है। फिलहाल स्थानीय पुलिस मामले की जांच और कार्रवाई में जुट गई है। बम की

ईमेल के जरिए भेजा दहलाने वाला मैसेज

धमकी मिलने के बाद पैरेंट्स में अफरातफरी का माहौल बन गया और स्कूलों पर काफी भीड़ मच गई। स्थानीय पुलिस सिचुएशन को कंट्रोल करने में लगी रही।

इससे पैरेंट्स और बच्चों में दहशत फैल गई है। एक स्कूल को तो धमकी भरा फोन कॉल भी किया गया है। पैरेंट्स अपने बच्चों को स्कूल से ले जाने के लिए पहुंचे हैं। बेंगलुरू के बसवश्वनगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पिछले साल भी इसी तरह से करीब 30 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाला मैसेज आया था। फिलहाल इस धमकी को गंभीरता से लिया गया है और स्कूलों की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

In The Court of XXI, Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000193/2023)
श्रीमती कंचन शर्मा ....वादी
Vs
आम जनता.... .....प्रतिवादी
Process Id-/2023
पेशी दि.:-23/12/2023
प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर मध्यप्रदेश
यह कि प्रार्थी श्रीमती कंचन शर्मा ने आपके विरूद्ध दावा वास्ते घोषणा हेतु वाद का मूल्यांकन 1000 रूपये करते हुए नियत न्यायशुल्क 500 अंकन पांच सौ रूपये के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 23 नवम्बर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ दावा वास्ते घोषणा हेतु वाद का मूल्यांकन 1000 रूपये करते हुये नियत न्याय शुल्क 500 रूपये अंकन पांच सौ रूपये की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(फरहान एम. कुरैशी)
इक्कीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 1672

पश्चिम मध्य रेल
क्र.जबल/वा/477/एस.टी.बी.ए./को./23 दिनांकः 28.11.2023
सूचना क्रमांक 06/2023 जबलपुर, दिनांक 28.11.2023 वाणिज्य शाखा, जबलपुर
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के लिए एवं उनकी ओर से जबलपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में NSG-4/6 श्रेणी के कुल 17 स्टेशनों पर "स्टेशन टिकिट बुकिंग एजेंट" (STBA) नियुक्त करने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमन्त्रित करता है:- **विवरणः** जबलपुर मंडल के NSG-4/6 श्रेणी के कुल 17 स्टेशनो पर STBA की नियुक्ति हेतु, **आवेदन पत्र का मूल्यः** आवेदन फार्म का मूल्य ₹1180/- (डी.डी. के रूप में), **आवेदन पत्र एवं अन्य विवरणः** रेलवे की वेबसाईट www.wcr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है, **आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि व समयः** 19.12.2023 को 15:00 बजे तक, **आवेदन पत्र पेटी खुलने की तिथि व समयः** 19.12.2023 को 15:30 बजे तक।
NSG-4/6 श्रेणी के कुल 17 स्टेशनों का विवरण जिनमें प्रत्येक स्टेशन में एक काउंटर के लिए "स्टेशन टिकिट बुकिंग एजेंट" (STBA) नियुक्त किया जाना है निम्न प्रकार है:-

Sr. No.	Name of Station	Sr. No.	Name of Station	Sr. No.	Name of Station
1.	DAMOH	7.	DEVRAGRAM	13.	MAJHAGAWAN PHATAK
2.	PIPARIA	8.	BELKHEDA	14.	LIDHORA KHURD
3.	NARSINGPUR	9.	SALHANA	15.	LAGARGAWAN
4.	KATNI MURWARA	10.	SAGMA	16.	GHATPINDRI
5.	BIKRAMPUR	11.	BANSAPAHAR	17.	HINAUTA RAMBAN
6.	HARDUA	12.	SAKARIYA		
Categ.: From Sr. No. 1 to 4 : NSG-4 & From Sr. No. 5 to 17: NSG-6					
No. of Shift: From Sr. No. 1 to 17: All Shift					

नोटः- उक्त सभी स्टेशनों में रेल प्रशासन द्वारा तय किए गए समय के लिए STBA की नियुक्ति की जाएगी। चुने गये "स्टेशन टिकिट बुकिंग एजेंट (STBA) स्टेशन पर यात्रियों को सभी प्रकार के गैर रियायती अनारक्षित यात्रा टिकिट (UTS) जारी कर सकेंगे तथा स्टेशन मास्टर के अनुमोदन के पश्चात रियायती अनारक्षित टिकिट भी जारी कर सकेंगे। **इस योजना से सम्बंधित पूर्ण विवरण, आवेदन पत्र का प्रारूप, योग्यता एवं शर्तें पश्चिम मध्य रेल की वेबसाइट www.wcr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।** आवेदन पत्र की कीमत ₹ 1180/- एवं बयाना राशि NSG-6 श्रेणी के ₹ 2000/- एवं NSG-4 श्रेणी के ₹ 10000/- जो की "**वरि.मंडल वित्त प्रबंधक जबलपुर, पश्चिम मध्य रेल or Sr. DFM JBP, WCR** के नाम से किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी डिमांड ड्राफ्ट (DD) के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। निर्धारित शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र भरकर सील बंद लिफाफे में वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के कार्यालय में रखे बॉक्स में निर्धारित तिथि तक जमा करना होगा। **नोटः** (1) डॉक द्वारा आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (2) दिनांक 19.12.2023 को 15:00 बजे के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (3) बिना शुल्क, निर्धारित शुल्क से कम शुल्क अथवा गलत नाम से डी.डी. के साथ जमा किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,वाणिज्य विभाग,पश्चिम मध्य रेल,जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

आम सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती श्वेता निगम धर्मपत्नि श्री प्रतीक निगम एवं प्रतीक निगम आत्मज श्री निखिलेश निगम दोनों निवासी 3/6 दत्त आर्केड सिविल लाइंस, जबलपुर अपनी मालिकियत की संपत्ति दत्त आर्केड फेस-1, ब्लॉक- ए के तृतीय मंजिल में स्थित फ्लेट नं. 7 नगर निगम मकान नंबर 189, 190 का भाग सुभाषचंद्र बेनर्जी वार्ड जबलपुर जो नजूल ब्लॉक नं. 23 के प्लाट नं. 3 के भाग में स्थित है जिसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 1228 वर्गफुट है जिसे मेरे पक्षकारों ने रजिस्ट्रीशुदा बैनामा दिनांक 16/10/1996 के जरिये गुलाब राय एण्ड सन्स सिविल लाइन के मुख्त्यारआम सुधीर दत्त पिता स्व. ए.सी. दत्त से डॉ. श्रीमति जयंती निगम पत्नि डॉ. राजेन्द्र निगम ने दिनांक 16/10/1996 को ग्रंथ क्रमांक 8354, पृष्ठ क्रमांक 192-201 के जरिये क्रय किया था जिसे दिनांक 18/04/2000 को ग्रंथ क्रमांक 9634, पृष्ठ क्रमांक 112-117 पर क्रमांक 92 के जरिये श्री के.एस. वाधवा एवं श्रीमती एस.के. वाधवा से क्रय किया था। उक्त रजिस्ट्री की दोनों मूल प्रतियां दिनांक 16/05/2023 को इंदिरा मार्केट से सिविल लाईन्स के बीच कहीं खो गई है। जिसकी रिपोर्ट सिविल लाइन थाने में दिनांक 23/09/2023 को कर दी गई है। उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था या बैंक को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति कारणों एवं दस्तावेजों सहित आज दिनांक से 03 दिनों के अंदर रजिस्ट्री डाक से मुझे प्रेषित करें। जबलपुर दिनांक 02.12.023 भवदीय-
सुदीप देब एड.
ऑफिस/ निवास- सतपुला जी.सी.एफ. इस्टेट, जबलपुर मो.- 9425156335,0761-2622857

नाम परिवर्तन
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम -राजेंद्र कुमार पिता - भारत पटेल निवास - इमलिया परियट पोस्ट पनागर जिला जबलपुर ! अब मेरा नया नाम -राजेंद्र कुमार पटेल पिता भारत पटेल हो गया है अतः भविष्य में अब मेरा नाम सभी शासकीय एवं दस्तावेजों में राजेंद्र कुमार पटेल पिता भारत पटेल के नाम से ही जाना एवं पहचान जावे
पूर्व नाम-राजेंद्र कुमार
नया नाम- राजेंद्र कुमार पटेल
निवास-इमलिया परियट पोस्ट पनागर जिला जबलपुर

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
अंचल कार्यालयः जय स्तंभ चौक, सतना
फोन नं.: 07672 - 414418, 414406
ई-नीलामी विक्रय सूचना
भूल-सुधार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस समाचार पत्र में दिनांक 23/11/2023 को प्रकाशित ऋणी- काली ट्रेडर्स (इंडियन बैंक शाखा- एसएसआई फायनेंस) के **Property ID No. IDIB50172982179** में भूल वश आरक्षित मूल्य एवं धरोहर राशि- 44,00,000.00 एवं 4,40,000.00 प्रकाशित हो गये हैं। जिसे सुधार कर इस तरह पढ़ा जाये- आरक्षित मूल्य- 75,00,000.00 एवं धरोहर राशि- 7,50,000.00 पढ़ा जाये। शेष जानकारी पूर्ववत है।
प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as DINESH KUMAR NAI S/O Shri Ram Milan Employed as Post Barber, Section QM., Personal No. 12 at 506 Army Base WKSP, Jabalpur (M.P)., Residing at H.No. 70, Near Ram Mandir Pondi, Katni (M.P.) - 483330 have changed my name shall hereafter be known as DINESH KUMAR SEN.
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
DINESH KUMAR NAI
Signature
(in existing old name)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के पास धनवंतरी नगर जबलपुर - 482003
ई-मेल - eohbjbp@mp.gov.in, फोन नंबर 0761 2670707
फी-होल्ड की आपत्ति आमंत्रण हेतु सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया है कि धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक जूनियर एम.आई.जी 60 एवं भवन से लगी अतिरिक्त भूखण्ड 46.16 व.मी. श्री दयाशंकर सिंह पिता स्व. श्री रामायण सिंह के द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा श्री दयाशंकर सिंह पिता स्व. श्री रामायण सिंह को आवंटित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन कमांक जूनियर एम.आई.जी. 60 एवं भवन से लगी अतिरिक्त भूखण्ड 46.16 व.मी. फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था/व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
र.नं. 1680

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda विजया बैंक VIJAYA BANK | देना बैंक DENA BANK
खैरी शाखा: एचआईजी- 54, सुभाष नगर (महाराजपुर), खैरी, जबलपुर (म.प्र.)- 482004, फोन: 9752413465
ईमेल- Khairi@bankofbaroda.com
कब्जा नोटिस (चल एवं अचल संपत्ति के लिये)
(As per Appendix IV read with rule 8(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002
सेक्यूरीटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सेक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत् नियम- 8(3) के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता को मांग सूचना में दर्शायी गयी राशि, उक्त मांग सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर अदा करने को जारी किया गया था।
खातेदार (उधारकर्ता) द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जन सामान्य को यहां सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 साथ पठित एक्ट के साथ 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।
विशेष रूप से उधारीकर्ता और जन सामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा की संबंधित शाखा से निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगी। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान प्रतिभूत आस्ति उपलब्ध समय में छुड़ाने (redeem) करने के संबंध में एक्ट की धारा 13 की उपधारा (8) के तहत आकर्षित किया जाता है।

क्र	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1	ऋणीः श्रीमति प्रभा पटेल पत्नि स्व. श्री मनीष कुमार पटेल (विधिक उत्तराधिकारी श्री मनीष कुमार पटेल)	रू. 1412174/- + ब्याज 16-08-2023 से एवं अन्य खर्चे	सम्पत्ति के सभी भू- भाग स्थित म.प्र. हाऊसिंग बोर्ड, सुभाष नगर, महाराजपुर, वार्ड नं. 75, तहसील- पनागर, जिला- जबलपुर, मकान नं. ईएल एलआईजी- 109, एरिया- 532.69 वर्गफुट (ग्राउण्ड फ्लोर- 236.69 वर्गफुट, प्रथम तल- 236.69 वर्गफुट), सम्पत्ति स्वामी- श्री मनीष पटेल। चतुर्सीमा- उत्तर- ईएल- 108, दक्षिण ईएल- 110, पूर्व- कॉलोनी रोड, पश्चिम- ईएल- 120	16-08-2023 / 28-11-2023

दिनांक: 01/12/2023, स्थान: जबलपुर
मुख्य प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, खैरी शाखा

देश-प्रदेश

उवाच

कतर से अपनों को वापस लाने का प्रयास कर रही सरकार

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार अपने आठ पूर्व नौसैनिकों को कतर से वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। बता दें, कतर में एक अदालत ने इन नौसैनिकों को मौत की सजा दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि उन्हें वापस लाया जाए। इसके साथ ही उनके हितों को ध्यान में रखने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं। भारतीय नौसेना से सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त 2022 की रात को हिरासत में ले लिया गया था।

मप्र में मतगणना को लेकर तैयारियां पूरी, कल आएंगे नतीजे

डाक मतपत्र के परिणाम अंत तक नहीं रोके जाएंगे

- गिनती पूरी होते ही की जाएगी घोषणा
- 5 से 10 घंटे के बीच घोषित हो जाएंगे नतीजे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में मतगणना के लिए सभी जरूरी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इस बार डाक मतपत्र के परिणाम अंत तक नहीं रोके जाएंगे बल्कि इनकी गिनती पूरी होते ही इनके परिणाम घोषित होंगे।

उन्होंने आज यहां पत्रकारों को बताया कि पहले डाक मतपत्र की गिनती होगी। 8 बजे से ईवीएम की गिनती शुरू हो जाएगी। सबसे पहले डाक मतपत्र की गिनती होते ही नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। प्रत्येक राउंड की गणना के बाद इसकी जानकारी प्रत्याशी या उसके एजेंट को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि हर मशीन में ये किस उम्मीदवार को कितने वोट मिले हैं यह भी पोलिंग एजेंट को बताया जाएगा। स्ट्रांग रूम से मतगणना हाल तक मशीन पहुंचने के लिए विधानसभा क्षेत्र बार अलग-अलग रास्ते और व्यवस्था निश्चित की गई है जिसका सीसीटीवी कवरेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्विस वोट कल रात 8 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी विधानसभाओं के लिए अलग-अलग हॉल बनाए गए हैं। सामान्यतः 14 टेबल एक विधानसभा के लिए लगाए जाते हैं, लेकिन कुछ विस ऐसी हैं जहां मतदान केंद्रों की संख्या बहुत ज्यादा है। इसको देखते हुए कई विधानसभा क्षेत्र में 14 से ज्यादा टेबल केन्द्रीय चुनाव आयोग से अनुमति लेकर लगाए गए हैं। ताकि परिणाम जल्दी आ सकें। पांच से 10 घंटे के बीच में नतीजे आने की उम्मीद। काउंटिंग की लाइव वेब स्ट्रीमिंग नहीं होगी। मतगणना कक्ष में मोबाइल प्रतिबंध रहेगा। फोटो खींचना और वीडियो बनाना भी प्रतिबंधित रहेगा। केकुलेटर पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उन्होंने बताया कि बिना पास के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। तीन तारीख तक सुबह पांच बजे तक किसी को भी पता नहीं रहेगा कि वो किस टेबल पर मतगणना करेगा। मतगणना कर्मियों का रेंडमाइजेशन 3 स्तर पर किया गया है। इसके साथ ही हर विधानसभा के लिए एक ऑब्जर्वर है जो जिलों में पहुंच चुके हैं।

कोई भी ऐसा व्यक्ति, जिसको केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा उपलब्ध करवाई गई है, साथ ही केंद्र और राज्य के मंत्री, वर्तमान सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिक निगम के अध्यक्ष, केंद्र तथा राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के अध्यक्ष एवं सदस्य, शासकीय प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सदस्य, आंगनवाड़ी कर्मचारी, शासकीय पैरामेडिकल स्टाफ, शासकीय संस्था अथवा शासकीय अनुदान प्राप्त संस्था से मानदेय प्राप्त कर रहे या किसी शासकीय संस्था में अंशकालिक सेवाएं दे रहे व्यक्ति, शासकीय उचित मूल्य दुकानों के डीलर्स और शासकीय सेवक मतगणना के लिए किसी भी अभ्यर्थी के एजेंट नियुक्त नहीं किए जा सकेंगे।

5 राज्यों के चुनावी नतीजों से पहले ग्वालियर पहुंचे

नड्डा ने शिवराज, सिंधिया और नरोत्तम के साथ की मंत्रणा

दतिया पहुंचकर पीतांबरा पीठ के दर्शन भी किए

ग्वालियर, देशबन्धु। 5 राज्यों के चुनावी नतीजों से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज ग्वालियर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के साथ एक होटल में करीब 3 घंटे लंबी चर्चा की। बाद में दतिया पहुंचकर पीताम्बरा पीठ के दर्शन भी किए।बताया गया है कि राज्य में संभावित चुनाव नतीजों को लेकर यह मंत्रणा हुई। विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले भाजपा अध्यक्ष की ग्वालियर में मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चाएं तेज है।

जयविलास पैलेस पहुंचे नड्डा

श्री नड्डा ने सिंधिया के आमंत्रण पर उनके शाही महल जयविलास पैलेस में पहुंचकर भोज भी किया और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और सिंधिया के साथ दतिया जाकर पीतांबरा पीठ के दर्शन भी किए।

पांचवी बार मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर शिवराज बोले `भाजपा जिंदाबाद'

ग्वालियर, देशबन्धु। एग्जिट पोल में जहां भाजपा को बढ़त मिलती दिखाए जाने के मीडिया के सवाल पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बना रही है। वहीं पांचवी बार शिवराज ने सिर्फ 'भाजपा जिंदाबाद' का नारा लगाया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को ग्वालियर आए थे, इस दौरान पत्रकार उनसे चर्चा करने लगे जिनमें एग्जिट पोल को लेकर भी सवाल किए गए। एग्जिट पोल से अपनी सहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत, प्रधानमंत्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन तथा जनता के प्यार का नतीजा है कि भाजपा फिर सरकार बनाने जा रही है। श्री चौहान ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों और योजनाओं को जनता ने सराहा है, इसलिए यह सफलता मिलने जा रही है।

कमलनाथ ने एग्जिट पोल को बताया षड्यंत्र

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि भाजपा चुनाव हार चुकी है और इसीलिए कुछ एग्जिट पोल षड्यंत्र के तहत बनाए गए हैं। इनका उद्देश्य है कि एक तरफ को अधिकारियों पर दबाव बनाया जा सके वहीं ये कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निराशा फैलाने की भी साजिश है। उन्होंने कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा करते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि अगर मतगणना वाले दिन किसी को कोई भी गड़बड़ी नजर आती है तो वो उन्हें सूचित करें।

दिग्विजय को पार्टी की जीत का भरोसा

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि एग्जिट पोल के पूर्वानुमान वास्तविकता से बहुत दूर हैं। नेता ने विश्वास जताया कि सबसे पुरानी पार्टी मध्य प्रदेश में सरकार बनाएगी। यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के लोग पिछले दो दशकों से भाजपा के भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं और उन्होंने बदलाव के लिए मतदान किया है। सिंह ने कहा कि एग्जिट पोल के नतीजे अलग-अलग हैं। हम इसके बारे में कुछ नहीं कह सकते। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि कांग्रेस को मध्य प्रदेश में 130 से अधिक सीटें और स्पष्ट बहुमत मिलेगा।

सुक्खू मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

हिमाचल में पुलिसकर्मियों के 30 फीसदी पद महिलाओं के लिए आरक्षित

शिमला, देशबन्धु। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पुलिसकर्मियों के 30 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित करने का फैसला किया और 1,226 पदों को भरने के लिए संशोधित मंजूरी भी दी।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने पूह से काजा तक सीमावर्ती क्षेत्र के गांवों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए 486.47 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को भी मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने अनाथों और समाज के कमजोर वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना में कुछ और प्रावधान जोड़ने को भी मंजूरी दी। नए प्रावधानों के तहत, प्रत्येक अनाथ 27 वर्ष की आयु तक पॉकेट मनी के रूप में प्रति माह चार हजार रुपये प्राप्त करने का हकदार होगा। इसके अलावा, उन अनाथों को दो लाख रुपये का एकमुश्त विवाह अनुदान देने का भी निर्णय लिया गया, जिन्होंने बाल देखभाल संस्थान छोड़ दिया है।

मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों को मोबाइल और अभिकर्ता को केलकुलेटर ले जाने की अनुमति दें : कांग्रेस

भोपाल, देशबन्धु। मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों को मोबाइल और मतगणना अभिकर्ता को केलकुलेटर ले जाने की अनुमति दी जाए यह मांग आज मध्यप्रदेश कांग्रेस की ओर से निर्वाचन आयोग से की गई है। कांग्रेस की ओर से आज इसके साथ ही 4 अलग-अलग शिकायतें निर्वाचन आयोग में की गई हैं।

नियमों का हवाला देते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव के मतों की गणना के लिए मतगणना स्थल पर संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मतगणना परिसर में रिटर्निंग अधिकारियों की हैंडबुक के प्रावधान 15.4.4 के अनुसार प्रत्याशियों को मोबाइल अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जावे। वहीं एक अन्य शिकायत में मतगणना अभिकर्ता को केलकुलेटर ले जाना आपके किसी भी मैन्यूवल में प्रतिबंधित होना नहीं दर्शाया गया है और केलकुलेटर में किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी-वीडियो ग्राफी-आवाज रिकार्ड करने जैसी कोई सुविधा नहीं होती है, केलकुलेटर मात्र अंकों की गणना के लिए उपयोग में लाया जाता है।

एक अन्य शिकायत में श्री धनोपिया ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि मतगणना के दिन पोस्टल वोट की गणना में देरी होने से चुनाव परिणाम शीघ्र घोषित होना संभव नहीं है। पोस्टल वोट का चुनाव परिणाम शीघ्र अतिशीघ्र गिनती पूर्ण कर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 5 सौ पोस्टल वोट की गणना एक टेबिल पर की जाएगी तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में करीबन 1500-2000 तथा कई विधानसभा क्षेत्रों में अधिक पोस्टल वोट होने की संभावना है। प्रत्येक 500 पोस्टल वोट की गणना के लिए अलग-अलग टेबिल स्थापित कर गणना कर शीघ्र परिणाम घोषित किए जाए ।

निर्वाचन अधिकारी प्रत्याशी के सामने खोले स्ट्रांग रूम

श्री धनोपिया ने मांग की है कि निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों के साथ प्रत्याशी या उनके अभिकर्ता की उपस्थिति में ही स्ट्रांग रूम खोलने या ईवीएम मशीन गणना स्थल पर ले जाने के अवसर पर उपस्थित रहने की स्थिति को सुनिश्चित करते हुए वीडियोग्राफी किए जाने की अनुमति प्रदान की जाए। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र गरोठ से कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया ने इस संबंध में आग्रह किया है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

एग्जिट पोल को प्री पेड पोल बताया

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने एग्जिट पोल को लेकर सवाल उठाते हुए इसे प्री पेड पोल बताया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने इसे भाजपा का जनता को भ्रमित करने का षड़यंत्र बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा सत्ता हथियाने की नाकाम साजिश रचकर प्रदेश के कर्मचारियों-अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपने पक्ष में माहौल बनाने की साजिश है, लेकिन भाजपा की यह साजिश कभी कामयाब नहीं होगी।

श्री वर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने अपनी राजनैतिक रोटियां सैकने के लिए यह मनगणंत प्री-पेड पोल का इस्तेमाल कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने की नाकाम कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता अपनी पूरी बुद्धि, विवेक, मनोबल और साहस के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और कांग्रेस की प्रचण्ड बहुमत से सरकार बनेगी।

उन्होंने आज तक न्यूज चैनल और एक्सिस के एग्जिट पोल पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि स्वयं आज तक न्यूज चैनल के दो संपादकों राहुल कंवल और राजदीप सरदेसाई ने वीडियो जारी कर इस एग्जिट पोल को सही मानने से इनकार कर दिया है। जब आज तक के संपादक स्वयं ही एग्जिट पोल को खारिज कर रहे हैं तो किसी अन्य के उसे स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। श्री वर्मा ने पत्रकारों से सवालिया लहजे में कहा कि वह स्वयं पता करें कि एक्सिस माई इंडिया के सीईओ प्रदीप गुप्ता मप्र के बालाघाट जिले के वारासिवनी के निवासी है या नहीं और उनका पूरा परिवार आरएसएस से जुड़ा हुआ है या नहीं।

मतगणना से पहले कांग्रेस के बड़े नेताओं ने संभाली कमान, सुरजेवाला बोले-

भाजपा व सर्वे दोनों हार रहे हैं

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के परिणाम में अब चंद घंटे शेष हैं। मतगणना से पहले अब कांग्रेस के बड़े नेताओं ने कमान संभाली है और दावा किया है कि तीन दिसंबर को कांग्रेस की सरकार बन रही है। एग्जिट पोल में अधिकांश प्रदेश में भाजपा को बढ़त दिखा रहे हैं। इससे कांग्रेस नेताओं में भी खलबली है।

इसे लेकर अब कांग्रेस महासचिव और मप्र प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला का बयान सामने आया है। उन्होंने मप्र में 135 सीटों के साथ कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया है और बताया है भाजपा और सर्वे दोनों हार रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि यह चुनाव मध्य प्रदेश की जनता बनाम भाजपा के घोटाले तथा नाकामियों के बीच था। हम पूरे आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि जनता की जीत होगी। भारतीय जनता पार्टी उस तथाकथित सर्वे के भरोसे है, जिस सर्वे पर सर्वे करने वाली एजेंसी को खुद ही भरोसा नहीं है क्योंकि भाजपा सरकार ने प्रदेश के हर नागरिक का भरोसा तोड़ा है। भर्ती घोटालों में युवाओं के भविष्य से लेकर बच्चों के पोषण आहार तक लूट की है।

आदिवासी अपमान से लेकर महाकाल लोक में भगवान तक किसी को नहीं छोड़ा है। मध्यप्रदेश में ज्यादातर सर्वे एजेंसियां कांग्रेस की प्रचंड बहुमत की जीत दिखा रही हैं ,मगर भाजपा सिर्फ उस सर्वे पर भरोसा कर रही है जिस पर खुद सर्वे दिखाने वाला चैनल भरोसा नहीं कर रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा मतगणना वाले दिन प्रशासन पर दबाव बनाने की बदनीयती रखती है। जिसका उदाहरण हमें बालाघाट की पोस्टल बैलेट में गड़बड़ी करने की कोशिश से साफ नजर आता है। सुरजेवाला ने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि कांग्रेस के ऊर्जावान साथियों, सूर्य ने संध्या काल में अस्त होते हुए पूछा कि सुबह तक इस अंधियार से लड़ने का दायित्व कौन लेगा। तब एक दीपक ने कहा कि इस घनघोर अंधियार से सूर्य की पहली किरण तक में पूरी दृढ़ता से लड़ूंगा।

उत्साह और सम्मान से करें नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। चुनाव परिणामों के बाद सोलहवीं विधानसभा का गठन होगा, निर्वाचित सदस्यों की अगवानी विधानसभा सचिवालय में पूर्ण उत्साह और सम्मान के साथ की जाए। यह बात आज मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने आज विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वन्देमातरम गायन के बाद उद्‌बोधन में कही।

उन्होंने कहा कि हमारा सचिवालय का विशिष्ट स्थान है, जिसकी गरिमा हम सभी को अपने कार्य व्यवहार से बनाए रखना है, साथ ही निर्वाचन के बाद इस सचिवालय में आने वाले सभी सदस्यों के साथ सम्मान और शालीनता का व्यवहार करते हुए उन्हें सहयोग प्रदान किया जाए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव, विधानसभा ने अवगत कराया कि नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष क्रमांक 2 में ''स्वागत कक्ष'' आगामी 5 दिसम्बर से प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें नवनिर्वाचित सदस्यों के प्रमाण-पत्रों की जांच करने के साथ उन्हें परिचय पत्र और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। ऐसी ही व्यवस्था विधायक विश्राम गृह में रहेगी। इसके लिए संबंधित शाखाओं के अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण तैयारियों के साथ मौजूद रहेंगे।

एनसीपी के अधिवेशन में बोले अजित पवार

नौटंकी थी शरद पवार का अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना

उपमुख्यमंत्री ने कहा, शरद ने ही उनसे सत्ता में भागीदारी के लिए कहा था

रायगढ़, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार को लेकर शुक्रवार बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि शरद पवार का अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना नौटंकी था।

उन्होंने कहा, हम सभी लगातार शरद पवार को ये कह रहे थे कि हम लोगों को काम के लिए सरकार में जाना चाहिए। अजित पवार ने रायगढ़ जिले में चल रही पार्टी की बैठक में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हम लोग शरद पवार (साहेब) से मिले और ये बात बताई भी। इसके बाद उन्होंने कहा कि हम इस्तीफा देंगे, उनके इस्तीफे को लेकर हम चार लोगों को पहले से पता था। शरद पवार ने कहा कि तुम सरकार में शामिल हो जाओ और मैं इस्तीफा दे रहा हूं, सुप्रिया सुले भी उस समय सरकार में शामिल होने के समर्थन में थीं।'

उन्होंने शरद पवार के इस्तीफे को स्क्रिप्टेड बताते हुए आगे कहा, बुक प्रकाशन के मौके पर शरद पवार ने इस्तीफा दिया, लेकिन उसके तुरंत बाद लोगों को कहा कि उनके समर्थन में लोग प्रदर्शन करें और इस्तीफा वापस मांगे। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा वापस लिया। इस्तीफा नहीं देना था तो इतनी नौटंकी क्यों?

अजित पवार ने दावा किया कि सरकार में शामिल होने के बाद शरद पवार ने सभी मंत्रियों को मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके बाद दूसरे दिन विधायकों को भी मिलने के लिए बुलाया। बैठक में उन्होंने सारी बात सुनी और कहा कि ठीक है हम बताते हैं। फिर बयान आने शुरू हो गए कि गाड़ी ट्रेक पर है।

फिर 12 अगस्त को एक बिजनेसमैन के घर पर पुणे बुलाया गया. यहां पर मेरे अलावा शरद पवार, जयंत पाटिल और बिजनेसमैन थे. इस दौरान यहां भी बोला गया कि सब कुछ ठीक होगा।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- स.क्र.11/19-20/ दिनांक 01/12/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेश कुमार झारिया पिता श्री अजब लाल, श्रीमती रूकमणी बाई झारिया पति सुरेश कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक स.क्र./02 नवल उत्कर्ष तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 46705171, 1000380983 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकबा ... व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 250 व.फु. आरसीसी व्यवसायिक पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अभिलाष पाठक पिता डॉ. एस.बी. पाठक का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने हेतु आवेदन किया है। यदि इस नाम परिवर्तन पर किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- स.क्र.11/19-20/ दिनांक 01/12/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेश कुमार झारिया पिता श्री अजब लाल झारिया, श्रीमती रूकमणी बाई झारिया पति सुरेश कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक ए-11 ब्लाक ए का हिस्सा से सर्वेन्ट क्वार्टर नवल उत्कर्ष मण्डला रोड तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378701 से नया पिन देना है पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकबा ... व.फु. चौथी तल 450 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अभिलाष पाठक पिता डॉ. एस.बी. पाठक का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने हेतु आवेदन किया है। यदि इस नाम परिवर्तन पर किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

Change of Name

I, ARMY NO JC 453160P, RANK-SUB, NAME- VIJAY KUMAR, UNIT- GRC JABALPUR MP 482001 (20 GRENADIERS) R/O VILLAGE-RAM NAGAR POST- PALWAL, TEH-PALWAL, DISTT- PALWAL STATE (HARIYANA) PIN-121102 do hereby Solemnly affirm and declare that the name of my Wife has been mistakenly recorded as SAVITA DEVI in my Army Service Record which is Incorrect. The correct name of my Wife is SAVITA as per her Aadhar Card, and Other documents and Same shall be considered in future in all Records.

Incorrect name- SAVITA DEVI

Correct name - SAVITA

दो हजार के 97 फीसदी से अधिक नोट वापस आए

आरबीआई ने दी जानकारी : कुल मूल्य घटकर 9,760 करोड़ रुपए हो गया

मुंबई, (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि 30 नवम्बर, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में 2,000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य घटकर 9,760 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में 2,000 रुपए के 97.26 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ गए हैं। जब 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई तो उनकी कुल कीमत 3.56 लाख करोड़ रुपए थी। 2,000 रुपए के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने की सुविधा शुरुआत में 30 सितम्बर तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी, जिसे बाद में 7 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था। 2,000 रुपए के बैंक नोटों को बदलने की सुविधा आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में भी उपलब्ध थी। काउंटरों पर 2,000 रुपए मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को बदलने के अलावा, आरबीआई व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपए के बैंक नोट भी स्वीकार कर रहे हैं। देश के भीतर से जनता के सदस्य भारत में अपने बैंक खातों में क्रेडिट के लिए देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से आरबीआई के किसी भी जारी कार्यालय को 2,000 रुपए के बैंक नोट भेज सकते हैं। 2,000 रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

अभिमत

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को बंद करने की मांग की जा रही है। यह स्कीम बहुत महंगी है और इसने भारतीयों की वास्तविक सोने के लिए अतृप्त भूख में सेंध नहीं लगाई है। लेकिन ऐसा कोई भी फैसला जल्दबाजी और समय से पहले होने वाला साबित होगा। खासकर छोटे खुदरा निवेशकों को केन्द्र में रखते हुए गोल्ड बॉन्ड स्कीम को अधिक आक्रामक तरीके से बेचने की जरूरत है।

गोल्ड बॉन्ड बंद करने की जल्दबाजी न की जाए

डॉ.अजीत रानाडे

केंद्र सरकार ने 8 साल पहले सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पेश किया था। उस समय से भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से बेचे जाने वाले इन बॉन्डों को समय-समय पर हर कुछ महीनों में बेचा जाता रहा है। अब तक ऐसी 62 किस्तें बेची जा चुकी हैं। प्रत्येक बॉन्ड की समयावधि 8 साल की है इसलिए पहली किस्त में बेचे गए बॉन्ड अपनी परिपक्वता तक पहुंच गए हैं। उन्हें वास्तविक नकदी के लिए भुनाया जा सकता है। सरकार बॉन्ड की वापसी स्वीकार करेगी और निवेशक के खाते में नकद रकम जमा करेगी। निवेशक इन बॉन्डों को पांच हजार रुपये (एक ग्राम के बराबर) या कुछ करोड़ रुपये (प्रति व्यक्ति 4 किलोग्राम सोने के बराबर) के रूप में खरीद सकते हैं।

इन बॉन्डों के कई फायदे हैं। पहला फायदा यह है कि वे डीमैट फॉर्म में हैं इसलिए पुराने किसान विकास पत्र या ऐसे अन्य किसी बॉन्ड के विपरीत किसी भी कागज को भौतिक रूप से रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। दूसरे, यह बॉन्ड सोने की वास्तविक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करता है इसलिए यह केवल डीमैट रूप में सोना खरीदने जैसा ही है। जिसका मतलब है कि जब आप बॉन्ड को भुनाते हैं तो यह वास्तविक सोने को भुनाने जैसा है। आपको सोने में मूल्य वृद्धि से लाभ होता है। सोने की कीमत दो कारणों से बढ़ जाती है। सोना तब महंगा होता है जब अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाज और बुलियन निवेशक एक सुरक्षित आश्रित साधन के रूप में इसे भारी मात्रा में खरीदना शुरू कर देते हैं। रुपये की डॉलर विनिमय दर में गिरावट के बावजूद भारत में सोने की कीमत बढ़ सकती है। गोल्ड बॉन्ड का तीसरा फायदा यह है कि इसे लोन के लिए समानान्तर साधन के तौर पर गिरवी रखा जा सकता है। चौथा लाभ यह भी है कि बॉन्ड की अंतिम बिक्री पर किए गए पूंजीगत लाभ को करों से छूट दी गई है। पांचवां लाभ यह है कि निवेशक को न केवल मूल्य में वृद्धि का दोगुना मूल्य वृद्धि लाभ मिलता है बल्कि सरकार द्वारा निवेशक को दिया 2.5 प्रतिशत ब्याज का टॉपअप भी मिलता है।

जब पहली किस्त के निवेशक अपने गोल्ड बॉन्ड को भुनाएंगे तो उन्हें 8 साल में सालाना 12 प्रतिशत से अधिक का कर लाभ होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि नवंबर 2015 में सोने की कीमत 2684 रुपये प्रति ग्राम थी जो अब दोगुने से ज्यादा बढ़कर करीब 6000 रुपये हो गई है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपया 33 फीसदी की गिरावट के साथ 62 से 82 पर आ गया है। इस प्रकार निवेशक ने पिछले आठ वर्षों में प्रति वर्ष लगभग 13.8 प्रति सैकड़ा के शेयर बाजार रिटर्न की तुलना में 8 वर्षों के लिए कर-बाद के आधार पर 12 प्रतिशत का शानदार वार्षिक लाभ कमाया है। यह ध्यान रखने वाली बात है कि सोने का रिटर्न जोखिम मुक्त है और शेयर बाजार में तेजी आई है तब भी सोने ने शानदार फायदा दिया है।

डीमैट गोल्ड बॉन्ड बेचकर सरकार सोने के लिए भारतीयों की अतृप्त भूख को कम करने की उम्मीद कर रही थी। हर साल भारत लगभग 1000 टन सोने का आयात करता है जिस पर औसत 50 से 80 अरब डॉलर की कीमती विदेशी मुद्रा खर्च होती है। सरकार ने सोने पर 12.5 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाया है। यह अफसोस की बात है कि गोल्ड बॉन्ड स्कीम और कड़े आयात शुल्क जैसे दो कदम उठाने के बावजूद सोने के आयात पर कोई असर नहीं पड़ा है। यह सही है कि 2022-23 में सोने का आयात पिछले साल की तुलना में 24 फीसदी कम रहा और खर्च अब लगभग 40 अरब डॉलर है जो पहले की तुलना में कम है लेकिन सोने का आयात विदेशी मुद्रा पर के निकास का प्रतिनिधित्व करता है जो व्यापार घाटे वाले देश के लिए अच्छा नहीं है। डॉलर का निर्यात देश में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के शुद्ध लाभ को भी कम करता है।

सरकार को उम्मीद थी कि निवेशकों को काफी आकर्षक शर्तों पर गोल्ड बॉन्ड बेचकर वह कम से कम कुछ निवेशकों को तो वास्तविक सोने से दूर कर सकेगी। गोल्ड बॉन्ड द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए सोने का बकाया स्टॉक अब तक लगभग 110 टन है जो हमारे वार्षिक आयात का सिर्फ दसवां हिस्सा है। गोल्ड बॉन्ड की बिक्री के कारण सरकार द्वारा कुल उधार लगभग 64,000 करोड़ रुपये है किन्तु इस उधार की लागत प्रति वर्ष 10 प्रतिशत से अधिक रही है जो उस लागत से बहुत अधिक है जो सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए उधार लेने के लिए भुगतान करती है। 2008 से 2020 के बीच की अधिकांश अवधि के दौरान पश्चिमी देश अपने संप्रभु ऋण पर एक फीसदी की लागत का भुगतान करते थे जबकि भारत लगभग छह प्रतिशत की दर से भुगतान कर रहा था। अब मुद्रास्फीति और मौद्रिक सख्ती के कारण संप्रभु ऋण जुटाने की लागत बढ़ गई है फिर भी अभी स्वर्ण बॉन्ड बेचने की लागत से काफी कम है।

यही वजह है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को बंद करने की मांग की जा रही है। यह स्कीम बहुत महंगी है और इसने भारतीयों की वास्तविक सोने के लिए अतृप्त भूख में सेंध नहीं लगाई है। लेकिन ऐसा कोई भी फैसला जल्दबाजी और समय से पहले होने वाला साबित होगा। खासकर छोटे खुदरा निवेशकों को केन्द्र में रखते हुए गोल्ड बॉन्ड स्कीम को अधिक आक्रामक तरीके से बेचने की जरूरत है। गोल्ड बॉन्ड रखने की ऊपरी सीमा 4 किलो की जगह घटा कर 2 किलो की जा सकती है। बैंकों और आरबीआई के बजाय गोल्ड बांड की बिक्री को स्मार्टफोन-आधारित ऐप के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। गोल्ड बॉन्ड को स्वतंत्र रूप से व्यापार योग्य बनाया जा सकता है। इसके साथ ही डीमैट गोल्ड के लाभों को बहुत अधिक तीव्रता और सक्षमता के साथ विज्ञापित करने की आवश्यकता है। ऐसे विज्ञापन की कल्पना कीजिए जिसमें अमिताभ बच्चन जैसे ब्रांड एंबेसडर कल्याण ज्वैलर्स के उत्पादों के साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड बेच रहे हैं।

गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड समर्थित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड के साथ सह-अस्तित्व में रह सकते हैं। सरकार सोने की कीमतों में वृद्धि और अस्थिरता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वित्तीय हानि से बचाव करके अपनी उधार लागत को कम कर सकती है। इस प्रकार यह दूसरी वस्तुओं का उपयोग करके वित्तीय हानि से बचाव करके अपनी लागत का कम से कम एक या दो प्रतिशत काट सकता है। इसके लिए नॉर्थ ब्लॉक में कुछ स्मार्ट वित्तीय विशेषज्ञता की आवश्यकता है जो पूरी तरह से संभव है। यह संभव है कि वास्तविक सोने पर गोल्ड बॉन्ड का प्रभाव गैर-रेखीय रूप से होगा। सरकार को बिना किसी दबाव का उपयोग किए या सोने के स्वामित्व पर प्रतिबंध लगाए लाखों घरों में सोने को डिमटेरियलाइज़ करने के लिए योजनाओं को भी लागू करना चाहिए जो निश्चित रूप से भारत में अकल्पनीय है। यह स्वर्ण जमा योजना, स्वर्ण बॉन्ड योजना के साथ सह-अस्तित्व में रह सकती है और धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से औपचारिक तरल वित्तीय क्षेत्र में सोने की संपत्ति लाने में मदद कर सकती है।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

डीमैट गोल्ड बॉन्ड बेचकर सरकार सोने के लिए भारतीयों की अतृप्त भूख को कम करने की उम्मीद कर रही थी। हर साल भारत लगभग 1000 टन सोने का आयात करता है जिस पर औसत 50 से 80 अरब डॉलर की कीमती विदेशी मुद्रा खर्च होती है। सरकार ने सोने पर 12.5 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाया है। यह अफसोस की बात है कि गोल्ड बॉन्ड स्कीम और कड़े आयात शुल्क जैसे दो कदम उठाने के बावजूद सोने के आयात पर कोई असर नहीं पड़ा है।

ललित जी और हरसिंगार के फूल

■ प्रदीप पाटिल

ललित जी और हरसिंगार के फूल साल 2020 में जब ललित जी अपनी जिजीविषा और रचनात्मक साहस के साथ स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे तब 2 दिसम्बर की शाम अचानक यह ख़बर आई कि वे अब इस दुनिया में नहीं रहे । इस अकल्पनीय, अप्रत्याशित सूचना से मन बेहद व्यथित हो उठा और ललित जी से बात-मुलाकात की अनगिनत यादें स्मृति पटल पर कौंध गई।

लगभग 40 वर्ष पूर्व जब मेरे भीतर अख़बार और साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं पढ़ने की समझ विकसित हुई तब मैंने पाया कि दूसरे अखबारों की तुलना में देशबन्धु एक विशिष्ट अखबार है जिसमें केवल सूचना और समाचार ही नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक और वैज्ञानिक दर्शन पर विचार भी प्रमुखता से व्यक्त होते हैं।

देशबन्धु में अस्सी और नब्बे के दशक में 'पूछिये परसाई से' एक लोकप्रिय स्तम्भ हुआ करता था जिसमें सुप्रसिद्ध लेखक और व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई सामान्य पाठकों के प्रश्नों का उत्तर दिया करते थे। उसी के समानांतर एक स्तम्भ 'धूप-छाँह के दिन' भी प्रकाशित होता था जिसमें देशबन्धु के संस्थापक-संपादक मायाराम जी अपने जीवन के संघर्षों को संस्मरण में ढाला करते थे। वे संस्मरण इतने रोचक और सजीव होते कि लगता था, वे हमारे जीवन की ही व्यथा-कथा कह रहे हों। इन संस्मरणों में आम आदमी की वेदना, संवेदना, दर्द और आंसू को मार्मिक अभिव्यक्ति दिखाई देती है। उन संस्मरणों में दिलचस्पी के पीछे एक बड़ा कारण यह भी था कि वे निराशा के क्षणों में भी उम्मीद और जिजीविषा का दामन थामे रखने का हमें हौसला भी देते हैं। अपने पिता और उनके अनन्य मित्र परसाई जी से नियमित लिखवाने का विचार और आग्रह ललित जी का ही था।

श्री ललित सुरजन ने देशबन्धु की इस वैचारिक धरोहर तथा जनोन्मुखी प्रतिबद्धता को और भी समृद्ध किया उसे एक नयी धार और स्पष्टता दी। आमतौर पर यह माना जाता है कि अखबारी लेखन क्षणजीवी या अल्पजीवी होता है लेकिन ललित जी के समग्र लेखन और विमर्श में संसदीय-लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण, शिक्षा-स्वास्थ्य,रोजगार, आर्थिक-सामाजिक बेहतरी के सवाल इत्यादि पर जो सरोकार और चिंताए दिखाई पड़ती हैं वे उन्हें सामयिकता और क्षणभंगुरता से ऊपर उठाती हैं,उन्हें सर्वकालिक बनाती हैं।

साल 2016 में एक दिन अचानक दफ़्तर में मेरे कमरे के दरवाज़े पर दस्तक हुई। मैंने नज़र उठाकर देखा तो सामने ललित जी खड़े थे। मैंने उनसे कहा- सर, आपका स्वागत है, प्लीज़ अंदर आइये। मेरे अनुरोध पर वे अंदर आये और चिर-परिचित अंदाज में मुस्कुराकर कहा- कैसे हैं आप? जब मैंने उन्हें बताया कि यह उनसे मेरी पहली मुलाकात होने के बावजूद मैं उन्हें देशबन्धु और अक्षरपर्व इत्यादि में उनके लेखन की वजह से पहले से ही जानता हूं, तो उन्होंने तुरंत विषयांतर करते हुए पूछा- आपकी अभिरुचियां क्या हैं? यह उनकी व्यवहार कुशलता और वाकपटुता का उत्तम उदाहरण है जिससे यह सीखा जा सकता है कि कैसे किसी से अपनी प्रशंसा किये जाने पर सामने वाले व्यक्ति को खुद अपने बारे में कहने-बताने के लिए प्रोत्साहित किया जाये।

बहरहाल,उन्हें जब बाद में यह मालूम हुआ कि पठन-पाठन के साथ लेखन में भी मेरी गहरी रुचि है तो उन्होंने मेरे सामाजिक, सांस्कृतिक और बैंकिंग के सम-सामयिक लेखों को पढ़ने में उत्सुकता दिखाई और उनका ध्यानपूर्वक अवलोकन कर उन्हें पुस्तक के रूप में प्रकाशित करवाने का सुझाव दिया। ललित जी जैसे बड़े पत्रकार और लेखक का यह सुझाव मेरे लिए अत्यंत उत्साहवर्धक व आश्वस्तिकारक था। वर्ष 2018 में 'बैंकिंग की चुनौतियां और संभावनाएं' नामक मेरी जो पुस्तक प्रकाशित हुई उसका श्रेय ललित जी को जाता है। ललित जी एक सुलझे हुए पत्रकार तो थे ही, उनमें लोगों को जोड़ने और उनसे जुड़े रहने का भी अद्भुत कौशल था।

रायपुर से अपने स्थानांतरण के बाद भी मैंने उन्हें हमेशा उसी आत्मीयता, स्नेह और गर्मजोशी के साथ जुड़ा हुआ पाया। उनके लेखन और व्यवहार में जो साफगोई, संतुलन और जनपक्षीय प्रतिबद्धता थी, उसके कारण मैंने उनसे हर मुलाकात के बाद अपने आप को वैचारिक दृष्टि से और बेहतर पाया। ललित जी की मूल्यपरक और प्रतिबद्ध पत्रकारिता आज के अख़बारनवीसों के लिए एक प्रकाश स्तम्भ की तरह है जिसके आलोक में अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह निष्पक्षता और निर्भीकता के साथ करते हुए पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

मैंने कहीं पढ़ा है कि ललित जी को हरसिंगार के फूल पसंद थे। वास्तव में उनका व्यक्तित्व हरसिंगार के फूलों की तरह ही था। हरसिंगार के फूलों की तरह ही वे अपने सम्पर्क में आने वाले हरेक व्यक्ति को स्नेह और सौहार्द्र की खुशबू से भर देते थे। लोगों के दिलों में अपनी संवेदनशीलता और सदाशयता से जल्दी ही सुखद स्थान बना लेते थे। आज भले ही वे दैहिक रूप से हमारे बीच नहीं है लेकिन हमारी यादों में वे अमिट रूप से विद्यमान रहेंगे। हमारी स्मृतियों को हरसिंगार के फूलों की तरह सदैव सुरभित करते रहेंगे।

(लेखक सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया में वरिष्ठ अधिकारी हैं और इस समय चेन्नई में पदस्थ हैं।)

विश्राम देने से जी उठा जंगल

■ बाबा मायाराम

उत्तराखंड की हेंवलघाटी की गोद में बसा है जड़धार गांव। यहां अस्सी के दशक तक पहाड़ों की हरियाली कम हो चुकी थी। जंगल में गिने-चुने पेड़ ही बचे थे। चारा-पत्ती, पानी और ईंधन की कमी हो गई थी। इससे चिंतित होकर गांव वालों ने पेड़ बचाने व नंगे वृक्षविहीन जंगल को हरा-भरा करने की ठानी और इसे कर दिखाया। कुछ ही सालों में जंगल जी उठा, पहाड़ों पर हरियाली लौट आई।

यह बदलाव की कहानी है- उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के चम्बा विकासखंड में स्थित जड़धार गांव की। इसी इलाके में सत्तर के दशक में जंगल को बचाने का विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन हुआ था। यहां के अद्वाणी व सलेत के ग्रामीण जंगल को बचाने के लिए पेड़ों से चिपक गए थे। यह सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं था बल्कि अद्वाणी व सलेत के वनों को काटने से रोकने के लिए वास्तव में पेड़ों से चिपके थे। गांधीवादी सोच का यह अनूठा सत्याग्रह था। इस आंदोलन की चर्चा देश- दुनिया में हुई थी और यहां हरे पेड़ों के कटने पर रोक लग गई थी।

इस इलाके को हेंवलघाटी कहा जाता है। हेंवल नदी सिद्धपीठ सुरकंडा देवी की पहाड़ी से निकलकर आगे ऋषिकेश के समीप शिवपुरी में गंगा में विलीन हो जाती है। पहले इन पहाड़ियों में खूब बर्फ पड़ती थी, मई माह तक भी सुरकंड़ा की बर्फ नहीं पिघलती थी। एक जमाने में यह क्षेत्र बांज, बुरांस, मैरू, देवदार, रई, मुरेंडा आदि प्रजातियो के घने जंगल से ढंका रहता था। लेकिन 60 के दशक में इस कुदरती जंगल पर संकट आया। 80 के दशक तक आते-आते पूरा पहाड़ ही नंगा हो गया,जैसे किसी व्यक्ति के सिर पर उस्तरा फेर दिया हो। क्षेत्र के लोगों ने जंगल काट डाले। इससे जैव विविधता का संकट तो हुआ ही यहां से निकलने वाली नदियां भी सूखने लगीं। झरने व जलस्रोत भी जवाब देने लगे। इसी इलाके में शराब विरोधी आंदोलन व चूना पत्थर के खनन के खिलाफ आंदोलन चला था, जिसकी रजत जयंती पर 28 दिसंबर (2020) को बड़ा समारोह भी कटाल्डी गांव में हुआ। इस कार्यक्रम में चिपको आंदोलन के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सीढ़ीदार पहाड़ पर बसे गांव के जंगल को देखने मैं कुछ साल पहले गया था। इसी गांव के निवासी हैं विजय जड़धारी, जो चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता रहे हैं। जब चिपको आंदोलन का दौर निकल गया, तो उन्होंने गांववासियों के साथ यहां के उजड़ चुके जंगल को फिर से हरा-भरा करने की पहल की। साथ ही बीज बचाओ आंदोलन शुरू किया। देसी बीजों की पारम्परिक खेती को बचाने के लिए मुहिम छेड़ी। उनका पारंपरिक खेती पद्धति बारहनाजा (मिश्रित खेती की पद्धति) का अनुभवजन्य ज्ञान व जानकारी उपयोगी है। उन्होंने अपने अनुभव व पारंपरिक ज्ञान के आधार पर कई किताबें लिखी हैं, जिनकी सराहना अकादमिक दुनिया में भी हुई है।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जंगल को मैंने देखा था। जंगल और पहाड़ को नजदीक से देखने का आनंद ही अलग होता है। ये हमें आज के भागमभाग और तनावपूर्ण माहौल में सदा आकर्षित करते हैं। जहां देश के अन्य इलाकों में जंगल कम हुए हैं, वहां उत्तराखंड इसका अपवाद कहा जा सकता है।

विजय जड़धारी बताते हैं कि टिहरी-गढ़वाल की चंबा-मसूरी पट्टी में पहले अच्छा और सुंदर जंगल था। इस गांव में भी था। पहाड़ के ढलानों से हरियाली की चादर हटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता था। यहां के कई सदाबहार जलस्रोत सूख गए थे, तब गांववाले चिंतित हो उठे। इकट्ठे होकर सोचने लगे, और वनों के जतन में जुट गए। जंगल बचाने की प्रेरणा चिपको आंदोलन की थी।

वे आगे बताते हैं कि जड़धार गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया।

कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया। यह काम गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया जिसमें जरूरत पड़ने पर थोड़ा बहुत फेरबदल किया जा सके। जंगल की रखवाली के लिए वन सुरक्षा समिति ने दो वनसेवक नियुक्त किए, जिन्हें गांववाले पैसे एकत्र कर कुछ आंशिक मानदेय देने लगे। जो पैसा जुर्माने से एकत्र होता उसे वनसेवकों को मानदेय के रूप में दे दिया जाता। हालांकि मानदेय की राशि कम थी, फिर भी वनसेवकों ने यह काम अपना समझकर किया।

वनसेवक रहे हुकुमसिंह बताते हैं कि जंगल की रखवाली के लिए हर महीने 300 रुपए मिलते थे। 20-22 साल तक जंगल की रखवाली करते रहे। पहले 3-4 फुट छोटे पौधे थे। रूखा-सूखा जंगल था। बाद में 15 फीट ऊंचे पेड़ हो गए। जंगल में बांज, बुरांस, काफल, बमोरा, खाकसी के पेड़ बहुतायत में थे। बांज के पेड़ से चारा, पत्ती व खाद मिलती है। यह पेड़ मिट्टी को बांधने एवं जलस्रोतों की रक्षा का काम भी अन्य पेड़ों के मुकाबले ज्यादा करता है। इसका जंगल ही पानी का सदानीरा स्रोत हैं। गर्मी के मौसम में भी इसका ठंडा जल रहता है।

जड़धार गांव के निवासी व स्वतंत्र पत्रकार रघुभाई जड़धारी ने बताया कि हमने जंगल को 15 साल तक कुदरती तौर पर बढ़ने दिया गया। चौकीदार रखे, जंगल को विश्राम दिया, आग से जंगल को बचाया, जहां कहीं भी धुआं देखा वहां तुरंत पहुंच जाते और आग बुझाते। इसमें गांववालों की भी मदद लेते। आग बुझाने में गांववासी बहुत मेहनत और साहस का परिचय देते हुए आग पर काबू पाते। और इस तरह जंगल में हरियाली लौट आई। पटुडी, आराकोट में भी ऐसी पहल हुई, जंगलों को बचाने का एक माहौल बन गया।

विजय जड़धारी ने बताया कि हालांकि यहां वृक्षारोपण व पेड़ लगाने का काम भी प्रतीकात्मक हुआ है लेकिन वनों को फिर से हरा-भरा करने में महती भूमिका वनों को विश्राम (बंद वन) देने की है। यानी उन्हें उसी हाल में प्रकृति के हवाले छोड़ दिया जाए, जिसमें वह है। सिर्फ उनकी रखवाली की जाए और उसे पनपने दिया जाए, और बढ़ने, पल्लवित-पुष्पित होने दिया जाए। लोग जैसे अपने खेतों की देखभाल करते हैं उसी तरह जंगल की देखभाल करने लगे। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। दो-तीन सालों में ही सूखे जंगलों में फिर से हरियाली लौटने लगी।

वे आगे बताते हैं कि शंकुधारी वृक्ष चीड़, देवदार यदि कट गए तो इनमें दुबारा कल्ले (नई कोंपलें) नहीं आते हैं। जबकि बांज, बुरांस, काफल, अथांर, घिघारू, किनगोड़, खाकसी, बमोर घने होते हैं। और उनमें 1-2 साल में ही नए कल्ले आने शुरू हो गए। झाड़ियां आ गईं। जलाऊ लकड़ियां मिलने लगीं। इससे उत्साह बढ़ने लगा।

वन सुरक्षा समिति की समय-समय पर बैठकें होती थीं। कभी 3 महीने में, कभी 6 महीने मे बैठकों का दौर जारी रहा। बंद वन जागरूकता कार्यक्रम भी चलता रहा। 5-7 साल में जो जलस्रोत पूरी तरह सूख गए थे, उनमें पानी आ गया। वे कल-कल बहने लगे। इस गांव के आसपास दो दर्जन जलस्रोत हैं। नए पेड़ों ने पहाड़ को हरियाली से ढंक दिया।

बांज, बुरास, काफल के पुराने ठूंठों पर फिर नई शाखाएं फूटने लगीं। अंयार, बंमोर, किनगोड हिंसर, साकिना, धौला, सिंस्यारू, खाकसी आदि पेड़-पौधे दिखाई देने लगे। और आज ये पेड़ लहलहा रहे हैं। बारिश को समाहित करने की शक्ति पेड़ों में होती है, इससे भूक्षरण व भूस्खलन भी कम हो गया। गाय-भैंसों के नीचे बिछाने के लिए पत्ती व घास चारे व ईंधन की सुविधा हो, इसकी कोशिश की जाने लगी।

90 के दशक में यहां हरित हिमालय कार्यक्रम चला। इसे भारत सरकार व हिमालय ट्रस्ट ने संयुक्त तौर पर पायलेट प्रोजेक्ट की तरह चलाया। हमारे यहां हेंवलघाटी हरियाली कार्यक्रम के नाम से संचालित हुआ। इसके तहत् 2 साल तक वनसेवकों को मानदेय दिया गया। यह वर्ष 1991-92 की बात है। तब कश्मीर से कागजी अखरोट के बीज लाकर नर्सरी बनाई गई, अखरोट के पौधे लोगों को बांटे गए थे जो कई साल पूर्व से अब तक लोगों को अच्छी आमदनी दे रहे हैं।

पिछले चार दशक से हरियाली वापसी के इस काम का नतीजा यह है कि बुरांस, काफल के सघन जंगल प्रकृति अपने आप वापस ले आई। अब जंगल इतना घना हो गया है कि सूरज की रोशनी जमीन पर नहीं पहुंचती। जड़ी-बूटी, घास, लताएं, बेल फिर से आ गईं। काफल, बांज, बुरांस खूब हो गए। बुरांस के लाल फूल अलग ही छटा बिखेरते हैं। काफल का खट्टा-मीठा फल लोगों की पोषण सुरक्षा व रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाने का काम करता है।

सूखे पानी के जलस्रोत फिर फूट पड़े, सदानीरा हो गए। यहां के कुलेगाड, मूलपाणी, लुआरका पाणी, सांतीपुर पाणी, नागुपाणी, खुलियो गउ पाणी, रांता पाणी और द्वारछिलापाणी सहित 2 दर्जन जलस्रोत हैं। ये सदाबहार जलस्रोतों से ही साल भर गांवों को पीने का पानी मिलता है। चौड़ी पत्ती के जंगल बारिश के पानी का स्पंज हैं। वे पानी को सोखकर रखते हैं। जहां ऐसे जंगल होते हैं वहां जलस्रोत सदानीरा होते हैं। पानी छन छन, कल कल बहता रहता है। इसके अलावा, कई वन्य प्राणियों ने भी इस जंगल को अपना आशियाना बना लिया है। भालू, सेही, बघेरा, तेंदुआ, बारहसिंघा, हिरण, जंगली सुअर, बंदर आदि यहां प्राय: दिखते हैं। हिरणों की टोलियां बिचरती रहती हैं।

'गोविंदबल्लभ पंत हिमालयी पर्यावरण व विकास संस्थान' (श्रीनगर, गढ़वाल) के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में इसे पुनर्जीवित सर्वश्रेष्ठ जंगलों में बताया है। पुणे के पक्षी विशेषज्ञ डा. प्रकाश गोले ने यहां कुछ ही घंटों में पक्षियों की 95 प्रजातियों की गिनती की। जंगल बढ़ाने में यह सहायक हुए हैं। जड़धारी कहते हैं कि दूर-दूर से यह पक्षी बीज लाकर इस जंगल के अवैतनिक सेवक बन गए हैं।

ग्राम वन पंचायत यहां वन संरक्षण व वन प्रबंधन का काम करती हैं। उत्तराखंड में वन पंचायतों का इतिहास पुराना है। ब्रिटिश शासन से वन पंचायतें थीं। विजय जड़धारी बताते हैं कि वन पंचायत स्वशासन का एक उदाहरण हैं। आसपास के जंगलों का रखरखाव करती हैं। यह लगभग 1927 के आसपास बनीं। जड़धार में हाल ही में 1998 में वन पंचायत बनी। जड़धार में भी वन पंचायत है, इसका जंगल में दखल बढ़ा है, पर इसे हावी नहीं होने दिया है। अब इन्हें नए सिरे से मान्यता मिली है, और सक्रिय हैं। वर्तमान में जड़धार वन पंचायत के सरपंच राजेन्द्र नेगी हैं।

राजेन्द्र नेगी ने बताया कि वे वर्ष 2017 से सरपंच हैं और इस बीच उन्होंने कई काम करवाए हैं। सरकार की जायका परियोजना के अंतर्गत पौधारोपण व आजीविका सुरक्षा की है। इसके तहत् वृक्षारोपण किया गया। इसकी तार फेंसिंग करवाई है, जिससे कुछ हद तक जंगली जानवर, खासकर सुअर से फसलों की सुरक्षा हुई है।

स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण करवाया गया है। जल संचयन हो इसके लिए जंगल में छोटी चाल-खाल (तालाब) बनाई गई। कुल 9 चाल बनाई गई हैं। यह भी जल भंडारण का परंपरागत तरीका है। इनमें से 3 चाल में बारह महीने पानी रहता है। इससे भूजल स्तर बढ़ता है और जलस्रोत भी सदानीरा होते हैं। जंगली जानवरों को पीने का पानी भी मिलता है। गांव के पालतू मवेशी भी पानी पीते हैं।

हाल में चमोली जनपद में ग्लेशियर टूटने से हुई तबाही पर विजय जड़धारी ने कहा कि यह मानव निर्मित है। इस घटना में अब तक 31 लोग मारे जा चुके हैं, और कई के लापता होने की खबर है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले केदारनाथ की घटना से कोई सबक नहीं लिया गया। ऋषि गंगा पावर प्रोजेक्ट व धौली गंगा पावर प्रोजेक्ट के लिए सुरंग खोदी गई। अब कंपनियां ग्लेशियर फटने को दोष दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह सही है कि जलवायु बदलाव व मौसम परिवर्तन के कारण बादल फटने, ग्लेशियर टूटने, सूखा पड़ने और अतिवृष्टि होने की घटनाएं होंगी पर होनेवाली तबाही को रोका जा सकता है। हमें नदियों को बांधने की बजाय नदियों व गाड-गदेरों को खुला रखना होगा और हिमालय के साथ हो रही छेड़छाड़ को बंद करना होगा।

उन्होंने इसका एक उदाहरण देते हुए बताया कि कुछ साल पहले जड़धार गांव के जंगल में पहाड़ की चोटी पर बादल फटने की बड़ी घटना हुई थी पर उसका असर गांव तक नहीं पहुंचा। जंगल में ही मलवा व पानी जज्ब हो गया। इस तरह हरे-भरे जंगलों से ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से होनेवाली हानि को रोका जा सकता है।

कुल मिलाकर, वर्ष 1980 के बाद से गांव चारा-पत्ती, जलाऊ ईंधन व पानी के मामले में यह गांव आत्मनिर्भर है। उसे किसी से पूछने की जरूरत नहीं है। जब भी हल, जुआ, लाट जैसे खेती के औजारों के लिए लकड़ी की जरूरत होती है, सब लोग जंगल मिलकर जाते हैं और लकड़ी ले आते हैं। चौड़ी पत्तियां पशुओं के नीचे बिछावन के काम भी आती हैं। गोमूत्र-गोबर आदि सड़कर जैव खाद बनाते हैं, जो बहुत उपजाऊ होती है। बांज की पत्तियां मवेशी खाते हैं, वह चारे का काम भी करती हैं। ईंधन के लिए भी अच्छी होती हैं।

जलवायु बदलाव के इस दौर में जंगल को फिर से पुनर्जीवन प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इस इलाके में कुड़ी व पिपलेत गांवों में वन संरक्षण किया जा चुका है। इस पूरे काम से यह निष्कर्ष निकलता है कि गांवों की आपसी समझ, एकता वनों के विश्राम और मेहनत से उजड़ रहे वनों को नया जीवनदान मिल सकता है। प्राकृतिक संसाधनों में कमी, जलस्रोतों का सूखना, भूक्षरण, भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। पर्यावरण का संकट बढ़ रहा है। ऐसे दौर में जड़धार के जंगल ने नया रास्ता दिखाया है। यह गांव अब पारिस्थितिकीय वापसी का भी अनुपम उदाहरण है। हाल ही के हादसे के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि जड़धार जैसे जंगल ऐसे हादसों को कुछ हद तक रोकने में सक्षम हैं, जैसा कि बादल फटने से जड़धार गांव में कोई नुकसान नहीं हुआ था। कुल मिलाकर, यह सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

जलवायु बदलाव के इस दौर में जंगल को फिर से पुनर्जीवन प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इस इलाके में कुड़ी व पिपलेत गांवों में वन संरक्षण किया जा चुका है। इस पूरे काम से यह निष्कर्ष निकलता है कि गांवों की आपसी समझ, एकता वनों के विश्राम और मेहनत से उजड़ रहे वनों को नया जीवनदान मिल सकता है। प्राकृतिक संसाधनों में कमी, जलस्रोतों का सूखना, भूक्षरण, भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। पर्यावरण का संकट बढ़ रहा है। ऐसे दौर में जड़धार के जंगल ने नया रास्ता दिखाया है।

बीता सप्ताह

25 नवम्बर
- अडानी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा् कि हम रिपोर्ट को नहीं मान सकते।
- बालीवुड फिल्मकार राजकुमार कोहली का निधन हो गया।
- हमास-इजरायल के बीच चार दिवसीय युद्धविराम लागू हुआ।
- दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नियुक्त हुई।

26 नवंबर
- राजस्थान में विधानसभा चुनाव का मतदान हुआ।68 फीसदी वोट पड़े।
- पत्रकार सौम्या विश्वनाथन प्रकरण में 15 साल बाद दिल्ली साकेट कोर्ट ने चार दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।
- पाकिस्तान करांची के शॉपिंग माल में आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई।
- पाकिस्तान के आल राउंडर इमाह वसीम ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

27 नवंबर
- संविधान दिवस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जनता अदालतों में जाने से डरें नहीं।
- चीन में श्वांस संबंधी रहस्मयी बीमारी के बाद केंद्र ने दिशानिर्देश जारी कर कहा श्वसन संबंधी बीमारियों पर राज्यों को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।
- ईरान में कथित तौर पर एक हत्या के मामले में 17 वर्षीय एक नाबालिग को फांसी दे दी गई।
- इजरायल ने कहा कि चार दिवसीय संघर्ष विराम में हमास नेताओं को कोई छूट नहीं दी जाएगी।

28 नवंबर
- नौसेना के अत्याधुनिक युद्धपोत इम्फाल की शिखा का अनावरण किया गया।
- अमेरिकी लेखिका पॉल लिंच ने अपने उपन्यास प्रोफेट सॉन्ग के लिए 2023 का बुकर पुरस्कार जीता।
- अमेरिका में तीन फिलिस्तीनी कॉलेज छात्रों को रात्रिभोज में जाने के दौरान गोली मार दी गई।
- इटली ने आस्ट्रेलिया को हराकर 47 साल बाद डेविस कप 2023 का खिताब जीत लिया।

29 नवंबर
- उत्तरकाशी के टनल से 17 दिन बाद सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकाला गया।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका खारिज कर दी।
- नौसेना के अत्याधुनिक युद्धपोत इम्फाल की शिखा का अनावरण हुआ।
- दक्षिण अफ्रीका में इम्पाला प्लेटिनम खदान दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई।

30 नवंबर
- सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि नफरती भाषणों पर कार्रवाई होनी चाहिए।
- भारत-आस्ट्रेलिया का क्रिकेट मैच टी-20 रायपुर छत्तीसगढ़ में खेला गया।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल और आगे बढ़ाने की मंजूरी दी।
- तेलंगाना विधानसभा के 119 सीटों के लिए मतदान हुआ।
- हंगरी-सर्बिया के बीच 'रेल सेल' आठ साल बाद शुरु हुआ।

1 दिसंबर
- उत्तराखंड के जोशीमठ के लिए 1618 करोड़ की योजना को मंजूरी दी गई।
- नेपाल के पश्चिमी लगजंग जिले में पहला समलैंगिक विवाह पंजीकृत हुआ।
- महिला जूनियर विश्वकप के पहले मैच में भारत ने कनाडा को 12-0 से हराया।
- गुजरात में जहरीली सिरप पीने से 5 नागरिकों की मौत हो गई।
- अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंगर का निधन हो गया।

मतगणना केन्द्र पर चलेगा पता किसको कहां की करनी है गणना

जबलपुर, देशबन्धु। मतगणना प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने की निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप मतगणना के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को मतगणना स्थल पहुंचने पर ही यह बताया जायेगा कि उन्हें किस विधानसभा क्षेत्र की किस टेबल पर मतों की गणना करनी है।

मतगणना कार्य से संबद्ध सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतगणना स्थल में प्रवेश हेतु परिचय पत्र जारी किये जायेंगे। आयोग के निर्देश के मुताबिक मतगणना के दिन मतगणना अधिकारियों को मतगणना केन्द्र पर प्रात: 6 बजे पहुंचना होगा । गोपनीयता की दृष्टि से इन अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र या मतगणना टेबिल नंबर की जानकारी पहले से नहीं दी जायेगी

चुनाव आयोग के प्रेक्षक तथा जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना के लिए प्रात: 5 बजे एक स्थान पर तीसरे और अंतिम चरण के रेण्डमाईजेशन हेतु एकत्रित होंगे। इसी समय जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना हेतु जिले के प्रशिक्षित अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची प्रेक्षकों को सौंपेंगे। इसमें गणना पर्यवेक्षक तथा अन्य गणना सहायकों के नामों की सूची होगी। रेण्डमाइजेशन होने के तत्काल बाद निर्वाचन क्षेत्रवार पोस्टिंग (नियुक्ति) सूचियां प्रात: 6 बजे संबंधित रिटर्निंगअधिकारियों को सौंपी जायेंगी।

आयोग द्वारा तय क्रम के अनुसार ही गणना मेज के सामने बैठेंगे उम्मीदवारों के गणना अभिकर्त्ता

विधानसभा चुनाव के लिये डाले गये मतों की गणना पंक्तियों में व्यवस्थित मेजों पर की जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक पंक्ति में लगी मेजों को क्रमांक दिया जायेगा। प्रत्येक गणना मेज पर गणना अभिकर्ताओं के बैठने की व्यवस्था की जायेगी।

निर्वाचन आयोग के अनुसार गणना मेज के सामने उम्मीदवारों के गणना अभिकर्त्ताओं के बैठने की व्यवस्था में प्राथमिकता के क्रम का ध्यान दिया जायेगा। गणना टेबल पर प्रथम पंक्ति में सबसे पहले मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टियों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता बैठेंगे । उसके बाद मान्यता प्राप्त राज्य पार्टियों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता के बैठ सकेंगे। इनके बाद अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त राज्य दलों के उम्मीदवार के अभिकर्त्ता बैठेंगे । उनके बाद पंजीकृत-अमान्यता प्राप्त दलों के उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता तथा सबसे अंत में निर्दलीय उम्मीदवारों के गणना अभिकर्ता बैठेंगे।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतगणना अभिकर्त्ता को जिस टेबल ले लिये नियुक्त किया गया है वे उसी टेबल पर बैठेंगे।

आज शाम कोषालय से मतगणना स्थल शिफ्ट की जायेंगी डाकमत पत्र की मतपेटियां

विधानसभा चुनाव की मतगणना की अंतिम दौर की चल रही तैयारियों के तहत कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार में रखी डाक मतपत्रों की मतपेटियों को शनिवार 2 दिसम्बर की शाम जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित मतगणना स्थल पर बने स्ट्रांगरूम में शिफ्ट किया जायेगा।

डाक मतपत्रों की पेटियों को मतगणना स्थल ले जाने शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार को जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारियों तथा राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में खोला जायेगा । इसकी सूचना सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों को दी जा चुकी है । राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों के प्रतिनिधि डाक मत पत्रों की पेटियों को ले जाने में प्रयुक्त वाहन की निगरानी के लिये उसके पीछे अपने वाहन से मतगणना स्थल तक भी जा सकेंगे। सभी आठ विधानसभा क्षेत्र की डाक मतपत्रों की मत पेटियों को एक ही वाहन से मतगणना स्थल तक पुलिस अभिरक्षा में ले जाया जाएगा तथा वहाँ बने एक अलग स्ट्रांगरूम में कड़ी सुरक्षा के बीच इन्हें रखा जायेगा । इस समूची प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी होगी ।

प्रेक्षकों और उम्मीदवारों की मौजूदगी में सुबह 7 बजे खोला जायेगा स्ट्राँगरूम

विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए ईव्हीएम मशीनों को गणना टेबल तक पहुंचाने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्ट्राँग रूम को मतगणना के दिन 3 दिसंबर की सुबह 7 बजे निर्वाचन आयोग के गणना प्रेक्षकों की मौजूदगी में खोला जायेगा। स्ट्राँग रूम को खोले जाने की सूचना सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों को भी दी गई है । स्ट्राँग रूम को खोले जाने के समय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारी, उम्मीदवार एवं उनके निर्वाचन अधिकारी मौजूद रह सकेंग। ईव्हीएम के स्ट्रांगरूम को खोलने के साथ ही डाकमत पत्रों की पेटियों को भी 3 दिसम्बर की सुबह 7 बजे राजनैतिक दलों एवं उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रांगरूम से निकाला जायेगा।

रक्तदान करें और स्वस्थ रहें: डॉ.संजय मिश्रा

एड्स दिवस पर आयुर्वेद महाविद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर, देशबन्धु। स्वस्थ रहने के लिए रक्तदान कीजिए। रक्तदान से खुद का स्वास्थ्य बेहतर होता है और किसी जरुरतमंद की मदद भी हो जाती है। यह बात जबलपुर से आज शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में एड्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रक्तदान करने वालों की बीपी की समस्या खत्म हो जाती है, और शुगर की दवा का डोज भी कम होता है। हर स्वस्थ व्यक्ति साल में तीन बार रक्तदान कर सकता है। डॉ मिश्रा ने विस्तार से रक्तदान के फायदे बताए। उन्होंने एड्स को लेकर भी नयी जानकारी से अवगत कराया । अब 48 घंटे में एचआईवी की जांच हो जाती है।

कार्यक्रम को जिला विधिक सेवा अधिकरण के बीडी दीक्षित ने भी संबोधित किया। उन्होंने एड्स रोगियों के विधिक पक्ष की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ.पंकज मिश्रा ने किया। इस मौके पर हिन्दी दैनिक देशबन्धु के राजनीतिक संपादक नरेंद्र मौर्य भी मौजूद थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र छात्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.एलएल अहिरवाल द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

ट्रेडिशनल स्नेक्स एंड सेवरी मेकर व्यवसायिक प्रशिक्षण का पंचम बैच का शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। न्यायमूर्ति एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के मार्गदर्शन में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण स्टेट इंस्टिटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं केन्द्रीय जेल के संयुक्त तत्वाधान में बंदियों के हितार्थ रोजगारपरक व्यवसायिक पाठयक्रम के अंतर्गत पंचम बैच में 40 दिवसीय ट्रेडिशनल स्नेक्स एंड सेवरी मेकर का प्रशिक्षण 1 दिसम्बर से केन्द्रीय जेल में प्रांगण में प्रारंभ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित 56 बंदियों को 40 दिवस से 40 व्यंजन संबंधी विधाओं का ज्ञान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाकर दक्ष बनाया जायेगा ताकि वे जेल से मुक्त हो कर सुगमता से रोजगार प्राप्त कर सकें। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त बंदियों को प्रशिक्षण उपरांत स्टेट इंस्टिटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एवं पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र एवं मानदेय का भी भुगतान किया जायेगा। बंदियों को प्रशिक्षण स्टेट इंस्टिटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर से फैक्ल्टी श्री दीपक उप्रेती एवं श्री मयंक चौबे एवं अन्य द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दविन्दर पाल सिंह सोढ़ी ,प्राचार्य, स्टेट इंस्टिटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर का विशेष सहयोग रहा।

अवगत होंवे कि अध्यक्ष विधिक सेवा समिति न्यायाधिपति उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल महोदय के निर्देशन में तथा प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में केन्द्रीय जेल में परिरूद्ध दंडित बंदियों के हितार्थ स्टेट इंस्टिटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रज्ञाधाम कटंगी में हरियाणवी डांस के नाम पर फूहड़ता

सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ वीडियो

जबलपुर, देशबन्धु। कटंगी स्थित प्रज्ञा धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी गीत पर फूहड़ता का वीडियो का वायरल हो गया है। सोशल मीडिया में इस मामले में तरह-तरह के कमेंट्स आ रहे हैं। इसके बाद आयोजन कर्ताओं पर सवाल उठने लगे हैं।

बताया गया है कि यहां पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। इसी के चलते बीते दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नाम पर डांस किया गया। इसमें हरियाणवी सांग पर डांस किया गया, जिसमें अश्लील तरीके से कलाकारों ने अपनी प्रस्तुती दी। इसका वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जिसे लेकर लोगों की प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है और जिस तरह यहां पर फू हड़ता फैलाने का काम किया गया है, उस पर अब आयोजन समिति पर उंगली उठ रही हैं।

यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि प्रज्ञाधाम की स्थापना भू-लोकवासी प्रज्ञानंद गिरी स्वामी द्वारा कराया गया था, जिसके बाद क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रज्ञाधाम सुर्खियों में आ गया था।

जागरूकता ही एड्स से बचाव का तरीका

जबलपुर, देशबन्धु। विश्व में एच.आई. वी./एड्स के फैलने के विभिन्न कारण होते हैं लेकिन लोगों में जागरूकता एवं जानकारी की कमी की वजह से लोगों को अधूरी जानकारी रहती है, अत: सभी को संयुक्त रूप से प्रयास करना चाहिए कि एड्स एचआईवी के फैलने के समस्त कारणों से आम जन को भली भांति जागरूक और अवगत कराये ताकि विश्व में एड्स के मरीजों की संख्या ना बढ़े उक्त उदगार डॉ. देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी एन एस एस ओपन यूनिट, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा भारत सरकार युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय एवं मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित एकदिवसीय एड्स जागरूकता कार्यशाला के दौरान व्यक्त किए गए।

अंत में व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को एचआईवी/एड्स संबंधी विषय पर व्याख्यान तथा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कैसे इस पर रोक लगाई जा सकती है, इसके संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवांशु गौतम एवं आभार प्रदर्शन डॉ. शैलेश प्रसाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ने सुबेन्दु मन्ना, अरविंद कुमार लोधी, सुयस श्रीवास्तव, अमित शिवहरे, अंकित लखेरा, मीनाक्षी गौतम, विद्या गौतम, निखिल कुमार गुप्ता, साहिल श्रीवास्तव, स्मृति चतुर्वेदी, ओजस्वी पांडे, सृष्टि ठाकुर, अंकुश राय, श्रद्धा नागपुरे, प्रियानी गुप्ता, शालिनी बर्मन, अनुश्री श्रीवास्तव, सौरभ प्रजापति, अभिषेक नामदेव, ॠतिक नायक, शुभांशु वर्मा, विनोद कुमार आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गणना कर्मियों को दिये जायेंगे अलग-अलग रंग के परिचय पत्र

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में जिले के आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गये मतों की गणना के लिए नियुक्त गणना कर्मियों को अलग-अलग रंग के फोटो पहचान पत्र जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी किये जायेंगे।

सुबह 6 बजे पहुंचना होगा मतगणना केन्द्र

जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक पाटन विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को नारंगी रंग के, बरगी विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को पीले रंग के, जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को नीले रंग के, जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को लाल रंग के, जबलपुर कैंट विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को हरे रंग के, जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को सफेद रंग के, पनागर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को सफेद रंग के तथा सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कर्मियों को जामुनी रंग के पहचान पत्र दिये जायेंगे । मतगणना के लिये नियुक्त कर्मचारियों-अधिकारियों को सुबह 6 बजे मतगणना स्थल पहुँचना होगा।

उन्हें जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित इण्डियन कॉफी हाऊस के गेट से प्रवेश दिया जायेगा। मतगणना कर्मियों के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था भी कॉफी हाऊस से लगे मैदान पर की गई है।

कलेक्टर ने लिया मतगणना की तैयारियों का जायजा

स्ट्रांगरूम का भी किया निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने आज शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्विद्यालय पहुँचकर मतगणना की अंतिम दौर की चल रही तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान श्री सुमन ने आठों विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कक्षों का भ्रमण कर इटीपीबीएस के क्यूआर कोड की स्केनिंग, डाक मतपत्रों एवं ईव्हीएम के मतों की गणना तथा मतगणना के चक्रवार परिणामों का सारणीनियन एवं घोषणा के लिये की गई व्यवस्थायें भी देखीं। कलेक्टर ने इस मौके पर मतगणना कार्य में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरश- पालन करने तथा मतगणना की समूची प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसके पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवन में बने स्ट्रांगरूम का भी निरीक्षण किया तथा निरीक्षण रजिस्टर पर हस्ताक्षर किये।

नियुक्ति और पहचान पत्र के सत्यापन के बाद ही गणना कक्ष में प्रवेश पा सकेंगे उम्मीदवारों के अभिकर्ता

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिये उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त गणना अभिकर्ताओं को गणना कक्ष में प्रवेश के पहले रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना अभिकर्ता से रिटर्निंग आफिसर के समक्ष मतदान की गोपनीयता को बनाए रखने के बारे में उसके नियुक्ति पत्र में अंतर्विष्ट घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना अपेक्षित होगा। नियुक्ति पत्र अथवा पहचान पत्र और घोषणा के सत्यापन के बाद रिटर्निंग आफिसर मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने की अनुमति देगा।

आयोग के निर्देशों के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी किसी भी मतगणना अभिकर्ता को मतगणना हॉल में प्रवेश करने से पहले उसे व्यक्तिगत तलाशी के अध्यधीन करने के लिए अधिकृत है। प्रत्येक मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा एक बैज दिया जाएगा जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि वह किसका अभिकर्ता है और उस मेज की क्रम संख्या भी दर्शायी जाएगी, जिस पर वह मतगणना पर नजर रखेगा। गणना अभिकर्ता को उस मेज पर बैठे रहना होगा जिसके लिये उसे नियुक्त किया गया है। उसे दूर हॉल में चलने-फिरने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि अभ्यर्थी और उसके निर्वाचन अभिकर्ता की अनुपस्थिति में मतगणना अभिकर्ता को रिटर्निंग अधिकारी की मेज पर जाने की अनुमति होगी। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतगणना हॉल के अंदर सख्त अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को रिटर्निंग अधिकारी के साथ पूरी तरह से सहयोग करना होगा। गणना अभिकर्ताओं को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करना होगा।

वेब सीरीज द कंफ्यूजन हंगामा ओटीटी पर रिलीज

जबलपुर, देशबन्धु। वेब सीरीज द कंफ्यूजन के 8 एपीसोड हंगामा ओटीटी पर रिलीज हो रही है जो लगभाग 4.22 मिनट की है, लगभग दो फिल्मो के बराबर अवधि की है। इसका पूरा शूट लगभाग 95 परसेंटेज जबलपुर में शूट हुआ और जानकारी के अनुसार लोकल जबलपुर से किसी प्रोडक्शन या डायरेक्टर ने इतनी बड़ी अवधि की कोई सीरीज किसी प्रोडक्शन ने नहीं बनाई है जो किसी ओ टी टी प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है। सब कलाकारों के साथ-साथ शहर के लिए भी गर्व की बात हैऔर ये सब हो पाया सबकी कड़ी मेहनत और सब के सहयोग के कारण इसको सब के सहयोग के कारण ही बना गया, कला प्रेमियों से कलाकारों को अपना स्नेह देने और सबका हौसला बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

एक करोड़ की मिली सम्मान निधि जनरल डीबी शेकटकर ने भोसले स्कूल को दान की

जबलपुर, देशबन्धु। सिक्किम सेंट्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर तथा सेवा निवृत्त जनरल डीबी शेकटकर का पिछले दिनों पुणे में सम्मान किया गया। यह सम्मान पुणे की लोकमान्य मल्टीपरपज को- ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा किया गया।। जनरल शेकटकर को इस समिति ने सम्मान के रूप में एक करोड रुपए की राशि भी भेंट की। इस राशि को जनरल शेकटकर ने नाशिक की सेंट्रल हिंदू ऐजुकेशन सोसायटी को भेंट कर दिया। भोसला मिलिट्री स्कूल नाशिक द्वारा नागपुर में चक्की खाना में प्रशासनिक सेवा पूर्व तैयारी के लिए प्रशिक्षण सीनियर महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है इस महाविद्यालय की स्थापना के लिए यह राशि खर्च

की जाएगी। जनरल शेकटकर भोसला मिलिट्री स्कूल नासिक के अध्यक्ष भी हैं। कश्मीर में 12 सबसे अधिक आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले जनरल डीबी शेकटकर की अध्यक्षता में सेना के तीनों अंगों के कार्यों में सुधार लाने के लिए जनरल डीबी शेकटकर कमेटी का गठन भी किया गया इसकी सिफारिशें लगातार लागू हो रही हैं।

जबलपुर निवासी जनरल शेकटकर द्वारा देश सेवा और सेना के लिए समर्पण और लगाव की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सम्मानित किया गया। श्री शेकटकर तीन विषयों में पीएचडी कर चुके हैं।

जबलपुर जामवंस का पुनर्मिलन

जबलपुर, देशबन्धु। जामवंस का पुनर्मिलन भारतीय रक्षा लेखा विभाग के भूतपूर्व कर्मचारियों एवं अधिकारीयों ने जो सन 1970 और 1985 के आसपास जबलपुर रक्षा लेखा विभाग के विभिन्न कार्यालय में नियुक्त होकर आए थे या पदस्थ थे उन सब ने जबलपुर से जुड़ी हुई स्मृतियों को संजोए रखने के लिए जबलपुर के तत्कालीन साथियों के साथ मिलकर जबलपुर जामवंस नाम का ग्रुप बनाया। इस ग्रुप के सदस्य चेन्नई, हैदराबाद, सिकंदराबाद, बैंगलोर, कोचीन,जबलपुर के अलावा अन्य शहरों में है। इनके बीच में आपसी संपर्क एवं सम्वाद बना रहे ,यही इस ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है।

एक दूसरे से मिलने के बहाने प्रतिवर्ष भारत के दक्षिण अथवा उत्तर के किसी एक शहर में एक पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया जाता है । पूर्व में ऐसा ही पुनर्मिलन कन्याकुमारी में आयोजित हो चला है ।

इस वर्ष यह दायित्व जबलपुर इकाई को मिला जिसमें सभी भूतपूर्व सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त हुआ।

उक्त आयोजन मैकल रिसोर्ट,बरगी बांध में संपन्न हुआ। इस आयोजन में सभी भूतपूर्व सहकर्मी एकत्रित होकर राइड आपसी परिचय एवं पुरानी स्मृतियों को ताजा किया।

उक्त आयोजन में सहयोग अनिल राजूरकर के.एस. गौतम बी. बी .ब्योहार एस एल.साहू एस.के. राव ने प्रदान किया है। संयोजन का दायित्व बी.एस.स्वर्णकार ने बखूबी निभाया। आयोजन की सफलता के लिए बी.बी.ब्योहार ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पावर मैनेजमेंट चिकित्सालय में 4 दिसंबर को त्वचा रोग शिविर

जबलपुर, देशबन्धु। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के रामपुर स्थित चिकित्सालय में 4 दिसंबर को प्रात: 10.30 से दोपहर 1.00 बजे तक त्वचा रोग शिविर का आयोजन किया गया है।

शिविर में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश जैन त्वचा रोग से संबंधित समस्याओं का निदान करेंगे और परामर्श देंगे। विद्युत कंपनियों के कार्मिक से अनुरोध किया गया है कि वे शिविर में उपस्थित हो कर अवसर का लाभ उठाएं।

इस तरह के आयोजन को लेकर जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

कालीधाम गौरीघाट में महामृत्युंजय महायज्ञ का आयोजन

जबलपुर,देशबन्धु। भारत भूमि में अनादिकाल से देवाताओं, ऋषि मुनियों, संत महात्माओं द्वारा अनिष्ठों के निवारणार्थ एवं जनकल्याणार्थ किए गए यज्ञ कार्यों का इतिहास साक्षी है। उसी परम्परा का निर्वहन करते हुए परम पूज्यपाद ब्रम्हलीन द्विपीठाधीश्वर धर्म सम्राट जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज एवं माँ भगवती विराट काली की असीम कृपा से महर्षि जाबालि की तपोधारा, संस्कारधानी जाबालिपुरम में सकल कष्ट हारिणी पुण्य सलिला माँ नर्मदा के पावन ऑचल में बसा भटौली ग्राम स्थित श्री सिद्ध शक्तिपीठ श्री कालीधाम, कालीघाट, गौरीघाट में माँ विराट काली की 31वीं स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में श्री महामृत्युंजय महायज्ञ एवं शिवमहापुराण व विराट संत समागम का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन 4 से 12 दिसम्बर तक चलेगा। उक्त जानकारी पत्रकारवार्ता मे संयोजक, संरक्षण एवं संचालक परमपूज्य पंचखंड द्वादशपीठाधीश्वर दण्डी स्वामी कालिकानंद सरस्वती, स्वामी प्यारेनंद महाराज ने जानकारी दी। एवं सह संयोजक कालीधाम पीठाधीश्वर महंत डॉ स्वामी राधे चैतन्य महाराज ने बताया कि इसमें सतगुरू शंकराचार्य द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर परम्पूज्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के श्रीमुख से शिवमहापुराण कथा का रसपान करेंगे। जिसमें सानिध्य यह संयोजक कालीधाम पीठाधीश्वर महंत डॉ स्वामी राधे चैतन्य महाराज एवं संतों के दर्शन व अमृतमयी वाणी का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

4 से 12 दिसम्बर तक होगा आयोजन

यज्ञ का समय सुबह 8 बजे से 12 बजे प्रवचन एवं कथा का समय दोपहर 2.30 से 6 के बीच होगा इस सुअवसर पर आप सभी इष्ट मित्रों व सपरिवार पधारकर पुण्य कार्य में सहभागिता अर्पित करते हुए अपने जीवन को सफल बनावें। पत्रकारवार्ता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू महंत डॉ स्वामी राधे चैतन्य महाराज महंत स्वामी रंजीता नन्द महाराज, महंत चंद्रशेखर नन्द महाराज, रामानंद महाराज, सांसद राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, निगमअध्यक्ष रिंकू बिज, अध्यक्ष प्रदीप चौहान, श्रीराम खत्री, सुशील सोनी, डीओपी राव, नारायण ब्रजवानी, मनीष अग्रवाल, प्रभात दुबे, अजय यादव, संदीप जैन, मनु मिश्रा बंटी, मनीष नारंग, मुकेश मल्होत्रा, अरूण तिवारी, विवेक तिवारी,अश्विन शुक्ला, राजेश पाल, भैयाराम अवस्थी, अभय सिंह एवं अनिल उसरेटे मीडिया प्रभारी उपस्थित रहे।

कृष्ण की सम्मृद्धि के लिए सुदामा ने स्वीकारी दरिद्रता: विदूषी भाव नंदिनी

जबलपुर, देशबन्धु। भगवान श्रीकृष्ण के बाल सखा सुदामा आर्थिक दृष्टि से जितने बिपन्न थे, आध्यात्मिक दृष्टि से उससे लाख गुना अधिक संपन्न थे। वास्तव में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की समृद्धि के लिए स्वयं विपन्नता स्वीकारी थी। गुरु संदीपनी के आश्रम में अध्ययन के दौरान गुरु मां द्वारा अनजाने में दिए गए कृष्ण के हिस्से के भी अभिशापित चने खाकर सुदामा ने उन्हे और सारे संसार को दरिद्रता से बचाया था। इस आशय के उद्गार सिद्ध श्री दुर्गा मंदिर धनवंतरी नगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन बाल विदुषी कृष्ण भाव नंदिनी ने सुदामा चरित्र की मीमांशा करते हुए व्यक्त किए। कथा के पूर्व व्यास पीठ का पूजन प्रदीप खरे, रश्मि खरे, के. के. शुक्ला, डॉ. एच. पी. तिवारी, नर्मदा शंकर भार्गव (गुना), चंद्रा दीक्षित, रमेश पांडे, शैलेंद्र शर्मा, डॉ. संदीप नेमा, छविलाल शर्मा, सुमन शर्मा, राम गोपाल तिवारी, कला शर्मा, अंकू पांडे, गोपाल रावत आदि ने किया।

हरिनाम से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार : स्वामी नरसिंह दास

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीमद् भागवत कथा पुराण भगवान श्री हरि का वांग्मय स्वरूप है। श्रीमद् भागवत पीड़ित हृदय के लिए औषधि है। ऋषि मुनि रसायन है, और भक्त जनों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा गंगा का उद्‌गम है । आध्यात्मिक चेतना की जागृति के लिए वेदों की ऋचाओं, हरिनाम संकीर्तन निरंतर होना चाहिए। नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिये वेद पुराण का पठन-पाठन होना चाहिए। इस आशय के उद्‌गार नरसिंह मंदिर में नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास महाराज के पावन मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा पुराण सप्ताह के व्दितीय दिवस कहे। इस अवसर पर व्यास पीठ पूजन अर्चन यजमान शालिनी पाण्डेय, गीता तिवारी, सावित्री उपाध्याय, विजय तिवारी, आचार्य रामफल शास्त्री, कामता शास्त्री, रामचरण दास, लालमणि मिश्रा, रामजी पुजारी, प्रवीण चतुर्वेदी, हिमांशु प्रियांशु, नरसिंह मंदिर गीता धाम भक्त मंडल, सनातन धर्म महासभा जबलपुर ने किया। मार्ग शीर्ष अगहन मास पर भगवती लक्ष्मी श्री हरि नारायण, नवग्रह, षोणश मातृका, श्रीपीठ, व्यास पीठ श्रीमद्भागवत पुराण का पूजन अर्चन वैदिक आचार्यों ने किया।

नर्मदा उत्सव आज

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के तत्वावधान में नर्मदा उत्सव की शुरुआत डिंडोरी से हो चुकी है। इसी कड़ी में उत्सव का आयोजन मंडला, बालाघाट और सिवनी में होने बाद आज 2 दिसम्बर को जबलपुर में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देते हुए निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में कई राज्य के कलाकारों द्वारा लोकगायन एवं लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें राजस्थान का घूमर, भवई, छत्तीसगढ़ के पाण्डवानी गायन, उत्तर प्रदेश के ब्रज का लोकनृत्य तथा हरियाणा का पनिहारी नृत्य आकर्षण का केन्द्र होंगे।

गुरु के प्रति निष्ठा और समर्पण की मूर्ति है: स्वामी सुबुद्धानंद

जबलपुर, देशबन्धु। बगलामुखी सिद्ध पीठ आश्रम सिविक सेंटर में परम पूज्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर एवं द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगत गुरु शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद महाराज दो पीठ के निजी सचिव भी है। बगलामुखी सिद्धपीठ क्षेत्र में इकहत्तरवाँ जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से आश्रम में मनाया गया। बगलामुखी माता का श्रृंगार अर्चन, महाआरती, लड्डू से अर्चन किया गया। तत्पश्चात एक धार्मिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पूज्य ब्रह्मचारी को जन्मदिन की बधाइयां देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। महापौर ने कहा संतों के दर्शन मात्र से व्यक्ति के पाप नष्ट हो जाते हैं। हमारे यहाँ धर्मशास्त्रों में लिखा है, कि यदि ऐसे व्यक्ति का नाम भी ले लो तो उसके पाप नष्ट हो जाते हैं। उत्तम संयोग ये रहा कि उनका जन्मदिन है, इसलिए हम लोग उनके जन्मदिन पर शत शत नमन करते हैं। भगवती बगलामुखी से प्रार्थना करते हैं कि वो अनंत वर्षों तक लोगों का नेतृत्व करते रहें। ब्रह्मचारी चैतन्यानंद ने बताया कि पूज्य ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद महाराज का सदा हम लोगों पर आशीर्वाद बना रहे। हम माता बगलामुखी से प्रार्थना करते हैं कि भगवती उनको दीर्घायु बनाए।

शंकराचार्य आश्रम ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद बड़े भाग्यशाली हैं, की उन्हें पूज्यपाद शंकराचार्य की सेवा अवसर प्राप्त हुआ, वे जीवन पर्यंत सेवा करते रहे। आचार्य राजेंद्र प्रसाद शास्त्री ने पुराने संस्मरण सुनाते हुए ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद की गुरु निष्ठा पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अभिजात त्रिपाठी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति, विधायक विनय सक्सेना, भरत सिंह, मधु यादव, मनोज सेन, बी.के पटेल, बृजेश दुबे, शारदानंद द्विवेदी, सुंदर पांडे, अरविंद मिश्रा, आशुतोष दीक्षित, नर्मदा प्रसाद शर्मा, सी एन दुबे, जितेंद्र राज, तुलसी अवस्थी आदि भी उपस्थिति रहे।

केक मिक्सिंग सेरेमनी में जुड़े छात्र

जबलपुर, देशबन्धु। केक मिक्सिंग सेरेमनी से जुड़कर छात्रों ने केक का बेस बनाया। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य दविंदर सिंह सोढ़ी ने कहा कि केक मिक्सिंग सेरेमनी क्रिसमस का अभिन्न हिस्सा है,। जिसकी शुरुआत यूरोप से हुई थी। संस्था द्वारा आयोजित केक मिक्सिंग सेरेमनी में बीएससी के छात्र शामिल हुए।

दैनिक राशिफल

शनिवार 02 दिसम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। अगहन कृष्णपक्ष की पंचमी। नक्षत्र- पुष्य ।

मेष
किसी नए काम की शुरुआत के लिए सुबह का समय अनुकूल रहेगा। आज सरकारी लाभ होने की संभावना है।

वृषभ
आज का दिन आप के लिए मध्यम फलदायी है। आज मित्रों तथा स्नेहीजनों के साथ हुई मुलाकात से मन खुश रहेगा।

मिथुन
आज आय के मुकाबले खर्च अधिक रहेगा। आंखों में दर्द की समस्या आ सकती है। मानसिक चिंता बनी रहेगी। विचारों में परिवर्तन होगा।

कर्क
आप आर्थिक जिम्मेदारियों के प्रति ध्यान देंगे तथा कहीं निवेश की योजना भी बना सकेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना हैं।

सिंह
आज सुबह का समय बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आनंदप्रद और लाभप्रद समाचार मिलेंगे।

कन्या
आपका दिन अनुकूल रहेगा। परिजनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोस्तों और स्वजनों से उपहार मिल सकता है।

क.

तुला
आज सुबह आपका मन किसी बात को लेकर चिंता में रहेगा। शारीरिक रूप से शिथिलता और आलस्य बना रहेगा।

वृश्चिक
आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। सुबह के समय आप आनंद और मनोरंजन में डूबे रहेंगे। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा।

धनु
कला के प्रति आज आपकी रुचि ज्यादा रहेगी। खर्च ज्यादा रहने से आप परेशान हो सकते हैं। संतान से संबंधित कोई चिंता आपको हो सकती है। काम में मन नहीं लगेगा।

मकर
बातचीत करते समय क्रोध ना करें। परिवार में सुख-शांति और आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा। मान सम्मान मिलने की भी संभावना है।

कुंभ
ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए समय अच्छा नहीं है।

मीन
आज अधिक इमोशनल होने से बचें। ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए आज समय अच्छा नहीं है। मा.

रूटीन में बढ़ी साइकिल की सवारी, पौधों से खिल रहे घर-द्वार

पॉल्यूशन कंट्रोल डे-शहरवासियों द्वारा पॉल्यूशन कंट्रोलिंग के लिए किए जा रहे एक्सपेरिमेंट

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में लगातार पॉल्यूशन मे दिनोंदिन बढ़ोत्तरी हो रही है, और यह समस्या आम होती जा रही है। लगातार बढ़ते वीकल्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स से जहां वातावरण प्रभावित हो रहा है, वहीं सीमेंटीकरण होने और बिल्डिंग कल्चर बढ़ने से पेड़ पौधों की कमी भी हो रही है। पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए यह जरूरी है कि सामूहिक रूप से प्रयास किए जाएं। पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए शहर के लोगों द्वारा कई प्रयास हो रहे हैं, जिसमें कारपूल कल्चर की ओर जहां लोगों के कदम बढ़ रहे हैं, वहीं साइकिल की सवारी भी हो रही है।

डवलप हो रहा कारपूल कल्चर-ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम में योगदान के लिए लोगों के बीच कारपूल कल्चर तेजी से बढ़ा है। मेट्रो सिटी की तर्ज पर फॉलो किया जा रहा, यह कॉन्सेप्ट शेयरिंग और बजट मैनेज करने का अच्छा तरीका साबित हुआ है। इसके साथ ही पेट्रोल की खपत कम करने में भी योगदान देता है। शहर के दूर बने इंजीनियरिंग कॉलेजों, अन्य शिक्षण संस्थान और वर्किंग जोन में पहुंचने के लिए लोग कारपूल कल्चर अपना रहे हैं।

इसलिए मनाया जाता है दिन-हर साल 2 दिसम्बर को पॉल्यूशन कंट्रोल दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य जहां लोगों को पॉल्यूशन कंट्रोल करने में मदद करना है, वहीं वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों जैसे खांसी, आंखों में जलन, एलर्जी और कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति सचेत करना है।

शहर में बने साइकिल ग्रुप-रश्मि सिंह बताती हैं कि उन्होंने चार साल पहले साइकिल ग्रुप बनाया था। ग्रुप में सदस्य 20 से 30 किमी की साइक्लिंग करते हैं। वे कहती हैं दिनचर्या के काम के लिए भी वे साइकिल से आना-जाना पसंद करती है। उनका कहना है कि पॉल्यूशन कंट्रोल करने के लिए साइकिल की आदत अपनानी होगी।

ऑक्सी जोन पैटर्न पर होम-कोविड काल के बाद लोगों ने प्लांटेशन के महत्व को समझा और घर के हिस्से को ऑक्सी जोन बनाने पर फोकस किया। अब यह लोगों की आदत में शुमार हो चुका है। ज्योति राठौर बताती हैं कि उन्होंने घर में तकरीबन 200 से अधिक छोटे-बड़े पौधे लगाए हैं। वे कहती हैं यदि हर व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण कर उनका संरक्षण करें और पॉल्यूशन कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

पॉल्यूशन कंट्रोलिंग के लिए यह काम

- सामाजिक संस्थाओं द्वारा पौधरोपण।
- नदी, घाट और तालाबों की युवा दलों द्वारा सफाई
- बथर्ड, सालगिरह और जन्मदिन और विशेष दिवसों में प्लांटेशन कर रहे लोग।
- बारिश के दौरान शहर के कई हिस्सों को ऑक्सीजन जोन बनाने का काम।

ट्रिपल आईटीडीएम बंगाल से पहुंचा दल

जबलपुर. युवा संगम चरण 3 में प्रदेश स्तरीय मेजबानी कर रहे ट्रिपलआईटीडीएम में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल से 45 युवाओं का दल पहुंचा। संस्थान के निदेशक प्रो. भारतेंदु के. सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम से जुड़कर आईआईटी खड़गपुर में प्रदेश की टीम गई थी, अब वहां से टीम जबलपुर आई है। सात दिनों में टीम सदस्यों को जहां सांस्कृतिक प्रचार, पर्यटन, अंत:विषय शिक्षा और तकनीकी से अवगत करवाया जाएगा, वहीं शहर की संस्कृति और खान-पान को समझने का मौका मिलेगा। दौरे में छात्र चौसठ योगिनी मंदिर, नर्मदा नदी, भेड़ाघाट, बरगी बांध, संग्रहालय, मदन महल, धुआंधार झरना, चित्रकूट का भ्रमण करेंगे। इसके साथ ही स्थानीय व्यंजनों, जीवन शैली, हस्तशिल्प से परिचित होकर जानकारी जुटाएंगे।

क्विज : इलाज से बेहतर सुरक्षा का संदेश

विश्व एड्स दिवस पर रासेयो का जिला स्तरीय आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। संयमित आचरण और समानता का व्यवहार की बीमारी से बचाव है। यह संदेश विश्व एड्स दिवस के मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना जिला जबलपुर, रेड रिबन क्लब और जानकीरमण कॉलेज के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में छात्रों ने दिया। जिला स्तरीय एनएसएस पियर एजुकेटर अभिविन्यास कार्यक्रम में जिले 12 कॉलेजों के पियर एजुकेटर शामिल हुए। मुख्य अतिथि शासी निकाय अध्यक्ष शरदचंद्र पालन, अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. संजय मिश्रा, विषय विशेषज्ञ जिला क्षय एवं एड्स नियंत्रण अधिकारी, डॉ. संतोष ठाकुर, विशिष्ट अतिथि व्यंग्यकार अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्र विचित्र, डॉ. कौशल दुबे, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, जिला संगठक डॉ. आनंद सिंह राणा मौजूद थे।

जागरुकता की बचाव-इसी क्रम में रादुविवि की एसएसएस यूनिट, रेड रिबन और विवि शिक्षण विभाग के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। संयोजक डॉ. देवांशु गौतम ने कहा कि युवाओं में इस बीमारी के प्रति जागरुकता ही बचाव है। कार्यक्रम में पोस्टर, स्लोगन, रैली, मानव श्रृंखला जैसे आयोजन हुए। इस मौके पर एनएसएस समन्वयक प्रो. अशोक कुमार मराठे, डॉ. शिवचंद वल्के, प्रदीप सेन, सुबेन्दु मन्ना, अरविंद कुमार लोधी, सुयश श्रीवास्तव, अमित शिवहरे, अंकित लखेरा, मीनाक्षी गौतम मौजूद रहीं।

गांव की गोरियों ने किया फैशन वॉक

दिगम्बर जैन महिला परिषद बहू मंडल का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। गांव की गोरी थीम पर लेडीजों ने सेलिब्रेशन किया। गांव की गोरी अंदाज में सजी-धजी महिलाओं ने डांस, म्यूजिक और कल्चरल एक्टिविटी में हुनर दिखाया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर महिला परिषद् बहू मंडल का दिवाली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रेया जैन ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी, वहीं आशी जैन ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

लेडिजों ने खेले गेम्स -दिवाली मिलन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने दिवाली पर आधारित हाउजी और तंबोला खेला। मुख्य अतिथि चंदना संभाग अध्यक्ष सुनीता जैन मैक्स, संभाग सचिव मंजू जैन रहीं। इस मौके पर वर्षा जैन, रवीना जैन, पूजा जैन, राखी पहारिया, नेहा जैन, आकांक्षा, श्वेता, शीला, रूबी, सुरभि, सोनम, नैंसी, अंकिता मौजूद रहीं।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्‌गति दे भगवान

श्री राम कुमार अग्रवाल- गढ़ाफाटक निवासी श्री राम कुमार अग्रवाल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिलीप कुमार शर्मा- अहीर मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री दिलीप कुमार शर्मा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शशि अग्रवाल- प्रियदर्शनी कॉलोनी डुमना रोड निवासी श्री विष्णु अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती शशि अग्रवाल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमा बाई यादव- शारदा चौक के निकट मदनमहल निवासी श्री श्याम यादव की धर्मपत्नी श्रीमती उमा बाई यादव (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती राधा बाई कोल- पिपरिया खमरिया निवासी श्री करोढ़ी लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती राधा बाई कोल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मथुरा सोंधिया- सिद्धार्थ नगर छोटी ओमती निवासी श्री मथुरा सोंधिया (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुंती बाई यादव- चांदमारी ओम कला मंदिर रोड लालमाटी निवासी श्री कौराई प्रसाद यादव की धर्मपत्नी श्रीमती कुंती बाई यादव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्रीमती भौरकली मिश्रा- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती भौरकली मिश्रा (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष पटेल- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री संतोष पटेल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर में किया गया।

श्री विशंभर स्वामी- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री विशंभर स्वामी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मन्नू राजपूत- साउथ सिविल लाइन निवासी श्री मन्नू राजपूत (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री संतोष प्रधान- तिलहरी फेस 1 निवासी श्री संतोष प्रधान (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्यामापद माईती- ज्ञान विहार कॉलोनी नर्मदा रोड निवासी श्री श्यामापद माईती (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विष्णु प्रसाद साहू- तुलसी नगर रांझी निवासी श्री विष्णु प्रसाद साहू (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में किया गया।

श्रीमती झुग्गी बाई कुशवाहा- साईं नगर रामपुर निवासी श्री भोला प्रसाद कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती झुग्गी बाई साहू (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश यादव- करमेता निवासी श्री मुकेश यादव (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मालती बाई ठाकुर- भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री लक्ष्मण ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती मालती बाई ठाकुर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

कुख्यात बदमाश अनिराज अन्ना की हत्या, तालाब की मिली लाश

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल तालाब में लाश मिलने से सनसनी व्याप्त हो गई। इस बीच लाश अनिराज अन्ना की आशंका पर पुलिस ने शिनाख्तगी के लिए परिजनों को बुलवाया। परिजनों द्वारा खिनाख्त के बाद पुख्ता हुआ की वह अनिराज नायडू ही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करते हुए शव को पीएम के लिए भिजवा दिया है।

जानकारी अनुसार ओमती थाना अंतर्गत रसल चौक साई दरबार के समीप रहने वाला अनिराज अन्ना कम उम्र से ही शहर में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हुए आ रहा है। जो कि कई बार जेल भी जा चुका है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पूर्व ही ओमती थाना क्षेत्र में एक आपराधिक मामले में जेल से छूट कर आया था। पुलिस ने

मामले में अनिराज की हत्या की अशंका व्यक्त की है। मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शातिर बदमाश कुछ समय पूर्व ही जेल से छूटा था। परिजनों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि अनिराज की परिजनों से 25 नवंबर को आखिरी बार बात हुई थी, इसके बाद से ही वह उनके संपर्क से बाहर था। जानकारी यह भी है कि अनिराज के गले और मुंह में पुलिस को कपड़े बंधे मिले हैं। आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि किसी ने कपड़े से गला दबाकर घटना को अंजाम दिया होगा, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई होगी। इन्होंने कहा मढ़ोताल कठौंदा स्थित तालाब में एक युवक का शव मिला है, जिसकी पहचान अनिराज नायडू उर्फ अन्ना के रूप में हुई है। मामला संदिग्ध नजर आ रहा है।

जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करते आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। थाना प्रभारी गोहलपुर राजपाल सिंह बघेल ने बताया कि अक्कू उर्फ आकाश चौधरी पिता नन्हू चौधरी उम्र 22 वर्ष निवासी चण्डालभाटा गोहलपुर का एक अपराधिक प्रवृत्ति का युवक है जिसके विरूद्ध कई अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय मे विचाराधीन है जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिला बदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर को प्रेषित किया गया था, जिससे सहमत होते हुये जिला दण्डाधिकारी जबलपुर द्वारा अक्कू उर्फआकाश चौधरी को जिला जबलपुर एवं जबलपुर से लगे सीमावर्ती जिले मण्डला, डिण्डौरी, सिवनी नरसिंहपुर कटनी, दमोह, उमरिया की राजस्व सीमाओं से जिलाबदर किया गया था।

मुखबिर से सूचना मिली कि जिला बदर का आरोपी अक्कू उर्फ आकाश चौधरी चण्डालभाट स्मार्ट सिटी के पास घूम रहा है। सूचना पर तत्काल दबिश देते हुये अक्कू उर्फ आकाश चौधरी को पकडा, जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करना पाया जाने पर अक्कू उर्फ आकाश चौधरी के विरूद्ध धारा 188 भादवि एंव 14 म0प्र0 राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी।

भारतीय रेल ने नवंबर 2023 तक 1015.6 एमटी माल लदान का लक्ष्य हासिल किया

जबलपुर,देशबन्धु। अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान संचयी आधार पर, भारतीय रेल द्वारा पिछले वर्ष की 978.724 एमटी के माल लदान की तुलना में 1015.669 एमटी की माल लदान हासिल की गई, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के माल लदान की तुलना में लगभग 36.945 एमटी का सुधार है। रेलवे ने पिछले वर्ष के 105905.1 करोड़ रुपये की कमाई की तुलना में 110007.5 करोड़ रुपये की कमाई की है, जोकि कि पिछले वर्ष की समान अवधि में होने वाली कमाई की तुलना में लगभग 4102.445 करोड़ रुपये का सुधार है। नवंबर 2022 में 123.088 एमटी के लदान की तुलना में नवंबर 2023 के महीने के दौरान 128.419 एमटी का प्रारंभिक माल लदान हासिल किया गया है, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4.33 प्रतिशत का सुधार है। नवंबर 2022 में माल ढुलाई से प्राप्त होने वाले 13559.83 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में नवंबर 2023 में 14077.94 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3.82 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है।

भारतीय रेल ने नवंबर, 2023 के दौरान कोयले का 65.48 एमटी, लौह अयस्क का 14.99 एमटी, कच्चा लोहा (पिग आयरन) एवं तैयार इस्पात का 5.25 एमटी, सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) का 5.58 एमटी, क्लिंकर का 4.61 एमटी, खाद्यान्न का 3.82 एमटी, उर्वरक का 5.97 एमटी, खनिज तेल का 4.176 एमटी, कंटेनरों का 6.91 एमटी और शेष अन्य वस्तुओं का 8.59 एमटी लदान हासिल किया। कार्गो के लिए उत्सुक के मंत्र का पालन करते हुए, भारतीय रेल ने व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवाओं की आपूर्ति में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। ग्राहक केन्द्रित दृष्टिकोण और त्वरित नीति निर्माण द्वारा समर्थित व्यवसाय विकास इकाइयों के काम ने रेलवे को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने में मदद की।

शोरूम से निकलते ही ठप्प पड़ी ओला की ई-स्कूटर, मालिक ने मचाया बवाल

जबलपुर,देशबन्धु। जब भी हम कोई नई गाड़ी लेते हैं, तो उसका एक अलग उत्साह रहता है। लेकिन जबलपुर में एक व्यक्ति के साथ इसका कुछ उल्टा ही हुआ। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले ही उन्होंने एक लाख 70 हजार रुपए देकर ओला कंपनी की टू-व्हीलर खरीदी थी। जब वे गाड़ी लेकर शोरूम से जाने लगे तो उनकी गाड़ी में तेज आवाज आने लगी।

जिस पर उन्होंने रास्ते में ही कंपनी को कॉल किया तो वहां से कहा गया कि थोड़ी देर में आवाज ठीक हो जाएगी। जिस पर वह संतुष्ट होकर घर की ओर जाने लगे। जैसे ही वह थोड़ी दूर गए, तो उनकी गाड़ी पूरी तरह से बंद हो गई। थाने में दर्ज कराई शिकायत- जैसे तैसे जब वे गाड़ी को लेकर शोरूम में वापस पहुंचे तो कंपनी ने साफ मना कर दिया कि गाड़ी को ठीक किया जाएगा, न कि बदला जाएगा। इसके बाद उन्होंने परेशान होकर ओमती थाने में कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। वही इस मामले में पुलिस का कहना है कि कंपनी के मैनेजर से बात की जा रही है।

सेप्टिक टेंक में मिली युवक की लाश

जबलपुर,देशबन्धु। घर के पास संदिग्ध परीस्थितियों में मिली लाश का लेकर हत्या और हादसा होने की चर्चाएं लोगों के बीच हो रही हैं। पुलिस ने हर एंगल से मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि राजीव नगर हनुमान मंदिर के समीप रहने वाले 44 वर्षीय लखन मोदी की लाश घर के पास ही एक खुल सेप्टिक टेंक में मिली है।

लखन शराब पीने का आदि था और कल रात भी उसने जमकर शराब पी हुई थी। पुलिस पूछताछ में परिजनों ने बताया कि लखन रात में करीब 1 बजे तक गालीगलोज करता रहा। रात 1 बजे लखन ने घर से बाहर जाने की बात कही तो, बेटी ने रोका लेकिन वह नहीं माना। लखन के जाने के कुछ देर बाद परिजनों ने उसे आसपास तलाशा लेकिन वह नहीं मिला। सुबह घर पास बने सेप्टिक टेंक के भरे पानी में लखन की लाश मिली है। प्राथमिक जांच-पूछताछ के बाद पुलिस को अंदेशा है कि संभवतः लखन शराब के नशे में टेंक में गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस इस बात का पता भी लगा रही

है कि टेंक का ढक्कन पहले से खुला हुआ या नहीं।

पापा की लाश देखकर बेसुध हुई बेटी-टेंक में पापा की लाश देखकर लखन की बेटी बेसुध हो गई। बताया जाता है कि लखन की 2 बेटियां हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि लखन की किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है। पोस्टमार्टम के बाद लखन की लाश घर पहुंची, जहां सैकड़ों लोगों की भी एकत्र रही है। लोगों का कहना था कि लखन शराब पीता था, लेकिन बहुत मिलनसार और मददगार था।

अनियमित एवं बिना टिकिट यात्रा करते रेल यात्रियों को पकड़ने वाले मंडल के शीर्ष 10 निरीक्षकों का रेल प्रशासन द्वारा सम्मान

जबलपुर,देशबन्धु। ट्रेनों में अनियमित अथवा बिना टिकिट के रेल यात्रा करने वालों पर वज्र बनकर उनकी धरपकड़ करने वाले जबलपुर रेल मंडल के टिकिट चेकिंग स्टाफ का मनोबल बढ़ाने हेतु रेल प्रशासन द्वारा उनका एक सादे समारोह में सम्मान किया गया। टिकिट चेकिंग में इस तरह का उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंडल के शीर्ष 10 टिकिट निरीक्षको एवं पर्यवेक्षण का कार्य सुचारू रूप से पूर्ण करने वाले दो मुख्य टिकिट निरीक्षको को सीनियर डी सी एम श्री राजेश शर्मा द्वारा प्रशस्ति प्रमाण पत्र एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया।

वाणिज्य विभाग द्वारा रेलवे बोर्ड तथा पश्चिम मध्य रेलवे के निर्दशो तथा लक्ष्य का पालन करते हुए पूरे मंडल मे इसे लागू करके उच्च अधिकारियों को समय पर रिपोर्ट करने मे विभाग के कर्मचारियों, निरीक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए श्री शर्मा द्वारा संजीव मुदलियार,अनिल रावत, रोमित सिंह, शैलेश शिवहरे, अविनाश सिंह,रंजीत सिंह भुल्लर, दीपेन्द्र सेठ, हिमांशु कुमार,अनिल गजभिये,आनंद कुमार, आर.के गुप्ता, आर के रैकवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने सहायक वाणिज्य प्रबंधक अखिलेश कुमार नायक, के साथ ही अन्य वाणिज्य निरीक्षक, टिकिट निरीक्षक आदि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री शर्मा ने बताया कि मंडल के सभी चल टिकिट निरीक्षको द्वारा 30 नवंबर को एक दिन में अनियमित एवं बिना टिकिट, अधिक लगेज लेकर रेल यात्रा करने के 3721 प्रकरणों में 29 लाख रूपये का जुर्माना सहित रेल भाड़ा यात्रियों से वसूल करके रेल राजस्व में जमा किया गया. जिसमे से सर्वाधिक आय अर्जित करने वाले 10 निरीक्षको को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि नवम्बर माह में 30 दिनों में 68 हजार प्रकरण बनाये गए है एवं इन प्रकरणों में चार करोड़ 80 लाख रूपये से अधिक का राजस्व रेलवे में चल टिकिट निरीक्षको ने जमा किया है।

एमएलबी के पास भीषण सड़क हादसा मौके पर बाईक सवार की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार का हेलमेट चकनाचूर हो गया।

इस मामले में बस स्टैंड चौकी प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह के वक्त डायल 100 को एमएलबी स्कूल के पास एक्सीडेंट की सूचना मिली। मामले की जानकारी लगते ही

मौके पर बस स्टैंड चौकी पुलिस पहुंची। जहां पर बाइक सवार 58 वर्षीय लखन तिवारी माढ़ोताल स्टार सिटी निवासी की मृत्यु हो चुकी थी।

नौकरी जाते वक्त हुआ हादसा-हादसा इतना भीषण था कि पूरी सड़क खून से लथपथ हो गई। जानकारी के मुताबिक मृतक लखन तिवारी सीएमएस में गार्ड की नौकरी करते थे।

जब वह अपने काम पर जा रहे थे तभी यह हादसा हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए सीसीटीवी कैमरा की मदद से अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मदन महल स्टेशन पर पकड़ा गया 9 लाख रूपए का सोना

जबलपुर,देशबन्धु। जीआरपी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन मदन महल के जबलपुर छोर प्लेटफार्म क्र.-1 में सोना लेकर बैठा है। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर दबिश दी गई। जहां पर एक संदिग्ध व्यक्ति बैठा हुआ मिला। पूछताछ पर अपना नाम 62 वर्षीय कन्छेदी लाल राकेशिया पिता हरिराम राकेशिया निवासी म.नं. 246 ताज कृपा दरबार गाडरवारा जिला नरसिंहपुर का रहना बताया।

जेब से बरामद हुई सोने की बिस्किट- जीआरपी द्वारा जब आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके शर्ट की जेब में कागज में लिपटी एक सोने की बिस्किट बरामद हुई। जिसका कुल वजन 150 ग्राम लगभग 9 लाख रूपयों का होना पाया गया। बरामद की गई सोने के बिस्कुट कि आरोपी के पास ना तो कोई रसीद मिली ना ही कोई अन्य दस्तावेज। जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर सोने की बिस्किट बरामद करते हुए धारा -102 जा. फौ. के अंतर्गत कार्यवाही की।

पमरे ने आठ माह में 266 त्यौहारी स्पेशल ट्रेन की सेवाएं चलाई

35 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित किया

जबलपुर,देशबन्धु। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इस त्यौहारी सीजन में कई पहल की। भारतीय रेल द्वारा भारत में फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेल पर भी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर भी चालू वित्तीय वर्ष अप्रैल से नवम्बर तक यानि आठ माह में फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की 266 सेवाएं चलाई गई। इन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से 03 लाख 88 हजार यात्रियों की टिकटें बुक कर रेलवे को 34 करो? 88 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इन आकड़ों में अकेले नवम्बर माह की बात करे तो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की 40 सेवाएं चलाई और 56 हजार यात्रियों की टिकटें बुक कर रेलवे को 5 करोड़ 14 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु पमरे द्वारा भी प्रबंधन तथा यात्रियों को सुविधा एवं सुरक्षा हेतु कदम उठाए गए। तीनों मण्डलों के प्रमुख स्टेशनों पर डॉग स्क्वायड के साथ रेल सुरक्षा बल की तैनाती की गई। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकिट चैकिंग स्टॉफ, वाणिज्य विभाग के स्टॉफ एवं स्काउट एवं गाइड की भी तैनाती की गई। स्टेशनों पर मे आई हेल्प यु/हेल्प डेस्क/सहयोग बूथ बनाया गया। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउन्टर खोले गये। चिकत्सा सहायता बूथ बनाये गये। प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए गए। स्पेशल ट्रेनों /कोचों के सम्बन्ध में उद्घोषणा की गई ताकि यात्रियों को जनरल कोचों के स्थान और उस प्लेटफॉर्म के बारे में पता चल सका। लम्बी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनों में महिला एवं पुरुष एस्कॉर्ट तैनात किये गये।

एक्टिवा चालक को मारी टक्कर

जबलपुर, देशबन्धु। सड़क हादसे में बाईक सवार घायल हो गया। माढ़ोताल में शाम सुनील दुबे उम्र 32 वर्ष निवासी दीक्षित कालोनी कटंगी रोड माढोताल ने बताया कि अ उसकी मौसी उषा शुक्ला उम्र 68 वर्ष निवासी केवट मोहल्ला अधारताल एवं मामा रमाकांत पाण्डे उम्र 62 वर्ष निवासी संजीवनीनगर अपनी एक्टिवा क्रमांक एमपी 20 जेड डी 5805 से आगासौद हनुमान मंदिर के दर्शन करने गये थे एवं दर्शन करके दोपहर लगभग 3 बजे वापस आ रहे थे जैसे ही आगासौद मोड़ के पास पहुँचे तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड ए 5987 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये आया एवं मामा की एक्टिवा में पीछे से टक्कर मार दिया जिससे मामा एवं एवं मौसी दोनों एक्टिवा सहित गिर गये जिससे दोनों को हाथ पैर में चोटें आयीं हैं लोगों की भीड़ एकत्रित होते देख मोटर सायकल चालक अपनी मोटर सायकल से जबलपुर तरफभाग गया।

गला रेतकर हत्या करने वाले दो भाईयों को आजीवन कारावास

अदालत ने दोनों पर दो-दो हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर,देशबन्धु। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र प्रताप सिंह चुण्डावत की अदालत ने एक युवक की चाकूओं से हमला कर गला रेतकर हत्या करने वाले दो भाईयों को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी अनिकेत उर्फ मट्टू और उसके भाई आनंद उर्फ छोटू सोनकर को आजीवन कारावास व दो-दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अदालत के समक्ष विशेष लोक अभियोजक स्मिता ठाकुर ने पक्ष रखा। जिन्होंने अदालत को बताया कि 1 अगस्त 2021 की रात्रि करीब 9 बजे दमोहनाका चौराहे पर पीपल के पेड़ के समीप रोड पर पुरानी रंजिश का बदला लेने की नियत से आरोपी अनिकेत उर्फ मट्टू व उसके भाई आनंद उर्फ छोटू सोनकर ने विट्टू उर्फ विकास मराठा के साथ मारपीट की थी। इतना ही नहीं आरोपी दोनों भाईयों ने विट्टू पर चाकूओं से हमला करते हुए उसका गला चाकू से काट दिया था, जिससे विट्टू उर्फ विकास की मौत हो गई थी। उक्त मामले में कोतवाली पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने दोनों आरोपी भाईयों को उक्त सजा से दंडित किया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को बीस साल की सजा

आरोपी पर तीन हजार का जुर्माना तो पीड़िता को दो लाख रुपये प्रतिकर राशि देने के आदेश

जबलपुर,देशबन्धु। पाक्सो की अदालत ने एक नाबालिगा से दुष्कर्म करने वाले आरोपी रवि कोल को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश की अदालत ने रवि कोल को बीस साल के सश्रम कारावास व तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। इसके साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के आदेश दिये है।

अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि पीड़िता की मॉ ने 31 जनवरी 2022 को माढ़ोताल थाने में पीड़िता के गुम होने की शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई बहला फुसलाकर भगा ले गया है। जिसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लेते हुए पीड़िता को दस्तयाब किया। अदालत को बताया गया कि पीड़िता ने पुलिस का बताया कि आरोपी रवि कोल उसे बहला फुसलाकर ले गया था। आरोपी ने एक मंदिर में उससे शादी की और उसकी मर्जी के बिना उससे शरीरिक संबंध बनाये। पुलिस ने अपहरण व दुराचार और पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। जिस पर न्यायालय ने आरोपी को बीस साल की सजा व तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में शासन की ओर से एडीपीओं मनीषा दुबे ने पैरवी की।

दो ठगों को तीन-तीन साल की सजा, छह-छह हजार का जुर्माना

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर हड़पे थे लाखों

जबलपुर,देशबन्धु। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेध्णी अम्बुज श्रीवास्तव की अदालत ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी कृष्णकुमार उर्फ किस्सू व गुलाब उर्फ गुड्डू को तीन-तीन साल सश्रम कारावास व छह-छह हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि आरोपी कृष्ण कुमार उर्फ किस्सू व गुलाब उर्फ गुड्डू ने बेरोजगार युवकों को रेलवे में नौकरी लगवाने का झांसा दिया और उनसे करीब साढ़े इक्तालीस लाख पचपन हजार रुपये हड़प लिये। इसके बाद कई दिनों तक जब कोई ज्वाइनिंग लेटर नहीं आया तो पीड़ितों ने मामले की शिकायत पुलिस के अधिकारियों से की।

हड़पे लाखों, कलकत्ता में कराया मेडिकल परीक्षण-आरोपियों ने आवेदक लक्ष्मी नारायण, विनय पटेल, अमित पटेल, गोकुल पटेल, संदीप पटेल, रोहित पटेल, विकास पटेल, प्रशांत शुक्ला व चंद्रशेखर यादव से करीब 41 लाख 55 हजार रुपये नौकरी दिलाने के नाम पर लिये। इसके बाद आरोपी आवेदकों को मेडिकल परीक्षण के लिये गोरखपुर और कलकत्ता ले जाकर आवेदकों का मेडिकल परीक्षण कराया।

जब काल लेटर नहीं आया तो आवेदक गुलाब कुशवाहा के घर पहुंचे, जहां आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर आवेदकों के साथ मारपीट की। उक्त मामले की शिकायत पर अधारताल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। जिसके बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को उक्त सजा सुनाई। मामले में शासन की ओर से एडीपीओं वर्षा मेहता ने पक्ष रखा।

सामुदायिक मध्यस्थता समुदाय विशेष के विवादों के लिये कारगर प्रकिया

जबलपुर,देशबन्धु। सामुदायिक मध्यस्थता समुदाय विशेष के विवादों के निराकरण की एक प्रभावी प्रकिया है। प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रत्नेश चन्द्र सिंह बिसेन ने आनलाइन समीक्षा बैठक में उक्त बात कही। जबलपुर जिले के नेमा, गोंड, जैन, कतिया, पासी, मुस्लिम, ब्राम्हण तथा बंगाली समुदायों के प्रशिक्षित सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों व उनके प्रमुखों द्वारा किए गए कार्य की समीक्षा व कार्य करने में उत्पन्न हो रही समस्याओं पर चर्चा हेतु इस बैठक का आयोजन हुआ।

सालसा के अतिरिक्त सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सदस्य सचिव बिसेन ने सामुदायिक मध्यस्थता कार्यकम के अंतर्गत प्री-लिटिगेशन मामलों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रकरणों के निराकरण में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में आवश्यक कदम उठाने तथा अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सामुदायिक मध्यस्थता स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं को भी इंगित किया जिस पर उनका यथोचित निराकरण किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 की पटरी पर जाते ही फिसल कर गिर जाते हैं दोपहिया

गांधीग्राम,देशबन्धु राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 जबलपुर सिहोरा फोरलेन सड़क मार्ग पर गांधीग्राम से बरनु तिराहा तक लगभग 3 से 4 किलोमीटर तक पटरी पर कीचड़, फिसलन की स्थिति है दो दिन से हो रही पानी बरसने से पटरी वा सड़क पर भी कीचड़ पटा पड़ा है, बड़े वाहन निकलने पर दुपहिया वाहनों का सड़क की पटरी पर आना खतरे से खाली नहीं स्थिति यह है कि सड़क की पटरी पर आते ही दुपहिया बाईक सहित फिसल कर गिर जाते हैं और दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं।

वर्तमान में ओवरलोड वाहनों से गिरे खनिजों की वजह से यातायात में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यहां गांधीग्राम,रामपुर, धमकी, बरनू स्थित माइंसो एवम पहाड़ियों को जे सी बी मशीनों से बेतहाशा खुदाई कर भारी मात्रा में मैग्नीज,आयरन और ब्लू डस्ट इत्यादि का हाईवा एवं डंफरों से परिवहन किया जा रहा है। ओवरलोड भारयुक्त वाहन जब खनिजों को लेकर चलते हैं तो इनसे हाइवे की सड़क पर मेगनीज, ब्लूडस्ट, आयरन ओर आधी सड़क पर गिरती हुई जाती है वर्तमान समय में बरनू,धमधा,रामपुर, धमकी गांधीग्राम सड़क पटरी वा तिराहों,चौराहों पर खनिजों के गिरने से सड़क पर जमी हुई परत वा वर्तमान में

दलदल देखी जा सकती है इस मार्ग से बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारीयों का आवागमन लगा रहता है किंतु इस ओर कोई ध्यान देने वाला नहीं है।सड़क पर खनिजों की परत जमा होने की वजह से दो पहिया वाहन चालक फिसल कर गिर रहे हैं सड़क पर बिछे इन खनिजों की वजह से जबलपुर से सिहोरा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 की मुख्य सड़क के दोनों ओर सड़क व पटरी पूरी तरह ढक चुकी है, सड़क की सफेद पट्टी पूरी तरह ढक गई है जिससे आवागमन व यातायात में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है शासन प्रशासन से ग्राम वासियों का आग्रह है कि इस ओर अविलंब ध्यान दिया जावे, जिससे हाइवे पर होने वाली अनचाही दुर्घटनाओं से निजात मिल सके क्योंकि खनिज भारयुक्त ओवरलोड वाहन सड़क की दुर्दशा के लिए पूर्ण रूप से जवाब देह हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की पुल से गिरकर मौत

मोटरसाइकिल और ट्रक चालक भी गंभीर घायल

दमोह, देशबन्धु। दमोह छतरपुर मार्ग पर बटियागढ़ थाना के गेवलारी की पुलिया पर गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार महिला की पुल से गिरने से मौत हो गई। वहीं बाइक चालक घायल हो गया। ट्रक भी अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरा। जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने महिला के शव को बटियागढ़ स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है और मामला जांच में लिया है।

मृतक महिला का नाम अबधरानी निवासी आलमपुर थाना बटियागढ़ बताया जा रहा है। घायल सेठ सिंह पिता बद्री सिंह निवासी बड़ागांव थाना हटा ने बताया कि वह अपनी मौसी अबधरानी को छोड़ने बटियागढ़ के आलमपुर गांव जा रहा था। गेवलारी की पुलिया पर ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसमे ट्रक पुलिया के नीचे पलट गया और घटना में अबधरानी की मौत हो गई। बाइक चालक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को सामुदायिक स्वास्थ केंद भिजवाकर जांच शुरू कर दी है। ट्रक सीमेंट की राखड़ लेकर रायपुर जा रहा था, रास्ते में यह घटना हो गई। ट्रक चालक ओमप्रकाश भी घायल हुआ है।

सार-समाचार

श्याम सुंदर महाविद्यालय में सिहोरा रक्तदान शिविर का आयोजन

सिहोरा, देशबन्धु। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में 30 नवंबर 2023 को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन 1 रूक्क सिग्नल के कमांडिंग ऑफिसर श्रीअंकुर वशिष्ठ के निर्देशन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. के. श्रीवास्तव के संरक्षण में एवं एन. सी. सी. अधिकारी मेजर डॉ डी.के. बघेल के मार्गदर्शन में, एन. एस. एस. अधिकारी डॉ अजय कोस्टा और यूथ रेडक्रॉस प्रभारी श्री पवन नामदेव के सहयोग से संपन्न हुआ। वरिष्ठ चिकित्सक ने छात्रों से रक्तदान को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक और पुराने रक्त की जगह नए रक्त बनने को और भी ऊर्जादायी बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्र छात्राओं को रक्तदान के प्रति जागरूक और उत्साहपूर्वक रक्तदान में भाग लेने की बात कही। एन.सी.सी.अधिकारी ने पिछले कई दिनों से इस रक्तदान शिविर हेतु छात्र छात्राओं को जागरूक कर अधिक से अधिक संख्या में *रक्तदान महादान* शिविर में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। शिविर, नेता जी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकीय मार्गदर्शन एवं एचडीएफसी बैंक जबलपुर के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भारी संख्या में भाग लेकर रक्तदान किया। महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं और प्राध्यापकों सहित कुल 120 यूनिट रक्तदान हुआ। सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ डॉक्टर शिशिर चमपुरिया, डॉक्टर आशिया ऊर्ज,डॉक्टर राज पचोरिया, सुनील स्टीफन, पंकज संकुसले ,अशोक सेन, रितु सिंह,प्रिया पचौरी, सोनिया यादव, एचडीएफसी बैंक जबलपुर के सर्किल हेड श्री अनूप शर्मा , लीजू जोसेफ, राहुल दुबे ,विवेक विश्वकर्मा का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। इस मेगा रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों और कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

कृषि विस्तार अधिकारी एस-डी गुप्ता ने संभाला पदभार

कुंडम, देशबन्धु। कृषि विकास अधिकारी सुनील पिल्लई के रिटायरमेंट के बाद आज एस डी गुप्ता को प्रभारी बनाया गया है कृषि विकास अधिकारी का पदभार संभालते हुए हुए कार्यालय में विकास कार्य की गति देने के लिए पूर्ण रूप से स्टाफ से जानकारी ली श्री गुप्ता जी ने समस्त स्टाफ से कहा कि हम सब मिलकर क्षेत्र में विकास के लिए एकजुट हो कर के हम काम करेंगे और समस्त कुंडम क्षेत्र वासियों को कृषि से

योजनाओं का लाभ दिलवाएंगे इस पद की हम गरिमा रखते हुए मिलकर काम करने के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे इस अवसर पर कुंडम कृषि विकास कार्यालय के एल पी उईके श्रीमती दुर्गेश नंदिनी गायत्री कोरी रीतारया जी एकता गुप्ता प्रियंका गुप्ता रिटायरमेंट पीएल झरिया रिटायरमेंट बाय एस सोलंकी सहित कृषि विकास विभाग के समस्त अधिकारी बंधु और स्टाफ एवं कुंडम नगर वासियों ने एस डी गुप्ता के प्रभारी बनने पर सभी ने हर्षित होकर बधाई प्रेषित किया।

सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा की आवश्यक बैठक सम्पन्न

सिहोरा, देशबन्धु। सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा की आवश्यक बैठक का आयोजन रीवा पैलेस सिहोरा में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश कुरिया अध्यक्ष सर्वोदय ब्राह्मण समाज ने की कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज में जरूरतमंद विप्र बन्धुओं को सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। नये वर्ष मे नवीन सदस्यता करना,नये वर्ष मे स्नेह सम्मेलन के आयोजन पर चर्चा, रामामण मंडलियों द्वारा रामायण पाठ प्रतियोगिता का आयोजन सहित अनेक सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रोफेसर नागेंद्र कुररिया, राजेश कुररिया,विष्णु दत्त गौतम,शीतल दुबे, उदयराज त्रिपाठी,अजय किशोर तिवारी,के.के.कुररिया, अर्जुन गर्ग,श्रीमती राखी तिवारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ,भावना गौतम, रमेश दत्त मिश्रा,संतोष पाण्डेय, जय प्रकाश तिवारी ,सतीश तिवारी,मीडिया प्रभारी योगेंद्र मिश्रा सहित अन्य विप्र उपस्थित रहे।

नर्मदा व बुढ़नेर नदी में मशीनों से उलीच रहे रेत

डिंडोरी, देशबन्धु। नर्मदा संरक्षण को लेकर हर स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। इसके अस्तित्व को बचाए रखने कुछ वर्ष पूर्व नर्मदा सेवा यात्रा भी निकाली गई थी। समय-समय पर सामाजिक संगठन व मां नर्मदा के प्रति विशेष आस्था रखने वाले इसे संरक्षित करने आवाज बुलंद करते रहते हैं। इन सब प्रयासों के बीच प्रशासन व विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते रेत कारोबारी इन सभी प्रयासों में पानी फेर रहे हैं। जिले से होकर गुजरने वाली नर्मदा के कई घाटो से बेखौफ होकर रेत कारोबारी रेत उत्खनन व परिवहन का कारोबार कर रहे हैं। नर्मदा के साथ ही बुढनेर नदी में बड़ी-बड़ी मशीनें उतारकर रेत निकालने के साथ ही बड़े-बड़े हाइवा से परिवहन किया जा रहा है। जिले की नर्मदा समेत सिवनी, बुढ़नेर, खरमेर नदियों में अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है।

विभाग की गठजोड़, पहले लग जाती है भनक-जिले मे रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। विभागीय अधिकारियों ने इन रेत कारोबारियों को खुली छूट दे रखी है। इन रेत कारोबारियों की विभागीय अमले से ऐसी गठजोड़ है कि कार्यवाही के लिए टीम के निकलने के पहले उन तक खबर पहुंच जाती है। नदियों के संरक्षण की वजाय प्रशासन इनके अस्तित्व को समाप्त करने पर तुले रेत कारोबारियों को संरक्षण दे रहा है। खनिज विभाग रेत के अवैध खनन पर गैर जिम्मेदाराना रवैया अपना रहा है। जल भराव क्षेत्र में मजदूरों के

माध्यम से उत्खनन कराया जा रहा है।

एनजीटी की गाइड लाइन का उल्लंघन-जिले में रेत कारोबारियों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि वह सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी की गाइडलाइन की भी खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। नर्मदा नदी से नियम कायदों को ताक में रखकर रेत खनन कर रहे हैं। नदी के बीचो-बीच सडकों का जाल बिछा दिया गया है और बारहमास बहने वाली इस नदी के तल से भी रेत की खुदाई की जा रही है। नदी से रेत के दोहन से पानी दूषित हो रहा है और जलीय जीवों को भी खतरा बना हुआ है। नदी के प्राकृतिक स्वरूप से भी छेड़-छाड़ की जा रही है। एनजीटी द्वारा नर्मदा सहित अन्य नादियो में रेत खदानों में मशीनों से रेत खनन पर रोक लगाई है। यहां सिर्फ मजदूरों से रेत खनन की अनुमति है। इसके बाद भी मशीनों से भी रेत का उत्खनन धड़ल्ले से हो रहा है।

इन तटों से हो रहा उत्खनन-जिले के गाड़ासरई, शोभापुर, बंजर टोला ,रहेंगी, तेली टोला, रुसा, करंजिया, सिवनी, भीमकुण्डी तथा अनेक जगहों पर दिन दहाड़े नर्मदा नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। इन स्थानों से रेत खनन और परिवहन होता हैं, इसकी जानकारी खनिज विभाग को भी हैं। नर्मदा नदी में चल रहे रेत के अवैध कारोबार को लेकर स्थानीय लोगों ने अनेको बार जवाबदारों से शिकायतें की है, लेकिन नतीजा शिफर ही रहा है। कार्रवाई तो दूर की बात है अधिकारी और जिम्मेदारों ने इन मामलों की जांच करना भी उचित नहीं समझा। डिंडोरी के कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन रोकने जिले भर में 11 नाके बनाए गए हैं। इन नाकों में स्थानीय लोग तैनात रहेंगे। खदानों की टेण्डर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन न हो इसके लिए पूरा ऐहतियात बरता जाएगा। अभी जो वीडियो सामने आए हैं उनकी भी जांच कराई जाएगी, हाल हि के वीडियो हैं तो उस पर कार्यवाही कि जाएगी।

गोसलपुर थाने की डायल-100 चार माह से खराब

गोसलपुर, देशबन्धु। थाना गोसलपुर में लोगों की पुलिस सेवा के लिए तैनात इस हंड्रेड डायल की गाड़ी लगभग सप्ताह भर से बिगड़ी है जिसे मेंटेनेंस हेतु भेजा गया है किंतु इसका और कोई विकल्प न होने से लोग हंड्रेड डायल की सुविधा से वंचित देखे जा रहे हैं जिसके चलते अति आवश्यक स्थिति में पुलिस को सूचना देने में बड़े परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया जाता है आवश्यक स्थिति में दूर दराज गांव घटित कोई भी घटना के लिए लोग हंड्रेड डायल का सूचित कर पुलिस सहायता तुरंत प्राप्त कर लेते थे किंतु इस के खराब हो जाने से लोगों को इस सुविधा का लाभ नहीं प्राप्त हो रहा है गोसलपुर क्षेत्र में आए दिन अपराधिक घटनाएं पैर पसार रही है हाल ही में बीते दिनों हम लोग मैरिज गार्डन से लगभग 15 लाख रुपए की चोरी हो गई जिसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका।

तीन लाख की गांजा खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

रीवा देशबन्धु। शहर की चोरहटा थाना पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर अगडाल के समीप घेराबंदी कर एक सफारी गाडी को पकडा जिसमें भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है।

एक आरोपी भी गिरफ्तार हुआ है। नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चोरहटा निरीक्षक श्रृंगेश राजपूत एवं स्टाफ तथा सायबर टीम द्वारा विश्वसनीय मुखबिर की सूचना अनुसार रिलायन्स पेट्रोल पंप के पास ग्राम अगडाल हाईवे रोड में परिवहन कर रही सफेद रंग की लग्जरी कार सफारी क्र.एमपी 17 सीसी 1337 को चेक करने पर बड़ी मात्रा अवैध मादक पदार्थ गाँजा की खेप कुल 27 किलोग्राम कीमती करीबन 3 लाख रूपये की तस्करी करने वाले आरोपी वाहन स्वामी/चालक चन्द्रधर व्दिवेदी पिता बहोरलाल व्दिवेदी उम्र 28 वर्ष निवासी

बहुरी बाँध थाना चोरहटा रीवा से बरामद कर आरोपी वाहन स्वामी/चालक को गिरफ्तार किया गया है । आरोपी से पूछताछ कर अवैध मादक पदार्थ गाँजा की तस्करी से संबंधित अन्य जुड़े हुए व्यक्तियो के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है ।

बताया जा रहा है कि यह गांजा छग से लाकर वह अपने गांव ले जा रहा था। इस कार्यवाही में निरी.श्रृंगेश सिहं राजपूत , सउनि मनोज बागरी ,प्र.आर. रवि प्रताप सिंह ,आर. राहुल बरसेना संदीप व्दिवेदी, आर. चन्द्रकान्त अरखेल ,आर. अशोक वर्मा ,आर. दीपक जाटव थाना चोरहटा एवं निरी. विकास कपीस थाना गुढ़ व सायबर टीम- उप निरी. गौरव मिश्रा , उप निरी. सोनल झा ,उप निरी. निशा खूता , आर शैलेन्द्र दीपांकर ,आर. मंयक तिवारी शामिल रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 को

गाडरवारा, देशबन्धु। आगामी 9 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नगर पालिका संबंधी सम्पत्ति कर एवं जलकर की बकाया राशि में सरचार्ज में छूट रहेगी। लोक अदालत का आयोजन सिविल कोर्ट गाडरवारा एवं नगर पालिका परिषद गाडरवारा में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। जहां पहुंचकर बकायादार अपनी बकाया राशि जमा कर सरचार्ज में छूट का लाभ ले सकते हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान ने समस्त सम्पत्ति एवं जलकर उपभोक्ताओं से 9 दिसम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अपनी बकाया राषि जमा कर अधिभार में छूट का लाभ लेने की अपील की है। नपा से प्राप्त जानकारी के अनुसार सम्पत्तिकर जिनमें कर तथा अधिभार की राषि 50 हजार है अधिभार में 100 प्रतिशत छूट। सम्पत्तिकर जिनमे कर तथा अधिभार की राषि 50 हजार या उससे अधिक तथा 1 लाख तक है तो अधिभार में 50 प्रतिषत की छूट। सम्पत्ति कर जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 1 लाख रूपये है उन उपभोक्ताओं को 25 प्रतिशत की छूट रहे।

इसी तरह से जलकर की राशि में जलकर उपभोक्ता प्रभार में बकाया राशि 10 हजार तक 100 प्रतिशत अधिभार में छूट रहेगी तथा बकाया राशि 10 हजार से 50 हजार तक अधिभार में 75 प्रतिशत अधिभार में छूट एवं 50 हजार से अधिक बकाया राशि पर 50 प्रतिशत की छूट अधिभार में रहेगी।

बालाघाट से चोरी हुआ ट्रक मिला कटंगी में

शातिर चोर ट्रक छोड़ चुरा ले गए टायर, डीजल और बैटरी

कंटगी, देशबंधु। बालाघाट से चोरी हुआ ट्रक कटंगी में मिला है। चोरी हुए इस ट्रक का चोरों द्वारा टायर, डीजल व बैटरी चौरी की ट्रक को वहीं छोड़ दिया गया। जिले के कटंगी थाना क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटनाएं सामने आती रहती है परंतु ट्रक चोरी का यहां मामला कोई नया नहीं है इसके पहले भी बालाघाट से ट्रक चोरी हुए हैं ।

उल्लेखनीय है कि कटंगी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोसमी रोड पर जो सड़क रात में सुनसान हो जाती है कोसमी मार्ग में ग्रामीणों द्वारा एमपी 50 एच 2329 नंबर का ट्रक क्षतिग्रस्त हालत में देखा गया जिसकी सूचना कटंगी पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि ट्रक जमीन पर पड़ा हुआ है और ट्रक के पूरे टायर, बैटरी और डीजल गायब है। वहीं पुलिस ने ट्रक की हालत

देखकर अंदाजा लगाया कि यह चोरी का मामला है और गाड़ी मालिक को सूचना दी गई जो ट्रक बालाघाट निवासी बबलू सेवईवार के नाम से था। वही ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि करीब 12 बजे तक यहां पर कोई ट्रक नहीं था देर रात ही यहां पर ट्रक आया है और चोरों द्वारा पिकअप वाहन की मदद से ट्रक के टायर खोलकर ले जाया गया होगा।

नवेगांव बालाघाट से ट्रक चोरी

बालाघाट ट्रांसपोर्ट संगठन के अविनाश ठाकुर ने प्रेस को जानकारी देते ही बताया कि यह ट्रक मेरे भतीजे हर्ष साव सेवईवार का है जो की बालाघाट सब्जी मंडी में सब्जी का व्यापार करता है। बुधवार 29 नवंबर की शाम ट्रक के ड्राइवर द्वारा प्रतिदिन की तरह नवेगांव में ट्रक खड़ा करके चला गया था और गुरूवार 30 नवंबर को भी ट्रक वहीं पर था परंतु शुक्रवार 1 दिसंबर की सुबह ट्रक गायब हो चुका था। ट्रक के चोरी होने की सूचना नवेगांव थाना प्रभारी को दी गई जिन्होनें कहा कि कुछ देर पता लगा लेते हैं उसके बाद रिपोर्ट दर्ज करेंगे। वहीं कुछ समय बाद कटंगी से यह जानकारी आई की ट्रक कटंगी थाना अंतर्गत कोसमी में खड़ा है जिनको हमारे द्वारा जाकर देखा गया। शातिर चोरों ट्रक के टायर, डीजल व बैटरी चुरा ले गए हैं और ट्रक जगह पर खड़ा हुआ है। इस चोरी की घटना में करीब 3 लाख का सामान चोर ले गये है।

घटना के संबंध में कटंगी थाना प्रभारी का कहना है कि ट्रक नवेगांव से चोरी हुआ है जिसकी सूचना नवेगांव थाना प्रभारी को ट्रक मालिक द्वारा दी गई है। हमारे द्वारा नवेगांव पुलिस को ट्रक कटंगी में पाए जाने की सूचना दे दी गई है और आगे की कार्रवाई नवेगांव पुलिस द्वारा की जाएगी। वहीं पुलिस के सामने अब यह प्रश्न चिन्ह है कि नवेगांव से कटंगी तक ट्रक चुरा के लाने वाला चोर और ट्रक के पूरे टायर निकल के ले जाने वाले चोर क्या बालाघाट के हैं या कटंगी क्षेत्र के। ट्रक सुनसान रोड कोसमी कैसे पहुंचा क्या किसी चोर को उस रोड की जानकारी थी वहीं ट्रक मालिक का कहना है कि हमारा ट्रक मिल चुका है लाखों रुपए का नुकसान भी हुआ है जिसकी सूचना हमने पुलिस को दे दी गई है अब आगे की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएंगी।

कजाकिस्तान के अल्माटी में छात्रावास में आग लगने से 13 लोगों की मौत

अस्ताना, (एजेंसियां)। कजाकिस्तान के अल्माटी में गुरुवार को एक छात्रावास में आग लगने से 13 लोगों की मौत हो गई। आपातकालीन विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि आग तीन मंजिला आवासीय इमारत के बेसमेंट में लगी थी। इस इमारत की पहली मंजिल और बेसमेंट में छात्रावास चलाया जा रहा था। आग लगने की सूचना मिलने के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं और देखा कि आग पहले ही इमारत के बेसमेंट को अपनी चपेट में ले चुकी है। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौतें कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता के कारण हुईं। अल्माटी सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने बाद में बताया कि दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के समय छात्रावास में 72 लोग थे, जिनमें से 59 बाहर निकलने में कामयाब रहे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने किया स्पष्ट

अमेरिका के आरोपों पर जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई करेगा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के कथित प्रयास को लेकर अमेरिका के बयानों को लेकर आज फिर कहा कि उच्च स्तरीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के बारे में विशेष ब्रीफिंग में अमेरिका एवं पन्नू को लेकर पूछे गये सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर चर्चा के दौरान, अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूकधारियों,

आतंकवादियों और अन्य चरमपंथियों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे इनपुट को बहुत गंभीरता से लेते हैं और मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है। जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक समुचित कार्रवाई की जाएगी। श्री बागची ने कहा कि जहां तक अमेरिकी अदालत में ??एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जिसमें कथित तौर पर उसे एक भारतीय अधिकारी से जोड़ा गया है, यह चिंता का विषय है। हमने कहा है कि यह सरकारी नीति के भी विपरीत है। संगठित अपराध, तस्करी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चरमपंथियों के बीच हथियारों की खरीद फरोख्त कानून प्रवर्तन एजेंसियों और संस्थाओं को विचार करने के लिए एक गंभीर मुद्दा है। यही कारण है कि एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है और हम इसके परिणामों के आधार पर कदम उठाएंगे।

सीओपी-28 में भाग लेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन (सीओपी-28) में भाग लेने के लिए आज रात संयुक्त अरब अमीरात के सबसे बड़े शहर दुबई जा रहे हैं जहां वह कई विश्व नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने यहां संवाददाताओं को बताया कि श्री मोदी आज रात यूएई के लिए रवाना होंगे जहां कल वह सीओपी-28 में भाग लेंगे। इससे पहले वह जुलाई में यूएई गये थे। श्री क्वात्रा ने कहा, श्री मोदी कल शाम को भारत लौटने से पहले कल, एक दिसंबर को शिखर सम्मेलन के कार्यक्रमों में भाग लेंगे... सीओपी-28 में प्रधानमंत्री की भागीदारी के संदर्भ में, वह विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपना संबोधन देंगे। विदेश सचिव ने कहा कि सीओपी-28 में अपने संबोधन के अलावा, प्रधानमंत्री तीन उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे, जिनमें से दो की सह-मेजबानी भारत द्वारा की जा रही है।

जापान ने अमेरिका से उड़ान सुरक्षा की पुष्टि करने का किया आग्रह

टोक्यो, (एजेंसियां)। पश्चिमी जापान का सैन्य विमान ऑस्प्रे समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जापान ने अमेरिका से अनुरोध किया है कि ऑस्प्रे उड़ानों को संचालित करने से पहले इन उड़ानों की सुरक्षित होने की पुष्टि करें। जापानी रक्षा मंत्री ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मिनोरू किहारा ने संसद में कहा, इस तरह की दुर्घटना की घटना से क्षेत्र के लोगों में बहुत चिंता पैदा होती है। और हम अमेरिकी पक्ष से अनुरोध कर रहे हैं कि इन उड़ानों के सुरक्षित होने की पुष्टि होने के बाद जापान में तैनात

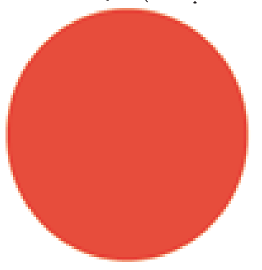

ऑस्प्रे की उड़ानें संचालित की जाएं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तारो यामातो ने संसदीय सुनवाई में बताया कि फिलहाल, जापान की ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स अपनी ऑस्प्रे उड़ानें निलंबित कर देगी। जापान स्थित अमेरिकी ऑस्प्रे सैन्य परिवहन विमान बुधवार को देश के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप याकुशिमा के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जापान तट रक्षक के अनुसार, इस दुर्घटना में एक बेहोश व्यक्ति समुद्र में पाया गया और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। तटरक्षक प्रवक्ता काज़ुओ ओगावा ने कहा कि दुर्घटना का कारण और उसमें सवार सात अन्य लोगों की स्थिति का तुरंत पता नहीं चल पाया है। जापान के तट रक्षक और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। अमेरिकी वायु सेना ने कहा कि सीवी-22 टिल्ट-रोटर परिवहन विमान नियमित प्रशिक्षण के दौरान 'दुर्घटना' का शिकार हो गया, इसमें आठ वायुसैनिक सवार थे। जापान तट रक्षक ने शुरू में कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त ऑस्प्रे में आठ चालक दल सवार थे।

आज का इतिहास

1804 – नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई।
1848 – फ्रांस जोसेफ प्रथम ऑस्ट्रिया के सम्राट बने।
1911 – जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी भारत आने वाले ब्रिटेन के पहले राजा,रानी बनें। उनके बंबई (अब मुम्बई) आगमन की याद में ही गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया।
1942 – पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) में श्री अरविंदो आश्रम स्कूल की स्थापना हुई जिसे बाद में श्री अरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन के नाम से जाना गया।
1960 – भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का जन्म।
1965 – सीमा सुरक्षा बल की स्थापना हुई
1971 – संयुक्त अरब अमीरात ने ब्रिटेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
1976 – फिदेल कास्त्रो क्यूबा के राष्ट्रपति बने।
1989 – विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के सातवें प्रधानमंत्री बने।
1995 – बेरिंग्स बैंक कांड के चर्चित व्यक्ति निक लीसन को सिंगापुर के न्यायालय द्वारा साढ़े छह वर्ष की क़ैद की सज़ा।

सुडोकू 6393

7	9			5			2	
		2	7					4
	8							
				7	8	4		9
	6						7	
1		4	3	2				
							6	
6					7	3		
	3			4			9	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

चीन के बाद दूसरे देशों में भी फैली निमोनिया महामारी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड बच्चों में निमोनिया के प्रकोप की रिपोर्ट करने वाले नए देशों में शामिल हो गए हैं। एक संक्रामक रोग समाचार ब्लॉग, एवियन फ़्लू डायरी पर एक पोस्ट से पता चला है कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण महामारी स्तर तक पहुंच गया है। इसमें वृद्धि गर्मियों में शुरू हुई लेकिन पिछले पांच सप्ताह में काफी बढ़ गई है। डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट के अनुसार, यह संख्या अब इतनी अधिक है कि यह एक महामारी है। स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ शोधकर्ता हेने-डोर्थे एम्बॉर्ग ने कहा, पिछले पांच सप्ताह में नए मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, और अब हम सामान्य से काफी अधिक मामले देख रहे हैं, और पूरे देश में व्यापक संक्रमण है। सप्ताह 47 में, माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण के 541 नए मामले सामने आए, जो कि सप्ताह 42 से तीन गुना से अधिक है, जब पाए गए मामलों की संख्या 168 थी। मामलों की वास्तविक संख्या संभवत: बहुत अधिक है, क्योंकि हल्के लक्षणों वाले हर व्यक्ति का परीक्षण नहीं किया जाता है। हालाँकि, एम्बॉर्ग ने कहा कि ये मामले डेनमार्क के लिए असामान्य नहीं हैं, जो ऐतिहासिक रूप से लगभग हर चार साल में माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण की राष्ट्रव्यापी महामारी का सामना करता है। उन्होंने कहा कि यह घटना आम तौर पर शरद ऋतु और शुरुआती सर्दियों में सबसे अधिक होती है। एम्बॉर्ग ने कहा, पिछले चार वर्षों से, माइकोप्लाज्मा संक्रमणों की संख्या बेहद कम रही है, और इसलिए यह असामान्य नहीं है कि हमारे समक्ष अब एक महामारी है। कोविड-19 महामारी के बाद देश में लॉकडाउन लगाने के बाद हम वास्तव में इसका इंतजार कर रहे थे।

पुतिन ने किसिंजर के निधन पर जताया शोक

मॉस्को, (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। समकालीन राजनीतिक विमर्श और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए जाने जाने वाले श्री किसिंजर का बुधवार को अमेरिका के कनेक्टिकट प्रांत में स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे। श्री पुतिन ने क्रेमलिन की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा, प्रिय श्रीमती किसिंजर, कृपया अपने पति हेनरी किसिंजर निधन पर मेरी गहरी संवेदना स्वीकार करें।एक उत्कृष्ट राजनयिक, एक बुद्धिमान और दूरदर्शी राजनेता, जिन्होंने कई दशकों तक दुनिया भर में अच्छी तरह से योग्य अधिकार का आनंद लिया।श्री किसिंजर का नाम एक व्यावहारिक लाइन से जुड़ा है, जिसने अमेरिका के साथ शांति स्थापित करना और महत्वपूर्ण समझौतों तक पहुंचना संभव बना दिया है।

वतन लौटे हमास के बंधन से मुक्त हुए थाईलैंड के 17 नागरिक

हमास ने अब तक 70 इजरायली महिलाओं व बच्चों को रिहा किया है

बैंकॉक, (एजेंसियां)। थाईलैंड के 17 नागरिक लगभग 50 दिनों तक हमास की कैद में रहने के बाद वतन लौट आए हैं। इन लोगों की रिहाई उस समझौते से अलग हुई है, जिसके तहत हमास ने अब तक 70 इजरायली महिलाओं और बच्चों को रिहा किया है। इन लोगों की रिहाई और संघर्ष विराम के विस्तार से अब हमास के कैद से थाईलैंड के शेष नौ निवासियों की रिहाई की उम्मीद जगी है। हमास ने सात अक्टूबर का इजरायल में हमला करके 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें 39 थाईलैंड के नागरिक थे। पिछले दो दिनों के दौरान हमास ने थाईलैंड के छह नागरिकों को रिहा की है, जो चिकित्सीय जांच के लिए अभी

इजरायल में हैं, लेकिन जिन अन्य लोगों को मुक्त कराया गया वे साथ थाईलैंड के विदेश मंत्री पारनप्री बहिधा-नुकारा के साथ वतन लौट आए। वे गुरुवार शाम को बैंकॉक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां उनके परिवार के सदस्य उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

इजरायल ने की संघर्ष विराम बढ़ाने की पुष्टि

यरूशलम। इजरायल के सुरक्षा बलों ने गाजा पट्टी में हमास के साथ संघर्ष विराम अवधि को बढ़ाये जाने की गुरुवार सुबह पुष्टि की। मौजूदा संघर्ष विराम समझौते की समाप्ति से काफी पहले आईडीएफ द्वारा जारी एक संक्षिप्त बयान में कहा गया, बंधकों को रिहा करने की प्रक्रिया जारी रखने के मध्यस्थों के प्रयासों और रूपरेखा की शर्तों के अधीन परिचालन विराम जारी रहेगा। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि संघर्ष विराम कितने दिनों तक चलेगा। दूसरी ओर हमास की ओर से जारी बयान में कहा गया कि संघर्ष विराम आज सुबह समाप्त होना था, लेकिन इसे एक दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है।

वर्ग पहेली 6393

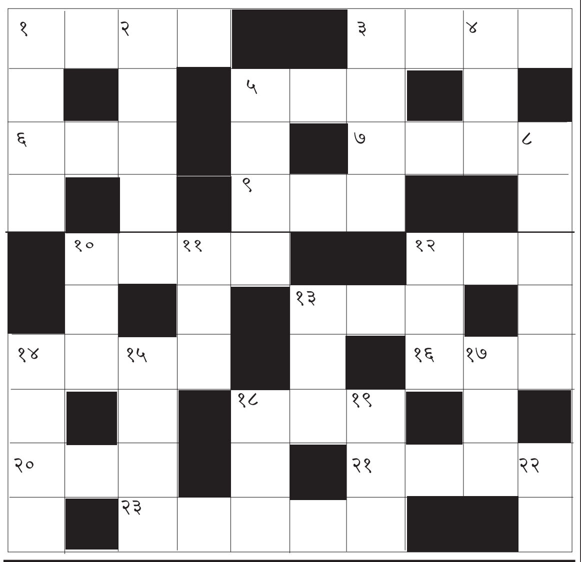

बायें से दायें:-

१. बहुत दूर तक देख सकने वाली तेज नज़र (उपमा)
३. ऊपर लिखा या बताया गया
५. व्यापारी
६. दुविधा,असमंजस
७. वाल्मीकि का मूल नाम
९. घटना-वाकया
१०. सागर-मंथन से निकला एक वृक्ष
१२. मां, जन्मदायिनी
१३. ठगना, छल करना
१४. मोर की पूंछ, समूह
१६. प्राय: अधिकांश
१८. जो कभी बटा न हो
२०. सुग्रीव का राज्य
२१. जलयात्रा पर चलने वाली नौका
२३. नगरवासी

ऊपर से नीचे:-

१. श्रीकृष्ण
२. पक्का इरादा
३. पारिश्रमिक (उर्दू)
४. रोकने वाला
५. बरगद का पेड़
८. एक सुगंधित फूल, उसका पौधा
१०. कड़वे स्वाद का
११. बिच्छू
१२. महोदय, श्रीमान (उर्दू)
१३. के कुल में उत्पन्न
१४. दागदार
१५. वेशभूषा, लिबास
१७. सूरत, शक्ल का ब्यौरा
१८. असीमित, बेहद
१९. धोना, रंगना
२२. सरिता, तटिनी

ट्रम्प चौथी रिपब्लिकन प्राथमिक बहस में भी नहीं होंगे शामिल

■ **पीएसी उनकी 2024 की उम्मीदवारी का कर रही है समर्थन**

वाशिंगटन, 30 नवम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह अलबामा में होने वाली चौथी रिपब्लिकन प्राथमिक बहस में भाग नहीं लेंगे और इसके बजाय एमएजीए इंक के लिए धन जुटाने के लिए फ्लोरिडा के हॉलैंडेल बीच में एक धन संचयन कार्यक्रम में भाग लेंगे। सुपर पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (पीएसी) व्हाइट हाउस के लिए उनकी 2024 की उम्मीदवारी का समर्थन कर रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, चुनावों में अच्छी बढ़त का हवाला देते हुए ट्रम्प ने रिपब्लिकन की तीन बहसों में से किसी में भी भाग नहीं लिया। इसके बजाय, पूर्व राष्ट्रपति ने यूनियन की हड़ताल के बीच डेट्रॉइट में ऑटोकर्मियों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया और फ्लोरिडा में एक प्रतिस्पर्धी रैली आयोजित की। इस सप्ताह की शुरुआत में समर्थकों को एक टेक्स्ट संदेश में, ट्रम्प के अभियान ने वीआईपी रिसेप्शन की घोषणा की और प्राप्तकर्ताओं से कहा कि यदि वे दान करते हैं, तो उन्हें 6 दिसंबर को तीसरी बहस के दिन एक रिसेप्शन में पूर्व राष्ट्रपति से मिलने के लिए स्वचालित रूप से प्रवेश दिया जाएगा।

इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प के अभियान ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) से भविष्य की सभी बहसों को रद्द करने का आह्वान किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, भले ही पूर्व राष्ट्रपति चार अभियोगों में 91 आपराधिक मामलों से जूझ रहे हैं, फिर भी वह राष्ट्रीय और प्रारंभिक राज्य मतदान दोनों में रिपब्लिकन प्राइमरी में सबसे आगे हैं।

लालू यादव के बयान पर प्रशांत किशोर का तंज, एक एमपी नहीं और तय कर रहे देश का पीएम

पटना, (एजेंसियां)। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बुधवार को जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खेल खत्म होने की बात कही थे, वहीं इस बयान पर चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कटाक्ष किया है। जन सुराज अभियान के सूत्रधार किशोर ने कहा कि जिनके पास एक भी सांसद नहीं, वे देश का पीएम तय कर रहा है। दरअसल, राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बुधवार को पांच राज्यों में हुए चुनाव को लेकर कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी का खेल खत्म है।

भारत भूमि, आकाश, समुद्र, अंतरिक्ष के क्षेत्र में राष्ट्रों की अग्रणी पंक्ति में: धनखड़

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत भूमि, आकाश, समुद्र और अंतरिक्ष के क्षेत्र में 'राष्ट्रों की अग्रणी पंक्ति' में है और यह उपलब्धि पिछले साल आईएनएस-विक्रांत के प्रक्षेपण और कई स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास से सिद्ध हुई है। श्री धनखड़ ने बृहस्पतिवार को यहां में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 49 वें एडवांस्ड प्रोफेशनल प्रोग्राम इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एपीपीपीए) के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था है और 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए 'निर्णय लेने' के महत्व का उल्लेख करते हुए उच्चतम स्तर के प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति अपनी अटूट भावना का उदाहरण पेश करने के लिए रक्षा कर्मियों की सराहना की। श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय मानव प्रतिभा दुनिया में बेजोड़ है। उन्होंने कहा कि आबादी के सभी वर्गों की

प्रौद्योगिकी अपनाने की इच्छा के परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति इंटरनेट डेटा खपत आश्चर्यजनक रूप से अमेरिका और चीन की तुलना में अधिक हो गई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य एक 'बड़े बदलाव' को दर्शाता है। अब सत्ता के गलियारे सत्ता के दलालों, संपर्क एजेंटों और बिचौलियों से पूरी तरह मुक्त हो गए हैं।

वर्ग पहेली-6392

मंजूरी

सरकार ने रक्षा क्षेत्र में सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया

करीब सवा दो लाख करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी

नई दिल्ली, 30 नवम्बर (एजेंसियां)। सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 2.23 लाख करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है। इनमें वायु सेना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड से हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर के अलावा नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इस आशय से संबंधित खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन प्रस्तावों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी है और इनमें से 2.20 लाख करोड़ रूपए की खरीद घरेलू उद्योगों से की जायेगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता करने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। इनमें हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर, युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के

प्रस्ताव शामिल हैं। इन प्रस्तावों में सेना के लिए टाइप-2 और टाइप-3 की टैंक रोधी तोप की खरीद का प्रस्ताव शामिल है । ये तोप बख्तरबंद वाहनों और टैंकों को ध्वस्त करने में सक्षम होगी।

रक्षा परिषद ने हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल)

उपक्रम हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड से हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर के अलावा नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल

से वायु सेना और सेना के लिए हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर और वायु सेना के लिए हल्के लड़ाकू विमान एम के 1ए की जरूर के आधार पर खरीद की भी मंजूरी दी है। इसके अलावा एचएएल सुखोई -30 एम के आई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने का कार्य भी करेगा।

परिषद ने नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों की खरीद के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। सेना के लिए टी 90 टैंकों के लिए ऑटोमेटिक टारगेट ट्रेकर और डिजिटल बसाल्टिक कंप्यूटर की खरीद को भी जरूरत के आधार पर मंजूरी दी गयी है। इससे टी 90 टैंकों की मारक क्षमता बढाने में मदद मिलेगी।

यूसुफ क़ुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत

वेस्टइंडीज के शेन डाउरिच ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज टीम के विकेटकीपर शेन डाउरिच ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। शेन डाउरिच को तीन दिसंबर से शुरू होने वाले इंग्लैंड एकदिवसीय मैचों के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया और क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने डाउरिच की जगह किसी अन्य नाम पर फैसला नहीं किया है, कप्तान शाई होप विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। आईसीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले डाउरिच ने 2019 में बंगलादेश के खिलाफ एक एकदिवसीय मुकाबला खेला। वह नियमित रूप से टेस्ट टीम में रहे हैं।

आईपीएल की अभूतपूर्व वृद्धि संभावित रूप से मीडिया अधिकारों का मूल्य 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा सकती है : अरुण धूमल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन अरुण धूमल ने संकेत दिया है कि पिछले 15 वर्षों में लीग की सफलता संभावित रूप से अगले दो दशकों में इसके मीडिया अधिकारों का मूल्य 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा देगी।

आईपीएल के मीडिया अधिकार 6,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 48000 करोड़ रुपये हो गए हैं और यह टूर्नामेंट दुनिया की सभी खेल लीगों में नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद दूसरे स्थान पर है। धूमल का मानना है कि लीग की व्यापक लोकप्रियता और सफलता अगले 10 वर्षों में इसके विकास में उत्प्रेरक का काम करेगी।

धूमल ने आरसीबी इनोवेशन लैब के लीडर्स मीट इंडिया शिखर सम्मेलन के दौरान कहा, अगर मुझे यह देखना है कि पिछले 15 वर्षों में यह कैसे हुआ है और अगर मुझे आगे के अनुमानों के अनुसार जाना है, तो हम 2043 के आसपास मीडिया अधिकारों के 50 बिलियन अमरीकी डालर के करीब पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, हमें इसे बनाए रखना होगा, नवप्रवर्तन करते रहें, प्रशंसक जुड़ाव के मामले में बेहतर करते रहें और खेलों की गुणवत्ता के मामले में इसे बेहतर बनाते रहें। शिखर सम्मेलन गुरुवार को संपन्न हुआ।

धूमल ने कहा, अब जब क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) इसे महिला क्रिकेट के लिए एक अलग स्तर पर ले जा रही है, तो मुझे सुरंग के अंत में बहुत आशा और रोशनी दिखाई देती है। जिस तरह से यह पिछले 15 वर्षों से हो रहा है, यह और बेहतर होता जा रहा है। भारत को पूरी दुनिया से अलग प्रतिष्ठा दिलाने में आईपीएल की भूमिका का विश्लेषण करते हुए धूमल ने बताया, आईपीएल दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है। दुनिया भर में हमारे प्रशंसक हैं और जब वे देखने आते हैं, तो उन्हें भारत की विविधता और संस्कृति देखने को मिलती है।

वे उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक मैच देखेंगे क्योंकि टीमें पूरे देश में फैली हुई हैं। हम अलग-अलग राज्यों, अलग-अलग संस्कृतियों और बोली जाने वाली अलग-अलग भाषाओं के मामले में एक बहुत ही विविध देश हैं, लेकिन यह एक ऐसा मंच है जिसकी जड़ें इतनी अच्छी हैं कि आप भारत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने में सक्षम हैं।

आईपीएल और इसकी फ्रेंचाइजी के प्रशंसक अंतर्दृष्टि और जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, अरुण धूमल ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के व्यापक प्रशंसक आधार की सराहना करते हुए कहा, हम सभी फ्रेंचाइजी के साथ एक टीम के रूप में काम करते हैं, हम सभी भागीदार हैं। हमने हाल ही में आयोजित विश्व कप में देखा है, कि वे (प्रशंसक) टीम इंडिया के लिए थे, लेकिन साथ ही, वे आरसीबी के लिए भी समर्थन कर रहे थे, जो एक अच्छी बात है और हमें इस पर बहुत गर्व है। निजी तौर पर, मुझे लगता है कि आईपीएल सबसे अच्छा मंच इन इंडिया ब्रांड है जिसके बारे में हम आज़ादी के बाद सोच सकते हैं।

ट्रैविस हेड खेल के तीनों प्रारूपों में उभरती महान प्रतिभाओं में से एक हैं : पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल के सभी प्रारूपों में महान उभरती प्रतिभाओं में से एक बताया है और कहा है कि वह यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि अगले 12 महीनों में उसके लिए क्या होगा। जून में द ओवल में भारत के खिलाफ पहली पारी में 163 रन बनाने के बाद हेड इस साल के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थे। इस साल के एकदिवसीय विश्व कप में, हेड ने सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान जीता, जिससे जिससे हेड ने भारत के खिलाफ खिताबी मुकाबले में शानदार 137 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रॉफी जीती।

बाबर आजम के खिलाफ मोर्चा संभालने के लिए तैयार हैं नाथन लियोन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने पाकिस्तान के बल्लेबाजी सुपरस्टार बाबर आजम की जमकर तारीफ की है और उनके खिलाफ मोर्चा संभालने के लिए तैयार हैं। बाबर 2019-2020 में अपनी सबसे हालिया ऑस्ट्रेलिया यात्रा के कुछ उज्ज्वल पक्षों में से एक है, जहां उन्होंने 97 और 101 रन बनाए। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 टेस्ट मैचों में 44.38 का औसत बनाया और पिछले साल कराची में मैच बचाने के लिए शानदार 196 रन बनाए। लाहौर में निर्णायक मैच के निर्णायक चरण में लियोन ने उन्हें आउट कर दिया।

लियोन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, सबसे पहले, बाबर के खिलाफ खेलना खुशी की बात है लेकिन वह एक बड़ी चुनौती भी है। मेरी नजर में वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है, खासकर स्पिन के खिलाफ। वह एक क्लास खिलाड़ी है। लेकिन मुझे लगता है कि वह सभी प्रकार की गेंदबाजी के खिलाफ एक क्लास खिलाड़ी है। उनके पास टीम में कुछ सुपरस्टार हैं, और अगर मैं सुपरस्टार की बात कर रहा हूं तो वह मेरी नजर में पाकिस्तान टीम में नंबर 1 हैं। उन्होंने पिछली बार यहां काफी अच्छा खेला था इसलिए यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

हालांकि, लियोन ने 2016 के बाद से बाबर को पांच बार आउट किया है, और ऑप्टस स्टेडियम, पर्थ शुरुआती मैच का स्थल होने के कारण, वह 496 विकेटों के साथ अपनी गर्मियों की शुरुआत करेगा और तीन मैचों में 22 विकेटों के अपने रिकॉर्ड को देखते हुए, इसकी पूरी संभावना है वह मैच के दौरान 500 विकेटों तक पहुंचने वाले आठवें और ऑस्ट्रेलिया के तीसरे गेंदबाज बन सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर मैं ईमानदारी से कहूं तो टेस्ट मैच खेलने की भूख का स्तर शायद पहले से कहीं अधिक है। मैं इसे लेकर काफी उत्साहित हूं। पर्थ में ऑप्टस स्टेडियम में खेलना पसंद है। यह पाकिस्तान के खिलाफ एक चुनौती होगी, इसलिए यह एक रोमांचक लड़ाई होगी।

इस साल की शुरुआत में एशेज खत्म होने वाली पिंडली की चोट के बाद वापसी करते हुए लियोन ने अपने टेस्ट करियर की पहली बड़ी चोट से लंबे पुनर्वास के बाद पिछले महीने में तीन शेफील्ड शील्ड मैच खेले हैं।

लियोन ने न्यू साउथ वेल्स के लिए अपने तीन शील्ड मैचों में चार विकेट लिए और एससीजी में पिछले मैच में उन पर बहुत अधिक काम का बोझ नहीं था, जहां तेज गेंदबाजों का दबदबा था। लेकिन वह नेट्स में काफी स्पैल डाल रहा है, जिसमें मेंटर जॉन डेविसन के साथ तीन घंटे का कार्यकाल भी शामिल है, और वह अपने बिल्ड-अप के साथ बहुत सहज है।

उन्होंने कहा, मेरा पुनर्वास असाधारण रहा है। मेरे पास बहुत सारे अच्छे लोग हैं जो मेरी मदद कर रहे हैं, यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मैं हर बॉक्स पर टिक कर रहा हूं और यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि मैं वह सब कुछ कर रहा हूं जो जरूरी है। अगर मैं क्रिकेट से बाहर नहीं आ रहा होता तो मैं इस पर सवाल उठा रहा होता, लेकिन तीन शील्ड गेम, एक दिवसीय गेम एक ग्रेड गेम, और बहुत सारा प्रशिक्षण, जिस तरह से चीजें हैं उससे मुझे वास्तव में खुशी महसूस होती है।

भारत ने 17 पदक पक्के किये, आठ और सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। मौजूदा एशियाई जूनियर चैंपियन निशा (52 किग्रा) और आकांक्षा (70 किग्रा) ने येरेवन (आर्मेनिया) में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के सातवें दिन छह अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ पदक पक्के करने के लिए ठोस प्रदर्शन किया।

भारतीय लड़कियों ने एक बार फिर प्रभावी प्रदर्शन किया और सभी पांच मुक्केबाजों ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आकांक्षा (70 किग्रा) ने दिन की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की, लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी उज्बेकिस्तान की कुर्बोनोवा रेहोना ने अपने जवाबी हमले से भारतीय मुक्केबाज को परेशान कर दिया। हालाँकि, आकांक्षा ने अंततः विभाजित निर्णय के आधार पर 4-1 से जीत हासिल की। दूसरी ओर, निशा (52 किग्रा) आयरलैंड की ग्रेस कॉनवे के लिए बहुत मजबूत साबित हुई क्योंकि उन्हें सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से विजेता घोषित किया गया। रेफरी द्वारा रूस की मारिया काजाओवा के खिलाफ दूसरा राउंड में मुकाबला रोकने के बाद सृष्टि ने 63 किग्रा में आसान जीत दर्ज की। कृतिका (75 किग्रा) ने समान रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिद्वंद्वी मेक्सिको की मेलेंडेज सांचेज को रेफरी द्वारा पहले दौर में बाउट रोककर मुकाबला जीतने से पहले शांत नहीं होने दिया। विनी (57 किग्रा) ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रतिद्वंद्वी नुनेज नाओमी द्वारा वॉकओवर दिए जाने के बाद सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस बीच, देश के लिए लड़कों के वर्ग में यह एक मिश्रित दिन था क्योंकि पांच प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजों में से तीन ने अंतिम चार में जगह बनाई। हेमंत सांगवान (80+किग्रा) और सिकंदर (48किग्रा) ने अपने विरोधियों क्रमशः बुल्गारिया के बाचेवस्की रोसेलिन और किर्गिस्तान के उरमानोव रामज़िदीन से बेहतर प्रदर्शन किया और 5-0 के समान निर्णय के साथ मुकाबला जीत लिया।

विश्व कप ट्रॉफी पर फिर रखूंगा पैर : मिचेल मार्श

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि वनडे विश्व कप ट्रॉफी के दौरान अपने पैरों को आराम देना अपमानजनक नहीं था और उन्होंने कहा कि उन्हें दोबारा ऐसा करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

अहमदाबाद में अभूतपूर्व छठे पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने खिताबी मुकाबले में मेजबान भारत को छह विकेट से हरा दिया, इसके कुछ ही समय बाद, ट्रॉफी पर अपने पैरों के साथ मार्श की एक तस्वीर कप्तान पैट कमिंस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की, जिसने एक तस्वीर बनाई जिसे लेकर सोशल मीडिया पर भारी हंगामा हो गया। एसईएन रेडियो पर मार्श ने कहा, स्पष्ट रूप से उस तस्वीर में किसी भी तरह का अपमान नहीं था। मैंने इस पर बहुत अधिक विचार नहीं किया है, मैंने सोशल मीडिया पर बहुत कुछ नहीं देखा है, भले ही हर कोई मुझसे कहता है कि यह बंद हो गया है। इसमें कुछ भी नहीं है। मार्श को भारतीय प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा, खासकर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बाद में कहा कि वह फोटो में उनके हावभाव से आहत थे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ऐसा दोबारा करेंगे, मार्श ने कहा, हां, ईमानदारी से कहूं तो शायद। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खेले जाने के चार दिन बाद, ऑस्ट्रेलिया और भारत पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में आमने-सामने होंगे, जिसका चौथा मैच शुक्रवार को रायपुर में होगा। मार्श ने कहा कि किसी वैश्विक आयोजन के तुरंत बाद द्विपक्षीय टूर्नामेंट का कार्यक्रम तय करने जैसी चीजों से भविष्य में बचना चाहिए। हाँ, यह उन लोगों के लिए बहुत अपमानजनक था जिन्हें पीछे रहना पड़ा। यह एक अच्छी लाइन है क्योंकि हमें इस तथ्य का सम्मान करना होगा कि हम ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं और यह भारत के खिलाफ एक श्रृंखला है जो हमेशा बड़ी होती है। लेकिन इसका मानवीय पक्ष भी है, लड़कों ने हाल ही में विश्व कप जीता है और शायद वे कुछ समय के लिए, जश्न मनाने और अपने परिवारों के पास घर जाने के हकदार हैं। यह दिलचस्प है। आप उम्मीद करेंगे कि बड़े टूर्नामेंटों के बाद फिर से बहुत अधिक श्रृंखलाएं नहीं होंगी। स्टीव स्मिथ, एडम ज़म्पा, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट पहले तीन टी20 मैचों में हिस्सा लेने के बाद स्वदेश लौट चुके हैं, ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 2-1 से पीछे है और ट्रैविस हेड विश्व कप विजेता टीम के एकमात्र सदस्य हैं। अब भारत में, मार्श ने हस्ताक्षर करते हुए कहा, मैंने उन छह लोगों के लिए जश्न मनाया जो पीछे रह गए, मैंने उनके लिए जश्न मनाया।

शिव थापा, अमित पंघाल और सागर राष्ट्रीय मुक्केबाजी के फाइनल में

नई दिल्ली। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा) और सागर (92+ किग्रा) ने शिलांग में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए 7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया।

असम का प्रतिनिधित्व कर रहे, शिव ने अपने अनुभव का प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र के हरिवंश तिवारी पर 5-0 के सटीक स्कोर के साथ शानदार जीत हासिल की। पिछले संस्करण के स्वर्ण पदक विजेता का फाइनल में एसएससबी (सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) के वंशज से मुकाबला होगा।

दूसरी ओर, एसएससबी का प्रतिनिधित्व करने वाले अमित पंघाल आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) के अंकित के खिलाफ आमने-सामने थे। पूरे मुकाबले में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही, लेकिन बेहद अनुभवी 28 वर्षीय खिलाड़ी ने खेल के महत्वपूर्ण क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को 5-2 के विभाजित निर्णय से हरा दिया। 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता का अब फाइनल में चंडीगढ़ के अंशुल पुनिया से मुकाबला होगा। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में, आरएसपीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे सागर ने सेमीफाइनल मुकाबले में दिल्ली के विशाल कुमार का सामना किया। सागर का कौशल और शक्तिशाली पंच पूरे प्रदर्शन पर थे और उन्होंने मैच पर अपना दबदबा बनाते हुए 5-0 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता का स्वर्ण पदक मैच में पंजाब के जयपाल सिंह से मुकाबला होगा।

जीत की लय को बढ़ाते हुए, 2021 एशियाई चैंपियन, एसएससबी के संजीत (92 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी एआईपी (अखिल भारतीय पुलिस) के विक्की को हरा दिया। संजीत अपने खेल में शीर्ष पर थे और सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल करने के लिए मुकाबले पर हावी रहे। फाइनल में संजीत का मुकाबला हरियाणा के नवीन कुमार से होगा। फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले अन्य एसएससबी मुक्केबाजों में बरुण सिंह (48 किग्रा), पवन (54 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), आकाश (60 किग्रा), वंशज (63.5 किग्रा), रजत (67 किग्रा), आकाश (71 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), लक्ष्य (80 किग्रा) और जुगनू (86 किग्रा) शामिल हैं।

विश्व कप में इंग्लैंड को संघर्ष करते देखना कठिन था लेकिन यह टीम को परिभाषित नहीं करता : बेन डकेट

सेंट जॉन्स (एंटीगा)। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने कहा कि 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में टीम को संघर्ष करते देखना उनके लिए कठिन था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि हालिया प्रतियोगिता में निराशाजनक प्रदर्शन उनके पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए टीम को परिभाषित नहीं करता है।

इंग्लैंड ने गत चैंपियन के रूप में भारत में प्रतियोगिता में प्रवेश किया, लेकिन अपने पहले सात मैचों में से छह हारकर नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया। लेकिन नीदरलैंड और पाकिस्तान पर देर से जीत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनकी योग्यता सुनिश्चित कर दी। टेस्ट टीम के नियमित सदस्य डकेट, रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी वनडे सीरीज शुरू करने पर नई दिखने वाली इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों में शामिल हैं। कप्तान जोस बटलर, सैम करेन, लियाम लिविंगस्टोन, हैरी ब्रूक, गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स वनडे विश्व कप टीम के छह खिलाड़ी हैं जो वेस्टइंडीज दौरे का हिस्सा हैं। मैंने (इस साल के विश्व कप में) इंग्लैंड का हर मैच देखा और कभी-कभी इसे देखना कठिन था। मैं अपने साथियों को वहां जाकर संघर्ष करते हुए देख रहा था। यह वास्तव में कठिन था। मैं कुछ सप्ताह पहले उनके साथ खेल रहा था, इसलिए यह कठिन था। डकेट ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, लेकिन हमने देखा है कि इंग्लैंड ने पिछले आठ वर्षों में कैसा खेला है और एक खराब पांच सप्ताह किसी टीम को परिभाषित नहीं करते हैं।

जूनियर महिला विश्व कप, रोमांचक मुकाबले में भारत जर्मनी से 3-4 से हारा

सैंटियागो। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के अपने दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन एलीट टूर्नामेंट के पिछले संस्करण की उपविजेता जर्मनी से पिछड़ गई जिसने शुक्रवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में 4-3 से जीत दर्ज की। भारत के लिए, अन्नू (11), रोपनी कुमारी (14), और मुमताज खान (24) ने गोल किए, जबकि सोफिया श्वाबे (17), लौरा प्लूथ (21, 36) और कैरोलिन सेडेल (38) ने जर्मनी के लिए गोल किये। भारत ने जल्द ही पासिंग लय में आ गया, शुरुआती क्वार्टर में खेल पर कब्ज़ा जमाकर और लगातार जर्मनी की रक्षात्मक रेखा का परीक्षण करके खेल पर हावी हो गया। उनके शुरुआती प्रयासों के बावजूद, भारत को जर्मनी की मजबूत रक्षा ने विफल कर दिया, जिससे उन्हें क्वार्टर के अंतिम मिनटों तक गोल करने से रोक दिया गया। लगातार दबाव के इस दौर में भारतीय टीम को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और अन्नू (11) ने दूसरे मौके का फायदा उठाते हुए जोरदार शॉट लगाया और आखिरकार अपनी टीम को बढ़त दिला दी। गतिरोध तोड़ने के तुरंत बाद, भारत ने अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया क्योंकि रोपनी कुमारी (14) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर एक अच्छी तरह से निष्पादित शॉट के साथ नेट हासिल कर लिया। पहले क्वार्टर का समापन भारत की 2-0 की बढ़त के साथ हुआ, जो टीम के लिए एक सफल शुरुआत थी।

जर्मनी, स्थिति को मोड़ने के लिए दृढ़ था, नए उत्साह के साथ दूसरे क्वार्टर में पहुंचा। उनके प्रयास सफल रहे क्योंकि सोफिया श्वाबे (17) ने एक प्रभावशाली फील्ड गोल किया, जिससे जर्मनी का घाटा कम हो गया। इस गति को आगे बढ़ाते हुए, लौरा प्लूथ (21) ने स्कोर बराबर करने के लिए एक शक्तिशाली प्रहार किया। हालाँकि, भारत ने तेजी से जवाब दिया क्योंकि मुमताज खान (24) ने कुशलतापूर्वक गेंद को विपक्षी गोलकीपर के पास डाल दिया, जिससे गति वापस भारत के पक्ष में आ गई और उन्हें फिर से आगे कर दिया क्योंकि वे 3-2 की बढ़त के साथ आधे समय के ब्रेक में गए।

अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित भारत ने तीसरे क्वार्टर में गेंद पर कब्ज़ा करने को प्राथमिकता दी, फिर भी जर्मनी स्कोर बराबर करने में सफल रहा। लौरा प्लूथ (36) ने दूसरी बार गोल करके मैच को बराबर कर दिया। उनके पुनरुत्थान से प्रेरित होकर, जर्मनी ने अपने हमलों को तेज कर दिया, पेनल्टी कॉर्नर से कैरोलिन सेडेल (38) के गोल से बढ़त हासिल कर ली।

जवाबी कार्रवाई के लिए उत्सुक भारत ने हमलों की आवृत्ति बढ़ा दी। लेकिन, उनके प्रयासों के बावजूद, तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक स्कोर जर्मनी के पक्ष में 4-3 रहा। अंतिम क्वार्टर में दोनों ओर से आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिला और जर्मनी अपनी बढ़त बढ़ाने के करीब पहुंच गया। हालाँकि, भारतीय गोलकीपर माधुरी किंडो के आमने-सामने की स्थिति में असाधारण बचाव ने जर्मनी को अपनी बढ़त बढ़ाने का मौका नहीं दिया।

इस बीच, भारत को अंतिम मिनटों में लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वे गोल करने में असफल रहे। चौथा क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ और जर्मनी की 4-3 से जीत हुई। भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में शनिवार को बेल्जियम से भिड़ेगी।

सार संक्षेप

मोरक्को, पुर्तगाल, स्पेन ने 2030 फीफा विश्व कप होस्ट करने के लिए लगाई बोली

जिनेवा। फीफा ने गुरुवार को घोषणा की कि 2030 विश्व कप के लिए मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन ने टूर्नामेंट होस्ट करने के लिए बोली लगाई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फीफा ने कहा कि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पराग्वे ने भी 2030 विश्व कप मैच के साथ शताब्दी समारोह की मेजबानी के लिए बोली लगाने वालों के रूप में पुष्टि की है। 2034 फीफा विश्व कप के लिए सऊदी अरब की बोली भी फीफा को प्राप्त हुई थी, और मेजबान की नियुक्ति फीफा कांग्रेस द्वारा की जाएगी। फीफा ने कहा, जनवरी 2024 में फीफा बोली लगाने वाले सभी देशों के साथ बातचीत करेगा और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करेगा।

फीफा रैंकिंग में अर्जेंटीना शीर्ष पर

जिनेवा। फीफा ने गुरुवार को घोषणा की कि तीन बार का विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना नवीनतम फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि इंग्लैंड शीर्ष तीन में पहुंच गया है। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना 1855.20 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है, उसके बाद फ्रांस है, जबकि कोलंबिया और अर्जेंटीना से लगातार हार के कारण ब्राजील, जो पहले तीसरे स्थान पर था, पांचवें स्थान पर खिसक गया है। इंग्लैंड तीसरे और बेल्जियम चौथे स्थान पर पहुंच गया। नीदरलैंड छठे स्थान पर आ गया है, जबकि पुर्तगाल, स्पेन, इटली और क्रोएशिया शीर्ष दस से बाहर हो गए हैं। नवंबर 2023 में पूरी दुनिया में कुल 188 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए, जिसमें 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका में हुए।

डॉमिनिका ने टी-20 विश्वकप की मेजबानी से पीछे हटा

रुसाउ। कैरेबियाई देश डॉमिनिका तय समय में जरूरी निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के हवाला देते हुए टी-20 विश्वकप 2024 के मैचों की मेजबानी से पीछे हट गया है। डॉमिनिका सरकार के यहां जारी बयान में कहा, हमें ठेकेदारों से जो समयसीमा मिली थी, उसके अनुसार हम तय समय पर स्टेडियम के निर्माण कार्यों को पूरा नहीं करा सकते थे। इसलिए हम टी-20 विश्व कप मैचों की मेजबानी से पीछे हट रहे हैं। यह फैसला सभी लोगों के हित में है। हम क्रिकेट वेस्टइंडीज को धन्यवाद और विश्वकप की मेजबानी के लिए शुभकामना भी देना चाहते हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भी डॉमिनिका सरकार के इस फैसले को स्वीकार किया है और आईसीसी को इसकी जानकारी दी है।

सुडोकू 6393 का हल

अर्थ जगत

क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 2.87 प्रतिशत बढ़कर इस साल के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली । बिटकॉइन 2023 में अपनी उच्चतम कीमत पर पहुंच गया है। शुक्रवार को क्रिप्टोकरेंसी 2.87 प्रतिशत उछलकर 38,834 के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मई 2022 के बाद से बिटकॉइन के मूल्य में वृद्धि अपने चरम पर है, जिससे क्षेत्र में लहर प्रभाव पैदा हो रहा है और परिसंपत्ति मूल्यों में धीरे-धीरे कमी आ रही है। मार्केट कैप के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा टोकन एथेरियम भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और 1 दिसंबर को कीमत 2,090.4 डॉलर के साथ 2,000 डॉलर के मनोवैज्ञानिक बेंचमार्क से ऊपर कारोबार कर रहा है। यह रैली पूरे क्रिप्टोकरेंसी बाजार में देखी जा रही है और डॉगकोइन और पोलकाडॉट जैसे अन्य लोकप्रिय मुद्रा में भी बढ़त दर्ज की गई है।

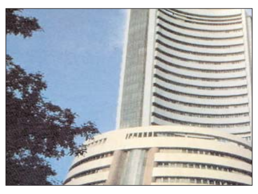

2000 रुपये के 97.26 प्रतिशत नोट वापस लौटे

नई दिल्ली । नवंबर के अंत तक 2000 रुपये के 97.26 प्रतिशत बैंक नोट भारतीय रिजर्व बैंक को वापस कर दिए गए हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 2000 रुपये नोट का प्रचलन मई में 3.56 ट्रिलियन रुपये से घटकर नवंबर के अंत तक 9,760 करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर के अंत तक, 2000 रुपये के 97 प्रतिशत बैंक नोट भारतीय रिजर्व बैंक को वापस कर दिए गए थे। तब से, रिटर्न में केवल 0.26 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है। उस समय नोट की सर्कुलेशन राशि 10,000 करोड़ रुपये थी। रिज़र्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये नोट को बंद करने की घोषणा की थी, रिटर्न के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की। बैंक शाखाओं में नोट जमा करने या बदलने का विकल्प 7 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया था। 9 अक्टूबर से, व्यक्ति आरबीआई इश्यू ऑफिस के माध्यम से बैंक नोट बदल सकते हैं। जैसा कि आरबीआई ने कहा है, लोगों को 2,000 रुपये के नोट भेजने के लिए भारतीय डाकघरों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे जमा या एक्सचेंज के लिए आरबीआई ऑफिस नहीं जाना पड़ेगा।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एकस्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62950 चांदी रिफाइन - 76600

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार-

मो. 9425860998,9826307100

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62950 चांदी रिफाइन - 76600

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83. 28
एक यूरो	90. 49
एक ब्रिटिश पाउंड	105 . 16
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	55. 05
एक जापानी येन	00. 56

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने

फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 86 प्रति कि.

जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 104 प्रति कि.

जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-114 नेट प्रति किलो

जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो

जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो

(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070

भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5880, 10 एम एम 5760,12 एम एम, 5700 एवं 16 एम 5700 रु.। तार- 76 रु. किलो।

हवाई यात्रा : कंपनियां 10 फ़ीसदी तक घटा सकती हैं किराया, ईंधन के दाम घटे

***नई दिल्ली** । जुलाई से अक्टूबर तक लगातार चार महीने विमान ईंधन यानी एयर टरबाइन का ईंधन महंगा करने के बाद तेल कंपनियों ने लगातार दूसरे महीने एयरलाइंस को राहत दी है. विमान ईंधन के दाम पहले नवंबर और फिर दिसंबर में भी कम किये गये हैं.*

नवंबर में देश की राजधानी में विमान ईंधन की कीमत साढ़े पांच फीसदी से भी कम घटी थी. दिसंबर में 4.5 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई थी.इससे राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 10 फीसदी से ज्यादा कम हो गई है. इसका मतलब है कि एयरलाइंस को महंगे ईंधन से राहत मिलेगी. इससे कंपनियों की परिचालन लागत कम होगी. इसका लाभ आम हवाई यात्री सस्ते टिकट के रूप में उठा सकते हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि देश की राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत कैसी हो गई है।

दो महीने में कीमतें 6 फीसदी से ज्यादा गिरीं - देश की राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई. फिलहाल राजधानी दिल्ली में एटीएफ की कीमत 1,06,155.67 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है. नवंबर में यही कीमत 1,11,344.92 किलोलीटर थी. इसका मतलब है कि दिल्ली में नवंबर के मुकाबले 4.66 फीसदी यानी 5,189.25 रुपये प्रति किलोमीटर की कटौती हुई. अक्टूबर महीने में दिल्ली में एटीएफ की कीमत 1,18,199.17 रुपये प्रति किलोमीटर थी. दो महीने में यह गिरावट 10.18 फीसदी यानी 12,043.5 रुपये प्रति किलोलीटर तक पहुंच गई. लगातार दो महीने कटौती से पहले राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन के दाम में लगातार चार महीने तक बढ़ोतरी हुई थी.

वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम बढ़े, विमान ईंधन 4.6 प्रतिशत हुआ सस्ता

विमान ईंधन की कीमत में शुक्रवार को 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई। वहीं वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर का दाम 21 रुपये बढ़ाया गया है। हालांकि, घरेलू इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) का दाम 903 रुपये पर कायम रखा गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एविएशन टर्बाइन फ्यूल का दाम 1,06,155.67 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है, जो पहले 1,11,344.92 रुपये प्रति किलोलीटर था। वहीं होटल तथा रेस्तरां जैसे प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल किए जाने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 1,775.50 रुपये से बढ़कर 1,796.50 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर हो गई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सेबी को लगाई फटकार

कहा-निवेशकों के हित में काम करें बोर्ड

***मुंबई** । बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बाजार नियामक सेबी को अपने एक आदेश का पालन नहीं करने पर शुक्रवार को फटकार लगाते हुए कहा कि इस सार्वजनिक संस्था को सार्वजनिक हित में काम करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति जीतेंद्र जैन की खंडपीठ ने कहा कि भारतीय पूंजी बाजार नियामक (सेबी) का इस तरह का रवैया इस संस्था के प्रति निवेशकों के भरोसे को चोट पहुंचाने का काम करेगा।*

उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने अक्टूबर में एक कंपनी के अल्पांश शेयरधारकों को कुछ जांच दस्तावेज मुहैया कराने का सेबी को आदेश दिया था। इस आदेश को सेबी और कंपनी दोनों ने ही उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जहां पर उनकी अपील खारिज कर दी गई।

मामले का निपटान आदेश जारी कर दिया था - याचिकाकर्ता भारत निधि लिमिटेड के अल्पांश शेयरधारक हैं और उन्होंने सेबी को सौंपी शिकायत में कंपनी पर प्रतिभूति नियमों के कई उल्लंघन करने के आरोप लगाए थे। सेबी ने इन आरोपों की जांच शुरू करने के बाद कारण बताओ नोटिस भेजा था लेकिन बाद में इस मामले का निपटान आदेश जारी कर दिया गया। हालांकि अब इस आदेश को वापस ले लिया गया है। याचिका दायर करने वालों का कहना है कि सेबी की इस मामले में की जा रही जांच महज एक दिखावा है। इस पर सेबी की तरफ से कहा गया कि मामले के निपटान का आदेश वापस ले लिए जाने के बाद इस याचिका में कुछ रह नहीं गया है।

सेबी को सार्वजनिक हित में काम करने की जरूरत - हालांकि पीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि सेबी ने उसके आदेश का लगातार अनुपालन नहीं किया है जो कि अकल्पनीय और अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा, सेबी एक सार्वजनिक निकाय है और उसे सार्वजनिक हित में काम करने की जरूरत है। उसे न्यायालय के आदेशों का अनुपालन करने की जरूरत है।

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स में और कटौती की

***नयी दिल्ली** । सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स 1,300 रुपये से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जेट ईंधन पर लेवी भी 1.11 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई है।*

केंद्र ने इससे पहले 16 नवंबर को डीजल और कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम कर दिया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9,800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6,300 रुपये (. 75.70) प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल के लिए इसे 2 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। जेट ईंधन और पेट्रोल निर्यात पर टैक्स शून्य रहा। अक्टूबर में सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9,050 रुपये से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके अतिरिक्त, विमानन टरबाइन ईंधन पर विंडफॉल टैक्स, जो पहले 1 रुपये प्रति लीटर था, समाप्त कर दिया गया। इससे पहले, 18 अक्टूबर को केंद्र ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 12,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 9,050 रुपये प्रति टन कर दिया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में कच्चे तेल उत्पादकों पर विंडफॉल टैक्स लगाया था और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी थी क्योंकि निजी रिफाइनर स्थानीय स्तर पर बेचने के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से लाभ कमाना चाहते थे। उस समय, पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया था।

दिवाली पर ट्रक चालकों के अवकाश लेने से डीजल बिक्री में 7.5 प्रतिशत की गिरावट

***नयी दिल्ली** । देश में नवंबर में डीजल की खपत 7.5 प्रतिशत घट गयी। दिवाली पर ट्रक चालकों के अवकाश लेने से परिवहन क्षेत्र की मांग घटने के चलते डीजल की खपत कम हुई है।*

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के शुरुआती आकंड़ों से यह जानकारी मिली है। नवंबर में डीजल की खपत एक साल पहले के 73.3 लाख टन से घटकर 67.8 लाख टन रह गई। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ ट्रक चालक अपने घर जाने के लिए दिवाली में छुट्टी लेते हैं। दिसंबर में मांग काफी हद तक पिछले स्तर पर पहुंच जाएगी। डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है। इसकी सभी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देश में कुल डीजल बिक्री में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। त्योहारों के दौरान निजी वाहनों की आवाजाही बढ़ने से तीन सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं की पेट्रोल बिक्री 7.5 प्रतिशत बढ़कर 28.6 लाख टन हो गई। अक्टूबर के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की मांग सालाना आधार पर नौ प्रतिशत और डीजल की बिक्री 3.2 प्रतिशत गिर गई थी। नवरात्रि/दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत से इस रुझान में बदलाव आया। नवंबर के पहले पखवाड़े में डीजल मांग में 12.1 प्रतिशत की कमी आई। हालांकि दूसरे पखवाड़े में इसमें कुछ सुधार आया। मासिक आधार पर डीजल बिक्री अक्टूबर में 65 लाख टन के मुकाबले नवंबर में 3.6 प्रतिशत अधिक रही। नवंबर में विमान ईंधन की बिक्री सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़कर 620,000 टन हो गई। हालांकि, यह आंकड़ा नवंबर 2019 की तुलना में 7.5 प्रतिशत कम है। नवंबर में रसोई गैस एलपीजी की बिक्री सालाना आधार पर 0.9 फीसदी घटकर 25.7 लाख टन रही।

यूपीआई ट्रांजैक्शन नवंबर में 17.4 लाख करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर

***नयी दिल्ली** । भारत में डिजिटल पेमेंट महीने-दर-महीने नया आसमान छू रहा है। नवंबर महीने में यह रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में रिकॉर्ड 17.4 लाख करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन्स किए गए । अक्टूबर महीने में यूपीआई के जरिये 17.16 लाख करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन्स किए गए थे। इस लिहाज से नवंबर महीने में अक्टूबर के मुकाबले 1.4 फीसदी ज्यादा ट्रांजैक्शन्स हुए।*

ट्रांजैक्शन की संख्या में आई कमी - अगर यूपीआई ट्रांजैक्शन्स की संख्या की बात की जाए तो अक्टूबर महीने में नवंबरमहीने के मुकाबले 1.5 फीसदी ज्यादा ट्रांजैक्शन्स हुए। अक्टूबर में 11.41 अरब ट्रांजैक्शन्स हुए, जबकि, नवंबर महीने में 11.24 ट्रांजेक्शन हुए। सितंबर महीने में ट्रांजैक्शन्स की कुल संख्या 10.56 अरब थी, और 15.8 लाख करोड़ रुपये

के टपेमेंट्स किए गए। एनपीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर महीने में वॉल्यूम टर्म के लिहाज से 54 फीसदी का इजाफा हुआ था, जबकि पिछले साल के इसी महीने यानी सितंबर 2022 में 46 फीसदी का इजाफा देखने को मिला था।

आईएमपीएस ट्रांजैक्शन की संख्या घटी - नवंबर में आईएमपीएस ट्रांजैक्शन की संख्या अक्टूबर के मुकाबले 4 फीसदी घटकर 47.2 करोड़ रह गई। अक्टूबर में यह 49.3 करोड़ और सितंबर में 47.3 करोड़ थी।

आईएमपीएस से कितने रुपये का ट्रांजैक्शन ? - मूल्य के लिहाज से अगर आईएमपीएस ट्रांजैक्शन्स को देखा जाए तो नवंबर में 5.35 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ, जबकि अक्टूबर में 5.38 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ था। नवंबर 2022 की तुलना में इसमें मात्रा के लिहाज से 2 फीसदी और मूल्य के लिहाज से 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सितंबर 2023 में, आईएमपीएस के जरिये 5.07 लाख करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन हुए थे।

फास्टैग ट्रांजेक्शन बढ़े, लेनदेन की रकम हुई कम - नवंबर में फास्टैग ट्रांजैक्शन अक्टूबर में 32 करोड़ के मुकाबले मामूली रूप से बढ़कर 32.1 करोड़ हो गया। मूल्य के लिहाज से बात करें तो नवंबर में फास्टैग लेनदेन 5,303 करोड़ रुपये देखा गया, जो अक्टूबर में 5,539 करोड़ रुपये से 4 फीसदी कम है। सितंबर 2023 में ट्रांजैक्शन की संख्या 299 करोड़ और रकम 5,089 करोड़ रुपये थी।

सेंसेक्स 11 सप्ताह के उच्च स्तर पर, निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

***मुंबई** । जीडीपी और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ें बेहतर रहने के बीच विदेशी निवेशकों का सकारात्मक रुख बने रहने से शुक्रवार को घरेलू बाजार का प्रमुख सूचकांक निफ्टी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 493 अंक उछलकर 11 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।*

बीएसई का 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स 492.75 अंक यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 67,481.19 अंक पर बंद हुआ। यह 18 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। कारोबार के दौरान एक समय यह 575.89 अंक तक बढ़कर 67,564.33 पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी इस तेजी के बीच 134.75 अंक यानी 0.67 प्रतिशत चढ़कर 20,267.90 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 20,291.55 के रिकॉर्ड स्तर को भी छुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील में खासी तेजी रही। दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने ऑल-न्यू टीप ब्लैक कलर में लॉन्च किया कुशाक और स्लाविया का एलिगेंस एडिशन

***नयी दिल्ली** ।* कुशाक और स्लाविया में कई नए और सेगमेंट में पहली बार शानदार फीचर्स पेश करने के तुरंत बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने इन दोनों कारों के एक नए, खास वर्जन को लॉन्च करने की घोषणा की है। एलिगेंस एडीशन नाम की दोनों कारों का उत्पानदन सीमित मात्रा में किया जाएगा। ये कारें खासतौर पर 1.5 टीएसआई इंजन के साथ उपलब्ध होंगी।

इस बारे में स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, पेट्र सॉल्कर ने कहा, कुशाक और स्लाविया का एलिगेंस एडीशन एक लिमिडेट एडीशन के रूप में लॉन्च किया जाएगा। कुशाक और स्लाविया के क्लासिक ब्लैक कलर की जोरदार मांग देखने को मिली है। हम अपने प्रोडक्ट्स ग्राहकों की रुचि और पसंद को ध्यान में रखते हुए बनाते हैं। हमारा विश्वास है कि कुशाक और स्लाविया के एलिगेंस एडिशन की खूबसूरती और इनका नया रंग कार डिजाइनिंग की समझ रखने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगा और साथ कार खरीदने वाले का गर्व का अहसास कराना जारी रखेगा।

एण्डटीवी का नया शो 'अटल' 5 दिसंबर से शुरु

***मुंबई** । एण्डटीवी के शो 'अटल' के पहले एपिसोड का प्रीमियर 5 दिसंबर को रात 8:00 बजे होने जा रहा है। यह शो स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बचपन की अनकही कहानियों पर आधारित है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। पहले एपिसोड में अटल के जन्म की कहानी दिखाई जायेगी। साथ ही अटल के परिवार वालों द्वारा उन्हें सिखाये गये सांस्कृतिक मूल्यों, ब्रिटिश राज में हो रहे अनुचित व्यवहार के प्रति उनकी बेचैनी और अन्याय के लिये उनके रूख को भी दिखाया जायेगा।*

शो की आगामी कहानी के बारे में बताते हुये आशुतोष कुलकर्णी, जो कि कृष्ण वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, ''पहले एपिसोड में दर्शक क्रिसमस उत्सव के दौरान अटल के जन्म की कहानी देखेंगे। इसमें दिखाया जायेगा कि एक ब्रिटिश अधिकारी और तोमर (महमूद हाशमी) के कारण उनके परिवार को हॉस्पिटल जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अटल (व्योम ठक्कर) जब थोड़े बड़े हो जाते हैं, तो उनका परिवार उन्हें सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व के बारे में बताता है और ये मूल्य उन्हें विरासत में मिलते हैं। स्कूल में सांस्कृतिक प्रतीकों को हटाने का उनका विरोध और ब्रिटिश राज में लोगों के साथ हो रहे अनुचित व्यवहार के प्रति उनकी बेचैनी उनकी बढ़ती जागरूकता और असहमति को दिखाती है। ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा गांववालों पर किये जा रहे क्रूर अत्याचार को देखकर अन्याय के खिलाफ खड़े होने का उनका संकल्प और भी मजबूत हो जाता है। इन सारी बातों को समझने की उनकी खोज उन्हें भगत सिंह की कहानी तक ले जाती है, जिसका उनके ऊपर गहरा प्रभाव पड़ता है। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू की फांसी उन्हें बहुत ज्यादा परेशान कर देती है। विरोध के बावजूद, उनका लक्ष्य इन शहीदों को श्रद्धांजलि देना है। अटल का परिवार तोमर के डराने-धमकाने की तरकीबों का सामना करता है, ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा उत्पन्न जोखिमों के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उनके अटूट समर्थन को दिखाता है, और यही इस एपिसोड का क्लाइमेक्स है। यह टकराव शोषण के खिलाफ खड़े होने में उनकी मजबूती और भारत की आज़ादी के लिये किये गये बलिदानों का सम्मान करने के उनके दृढ़संकल्प को दर्शाता है।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596

मो.-9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे

मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।

देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

मुंबई की फार्मा कंपनी को जबलपुर ब्रांच हेतु आवश्यकता है

उम्र 18 से 27, योग्यता- 12वीं, ग्रेजुएट

Posts-Computer Operator Accountant, Office Ass., HR, Advisor, Health Advisor, Admin.

MO: - 7880251021 8767693588

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

खेतों में धान की फसल खराब होने की कगार पर पहुंची

धान खरीदी में विलंब होने की वजह से किसान आर्थिक क्षति उठाने को मजबूर

जबलपुर, देशबन्धु। ग्रामीण अंचलों में इन दिनों धान की फसल सड़ने की स्थिति में है। बारिश और समय पर धान की खरीदी नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेत की मिट्टी के साथ अपना खून-पसीना एक करके अनाज पैदा करने वाला किसान आज खून के आंसू रो रहा है। इसकी दो वजहें हैं। पहली ये बारिश और दूसरी सरकारी तंत्र की लापरवाही। सरकार ने यदि सही समय पर खरीदारी की होती तो आज ये नौबत नहीं आती। धान की फसल खेत से खलिहान तक तो आ गयी,लेकिन अब बारिश का पानी उसे सड़ा रहा है और किसान हाथ पर हाथ धरे अपनी मेहनत को इस कदर जाया होते देख रहा है। बीते एक हफ्ते से बेपटरी हुए मौसम ने जिले में हजारों क्विंटल धान को सड़ा दिया है। कब धूप निकलेगी और कब धान सूखेगी और कितनी सूखेगी, ये सवाल किसानों के चेहरे पर चस्पा दिखाई देता है।

पाटन-मझौली में ज्यादा तबाही

बारिश से सबसे ज्यादा फसल पाटन और मझौली में खराब हुई हैं। यदि वक्त पर खरीदी कर ली गयी होती तो ये नौबत नहीं आती। खेत में कटी धान की फसल अचानक हुई बारिश के चलते पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। जैसे तैसे कुछ किसानों ने पॉलिथीन डालकर धान की फसल बचाने की कोशिश की लेकिन वह न कही साबित हुई। बरेला,शहपुरा और, पनागर के ग्राम जुनवानी, बरौदा, भिड़ारी, सलैया, कोहना, कोहनी, नुनिया कला, मनकवारा, सिगौद, खिरहनी, मनियारी, काला डुमर, सिहोरा में भी हाल अच्छे नहीं है।

दर्द से कराह उठे किसान

किसान उम्मेद सिंह पटैल का कहना है कि बीते 6 माह से जितनी भी मेहनत कर खेत में धान की फसल उगाई थी वह पूरी तरह से बर्बाद हो गई। किसान श्यामजीत ने कहा कि अगर सही समय पर सरकार खरीदी केंद्र चालू कर देती तो अब तक सभी किसानों की धान वेयर हाउस में चली जाती और खराब नहीं होती। बताया गया है कि अब किसानों के सामने यह स्थिति बन रही है कि वह है। आगे की बनी की व्यवस्था करें कि इस खराब हुई धान को लेकर सरकार के पास जाए। उन्होंने बताया कि किसान इस कदर परेशान हो गए हैं कि वह अपनी धान को उठाकर घरों के अंदर रख रहा है उसके बावजूद भी धन नहीं बच पा रही है। किसान जागेश्वर यादव ने बताया कि धान खरीदी केंद्र शुरू करने के लिए कई बार प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात भी की। आश्वासन दिया जाता रहा कि अब धान खरीदी शुरू कर ली जाएगी पर धान खरीदी का केंद्र नहीं बना। किसानों के सामने अब हालात ऐसे हैं कि धान की फसल के लिए जो कर्ज लिया था उसे चुकाना मुश्किल होगा।

किसान आंदोलन की तैयारी में

किसान अब आंदोलन की तैयारी में है। उनका कहना है कि धान खराब होने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। सही समय पर धान खरीदी ना हो पाने और फिर खेत में रखी धान के खराब होने के कारण किसान प्रशासन के खिलाफ लामबंद हो गए है। किसानों का कहना है, जितनी धान बर्बाद हुई है।

अफसर बोले, सर्वे कराएंगे

इधर, उप संचालक कृषि रवि अम्रवंशी का कहना है सर्वे कराया जाएगा कि कहां कितना नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि जो फसल खेत में है, उसे कम नुकसान हुआ है पर खलिहान आ चुकी फसल को ज्यादा नुकसान हुआ है। जिला प्रशासन के साथ मिलकर कृषि विभाग खराब हुई फसल का सर्वे कर राज्य शासन को इसकी जानकारी दी जाएगी।

पहले दिन धान खरीदी रही शून्य

वैसे तो न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एक दिसम्बर से शुरू हो गई है लेकिन पहले दिन खरीदी केन्द्रों में धान की आवक नही होने के कारण धान खरीदी शून्य बताई जा रही है। डीएमओ रोहित सिंह बघेल ने बताया कि बारिश के चलते फिलहाल खरीदी केन्द्रों में किसान धान लेकर नही आ रहे हैं, इस वजह से खरीदी अभी शून्य है, हो सकता है कि तीन-चार दिन बाद कुछ केन्द्रों में धान की आवक शुरू हो जाये। अभी तक धान उपार्जन के लिए 78 खरीदी केन्द्र बनाए गये हैं। जबकि करीब 120 खरीदी केन्द्र बनाए जाना है। सूत्रों का कहना है कि कई जगहों पर खरीदी केन्द्र अभी तक नहीं बनाये जाने से किसानों में अपनी ऊपज को लेकर चिंता के बादल मडराने लगे हैं। वहीं बिचौलिए भी छोटे किसानों को अपना निशाना बनाने लगे हैं और न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत में धान खरीद रहे हैं। इस बार धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रूपये प्रति क्विंटल है।

सिविल जज परीक्षा मामले में ओबीसी वर्ग को बड़ी राहत

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को बड़ी राहत मिली है। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने सिविल जज परीक्षा के लिए ओबीसी वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए एलएलबी में 70 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता को घटाकर 50 प्रतिशत करने के आदेश दिये है। युगलपीठ ने हाईकोर्ट रजिस्ट्रार को इस संबंध में तीन दिनों के अंदर अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिये है।

एलएलबी में 70 से घटाकर किये 50 प्रतिशत अंक

उल्लेखनीय है कि नरसिंहपुर निवासी अधिवक्ता वर्षा पटेल की ने हाईकोर्ट की अनुशंसा पर प्रदेश सरकार द्वारा न्यायिक सेवा भर्ती नियम 1994 में किए गये संशोधन को चुनौती दी थी। इसके साथ अन्य जिलों के उम्मीदवारों ने भी हाईकोर्ट में याचिकाए दायर कर नियमों को कटघरे में रखा था। याचिका में कहा गया था कि उक्त संशोधन के तहत एलएलबी में 70 फीसदी से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यार्थी तीन साल की वकालत का अनुभव के बाद ही सिविज जज परीक्षा के योग्य होंगे, जो अवैधानिक है। सिविल जज के साक्षात्कार परीक्षा में 50 अंको में से न्यूनतम 20 अंक प्राप्त किए जाने पर ही सिविल जज के पद के योग्य मान्य किया गया था। याचिका में कहा गया कि नियमों में कहीं भी यह प्रावधान नहीं किया गया है कि अनारक्षित पदों को परीक्षा के प्रथम तथा द्वितीय चरण में कैसे भरा जायेगा। इसके अलावा ओबीसी वर्ग के लिए समस्त योग्यताएं अनारक्षित वर्ग के समान निर्धारित की गई हैं, जो कि संविधान के अनुछेद 14 एवं 16 (4) तथा आरक्षण अधिनियम 1994 का उल्लंघन है। याचिका में राहत चाही गयी थी कि हाईकोर्ट की समस्त भर्तियों को निष्पक्ष तथा पारदर्शी बनाने के लिए लोक सेवा आयोग या राज्य की किसी परीक्षा एजेंसी से परीक्षा कराई जाये।

मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने ओबीसी वर्ग के लिए सामान्य वर्ग के समान एलएलबी में 70 प्रतिशत अंक निर्धारित किये जाने को अवैधानिक मानते हुए उक्त आदेश जारी किये। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ, अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर तथा अधिवक्ता विनायक शाह ने पैरवी की।

सौ करोड़ के करार मामले में दर्ज एफआईआर निरस्त

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश हाईकोर्ट ने मप्र सड़क विकास निगम से हैदराबाद की ट्रांसट्रॉय बायपास टोलसवे कंपनी लमिटेड कंपनी द्वारा सौ करोड़ रुपए के करार करने के मामले में दर्ज एफआईआर निरस्त कर दी। भोपाल पुलिस ने कंपनी प्रबंध निदेशक श्रीधर चेरकुरी, लेखाकार कल्याण सुंदर और कंपनी सचिव पल्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। आरोप था कि कंपनी ने जनता से वसूली करके बैंक में राशि जमा नहीं की। मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि दोनों पक्षों के बीच लिखित अनुबंध हुआ था। यह मामला पूरी तरह सिविल प्रकृति का है। कोर्ट ने कहा कि सिविल मामले को आपराधिक बनाकर पक्षकार पर समझौता करने का दबाव नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने यह भी पाया कि अनुबंध 2018 में समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद केवल महाधिवक्ता कार्यालय ओपीनियन पर दो साल बाद 2020 में एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले में अभी तक चालान भी पेश नहीं किया गया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में आवेदकों को बेवजह परेशान नहीं कया जा सकता। आवेदक की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ शर्मा ने पक्ष रखा।

दूध हुआ दो रूपये लीटर महंगा!

जबलपुर, देशबन्धु। उपभोक्ताओं को बढ़ती महंगाई के बीच महंगाई का एक और झटका लगा है, दरअसल दूध दो रूपये लीटर महंगे होने की खबर मिल रही है। सूत्रों के मुताबिक अधिकतर डेरियों में जो दूध अभी तक 66 रूपये लीटर था, उसके दाम बढ़कर 68 रूपये लीटर बिकने लगा है। वहीं गुणवत्ता के नाम पर कहीं कहीं दूध 70 रूपये लीटर भी बिकने लगा है। हालाकि डेयरी वाले उपभोक्ताओं को बढ़े हुए मूल्य की वृद्धि की जानकारी 1 दिसम्बर से होने की जानकारी दे रहे हैं।

दूध के दाम बढ़ाये जाने की वजह बढ़ती हुई महंगाई कही जा रही है, कहा जा रहा है कि दो-तीन साल पहले जो भैंस 70-80 हजार रूपये में आती थी, उसके दाम बढ़कर अब 1 लाख से ऊपर डेढ़ लाख रूपये तक हो गए हैं वहीं चुनी और चौकर के दाम बढ़ गए हैं। 24 रूपये किलो तक बिकने वाला दाना अब 32 रूपये किलो हो गया है। ऐसी स्थिति में दूध उत्पादन की पड़त महंगी बैठ रही है, यही वजह है कि दूध के दाम बढ़ रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि दूध उत्पादन की पड़त महंगी होने के कारण विगत 6 माह में 5-6 डेयरियां बन्द भी हो गई है। दूध के लगातार महंगे होने से उपभोक्ताओं के ऊपर तगड़ी मार पड़ रही है।

एक तरफ गेंहू, चावल, दाल सहित सब्जियों की महंगाई से आम उपभोक्ता परेशान हैं वहीं दूध के फिर महंगे होने से लोगों का बजट गड़बड़ाने लगा है। महंगे दूध के चलते न सिर्फ मध्यम वर्ग बल्कि गरीब की पहुंच भी दूध से दूर होती जा रही है। मध्यम वर्ग के लोग महंगे दूध के चलते दूध लेने की मात्रा घटा रहे हैं। वहीं कई गरीब दूध नहीं ले पा रहे हैं।

मेडिकल के डॉक्टरों की हाजिरी कटघरे में

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की हाजिरी यानी अटेंडेंस पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने संदेह खड़े कर दिए हैं। विभाग ने बकायदा पत्र लिखकर कहा है कि यदि जल्दी ही हाजिरी पर गंभीरता नहीं दिखाई गयी तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी। इधर, डॉक्टरों का कहना है कि वे अलग-अलग समय पर ड्यूटी करते हैं इसलिए हाजिरी लगाना मुश्किल है। हालाकि, जानकारों का कहना है कि डॉक्टर जब भी ड्यटी पर आएं वे बायोमैट्रिक मशीन में पंच करें। इसमें अलग-अलग समय का प्रश्न ही नहीं है। बहरहाल, ये मामला गर्मा गया है।

मेडिकल कॉलेज सूत्रों का कहना है कि चिकित्सा विभाग ने ऐसी ही कार्रवाई भोपाल और इंदौर मेडिकल कॉलेज पर की है और मान्यता पर खतरा आ गया है। असल में विभाग बार-बार पत्र जारी कर रहा है, लेकिन कोई सुनने तैयार ही नहीं है। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग आयुक्त ने इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित सभी 13 मेडिकल कॉलेजों के डीन को चेतावनी पत्र जारी कर दिया है।

भोपाल से आया अल्टीमेटम, डॉक्टर्स गिना रहे अपने कारण,सीनियर डॉक्टर्स को पंच करने में ज्यादा एतराज

मेडिकल कॉलेज जबलपुर में कुछ विभागाध्यक्ष सहित करीब 20 सीनियर डॉक्टर्स पंच नहीं कर रहे हैं। इनमें से कुछ प्रोफेसर हैं। वे मशीन पर इम्प्रेशन नहीं आने की वजह बता रहे हैं, लेकिन जब प्रशासनिक अधिकारी खुद के सामने पंच करने के लिए कहते हैं तो वे मना कर देते हैं।

जबलपुर में 35 से 40 फीसदी उपस्थिति ही दर्ज हो रही है। कुछ डॉक्टरों की मनमानी का आलम यह है कि वे ओपीडी में भी देरी से पहुंचते हैं और दोपहर 12 बजे निकल जाते हैं। बायोमैट्रिक मशीन पर अटेंडेंस पंच नहीं की जा रही है।

कई सीनियर डॉक्टर्स बायोमैट्रिक मशीन पर पंच करने के लिए तैयार ही नहीं हैं। कई बार निर्देश देने, पत्र लिखने के बावजूद 58 फीसदी डॉक्टर्स ही पंच कर रहे हैं। कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने 40 दिन में 9 दिन ही उपस्थित लगाई है। अब मेडिकल कॉलेज प्रशासन दो नई मशीन खरीद रहा है जो रेटिना से उपस्थिति दर्ज करेगी। ताकि किसी के पास यह बहाना नहीं हो कि उंगली का निशान मशीन पर नहीं बन रहा है।

चित्रकूट एक्सप्रेस व दुर्ग-कानपुर-दुर्ग ट्रेनों को हमीरपुर रोड स्टेशन पर मिली ठहराव की सुविधा

जबलपुर, देशबन्धु। यात्रियों की सुविधा हेतु रेलवे द्वारा लखनऊ-जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एवं दुर्ग-कानपुर-दुर्ग एक्सप्रेस गाडियों का हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव देने का निर्णय लिया गया है।

गाड़ी संख्या 15205/15206 लखनऊ-जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में 02 दिसंबर से अपने प्रस्थान स्टेशनों से प्रारम्भ होने वाली ट्रेने हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। लखनऊ से प्रस्थान करने वाली गाड़ी का हमीरपुर रोड में आगमन/प्रस्थान रात्रि 20.29/20.31 बजे एवं जबलपुर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी का हमीरपुर रोड में आगमन/प्रस्थान प्रात: 04.54/04.56 बजे होगा। गाड़ी संख्या 18203/18204 दुर्ग-कानपुर-दुर्ग एक्सप्रेस दोनों दिशाओ में 04 दिसंबर से हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। दुर्ग से प्रस्थान करने वाली गाड़ी का हमीरपुर रोड में आगमन/प्रस्थान सुबह 10.59/11.01 बजे एवं कानपुर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी का हमीरपुर रोड में आगमन/ प्रस्थान सायं 18.59/19.01 बजे होगा। इससे पमरे के कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों को भी लाभ मिलेगा।

सुबह हुई बारिश,स्कूलों का समय बदलने से मिली राहत, ठंड धीरे-धीरे पकड़ रही जोर

जबलपुर, देशबन्धु। लगातार चौथे दिन भी मौसम का मिजाज नहीं बदला। शुक्रवार भी सुबह बारिश हुई और दोपहर तक मौसम खुल गया। हालाकि, स्कूलों की टाइमिंग बदलने से जरूर बच्चों को राहत मिली,लेकिन सुबह दफ्तर जाने वालों के लिए परेशानी बनी रही। पूरा जबलपुर संभाग इन दिनों तरबतर है और मौसम विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिन मौसम ऐसा ही रहेगा।

मौसम विभाग की मानें तो बारिश और कोहरे का सिलसिला थमते ही जोरदार ठंड पड़ेगी। दिसंबर से कड़ाके की ठंड की शुरुआत हो जाती है। मौसम विभाग के अनुसार अबकी बार वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), चक्रवात और ट्रफ लाइन एक्टिव है, जिससे बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। 8-9 दिसंबर तक प्रदेश में बादल-हल्की बारिश होगी, जबकि दूसरे पखवाड़े की शुरुआत के साथ ठंड का असर भी बढ़ जाएगा। रात के टेम्प्रेचर में काफी गिरावट होगी।

अरब सागर से आ रही नमी और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से एक दिसंबर तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। अगले दो दिन में जबलपुर संभाग के जिलों में मध्यम-तेज बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुछ जगह ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत क्षेत्र में सक्रिय होने जा रहा है। उसके प्रभाव के चलते एक बार फिर प्रदेश में नम हवा आने से बारिश का एक और दौर चलेगा। बादल रहने के कारण दिन के तापमान में गिरावट होगी तो रात में बढ़ा रहेगा। आने वाले 2 दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। दिसंबर के पहले सप्ताह से तापमान में धीरे धीरे गिरावट आना शुरू होगी। तेज ठंड का असर दूसरे हफ्ते से देखने को मिलेगा।

मतगणना का दिन शुष्क दिवस घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने मतगणना के दिन कानून व्यवस्था बनाये रखने के मद्देनजर रविवार 3 दिसंबर को शुष्क दिवस घोषित किया है। इस बारे में जारी आदेश के मुताबिक मतगणना के दिन रविवार 3 दिसम्बर को सम्पूर्ण जिले में शराब की बिक्री, वितरण और परिवहन पर पूरी तरह से रोक रहेगी।

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 82
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 100
छोटा ब्रॉयलर - रु. 110
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 114
मुर्गा मीडियम - रु. 104
मुर्गा बड़ा - रु. 86
मुर्गा जम्बो - रु. 74
मो.-9039925000, 9425800409

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888,89
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
16 seater Recliner Theatre Available for Private Screening for Families and Groups
BOOK NOW. 6232124487
ANIMAL
08:15 AM 10:00 AM
11:00 PM 12:00 PM
01:15 PM 02:30 PM
03:45 PM 06:15 PM
07:00 PM 07:15 PM
07:45 PM 10:15 PM
11:00 PM 11:00 PM
11:30 PM
12TH FAIL 05:00 PM
SAMबहादुर
08:10 AM 10:30 AM
01:35 PM 04:20 PM
08:00 PM 11:00 PM

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery to 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर